

सत्र - 2019-2020



ज्ञानाब्जलि

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर (उ.प्र.)



NAAC IInd Cycle : Grade B++
Certified : ISO 9001 - 2015



सम्बद्ध : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

महाविद्यालय परिवार



प्रथम पंक्ति में दाएं से बाएं- डॉ. अरविंद कुमार यादव, डॉ. बलराम सिंह, डॉ. धीरज कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुशीला, डॉ. अपेक्षा तिवारी, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. निधि रायजादा, डॉ. ममता उपाध्याय, डॉ. आशा रानी, डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्या), डॉ. आभा सिंह, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. शिवानी वर्मा, डॉ. जीत सिंह, डॉ. हरिन्द्र कुमार, डॉ. रतन सिंह, श्री कनक कुमार, श्री अरविन्द सिंह

द्वितीय पंक्ति में दाएं से बाएं- डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. बबली अरुण, डॉ. सीमा देवी, डॉ. विजेता गौतम, श्रीमती नेहा त्रिपाठी, डॉ. कनकलता यादव, डॉ. निशा यादव, डॉ. मीनाक्षी लोहनी, श्रीमती शिल्पी, डॉ. मिनतु, डॉ. प्रतिभा तोमर, श्रीमती भावना यादव, श्रीमती पवन, डॉ. जूही विरला, डॉ. माधुरी पाल, मो.(डॉ.) वकार रजा, डॉ. सतीश चन्द

शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग



दायें से बायें : श्री माधव श्याम केसरवानी, श्री मुकेश शर्मा, डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्या), श्री महेश भाटी (कार्यालयाध्यक्ष), श्री अभिषेक कुमार, श्री चन्द्रप्रकाश

ज्ञानाञ्जलि

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

नैक द्वारा 'बी++' ग्रेड प्रमाणित

अंक - त्रयोदश

वर्ष - 2019-20



प्राचार्या

डॉ. दिव्या नाथ

सह-सम्पादक

डॉ. किशोर कुमार

प्रधान सम्पादक

डॉ. दीप्ति वाजपेयी

सम्पादक मण्डल

श्रीमती नेहा त्रिपाठी

डॉ. अरविन्द यादव

डॉ. निधि रायजादा

डॉ. मीनाक्षी लोहनी

डॉ. मिनतु बंसल

डॉ. नीलम शर्मा

डॉ. विजेता गौतम

छात्रा सम्पादक मण्डल

कला संकाय

कु. अपूर्वी, एम. ए. संस्कृत

कु. स्वाति सिंह, एम. ए. इतिहास

वाणिज्य संकाय

कु. भावना, बी. कॉम द्वितीय वर्ष

कु. काजल, बी. कॉम प्रथम वर्ष

विज्ञान संकाय

कु. संचिता चौहान, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

कु. ज्योति, एम.एस.सी., जन्तु विज्ञान

शिक्षा संकाय

कु. स्मृति सचान, बी. एड. द्वितीय वर्ष

कु. साधना यादव, बी. एड. प्रथम वर्ष

चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्ध

कुल गीत

शस्य श्यामला बादलपुर की हरी भरी उर्वर धरती पर
जन - गण मंगल करने के हित, विद्या दीप जलाया है।

गंगा यमुना की धारायें इसके तट पावन करती
मुक्त प्रदूषण शीतल छाया, तन मन को पुलकित करती
शान्ति समन्वय नैतिकता हित ज्ञान का दीप जलाया है।

शस्य श्यामला.....

खेत-खेत क्यारी-क्यारी में, नित्य नया जीवन भरती
श्रम सीकर सिंचित यह माटी चन्दन सा जग महकाती
बाल पुष्प का सौरभ माटी चन्दन अगरु जलाया है

शस्य श्यामला.....

इसका है इतिहास निराला गाथा गायन अलबेला
मिहिर भोज की कीर्ति कथा से इसका मस्तक गर्वीला
आगत भी है परम्परागत विद्या दुर्ग सजाया है।

शस्य श्यामला.....

आजादी के प्रथम युद्ध की साक्षी है पावन धरती
बुद्ध तथागत की करुणा भी ममता का संचय करती
समरस की सुन्दर संध्या में रंजन द्वीप जलाया है।

शस्य श्यामला.....

भव्य भारती के पदतल में करें अर्चना करें नमन
रमा विजय श्री मिले सभी को, जितेन्द्रिय सब बने युवा जन
ज्ञान सूर्य से मिटे तिमिर सब, ज्योतिर्पुंज जलाया है।

शस्य श्यामला.....

ऊर्जा बौद्धिकता मानवता शुचिता पावनता और सृजन
विद्या मन्दिर बादलपुर का आओ कर लें अभिनन्दन
विद्या हर घर-घर तक पहुँचे ज्ञान का शंख बजाया है।

शस्य श्यामला.....



राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

*The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare the
Km. Mayawati Government Girls Post Graduate College
Badalpur, Dadri, Dist. Gautam Buddha Nagar,
affiliated to Ch. Charan Singh University, Uttar Pradesh as
Accredited
with CGPA of 2.91 on four point scale
at B⁺⁺ grade
valid up to March 10, 2025*

Date : March 11, 2020



*S. C. Sharma
Director*

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



राज भवन
लखनऊ - 226 027

4 जून, 2020

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर द्वारा वार्षिक पत्रिका "ज्ञानांजलि" का प्रकाशन किया जा रहा है।

वास्तव में सार्थक शिक्षा वही है, जिसमें सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान भी मिले। मुझे आशा है कि महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका में विद्यार्थियों के ज्ञान एवं चारित्रिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्द्धक पाठ्य सामग्री का समावेश किया जायेगा।

पत्रिका "ज्ञानांजलि" के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(आनंदीबेन पटेल)

आनंदीबेन

डॉ. दिनेश शर्मा



99-100, विधान भवन,
लखनऊ



उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

12 जनवरी, 2020

सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक पत्रिका “ज्ञानांजलि” का प्रकाशन करने जा रहा है।

शिक्षण संस्थानों का दायित्व है कि वे निर्धारित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के उदात्त मूल्यों द्वारा संस्कारित करें, जिससे वह देश प्रेम, अनुशासन, सद्भाव, सेवा, त्याग आदि गुणों से परिपूर्ण नागरिक बन सकें। हमें प्रसन्नता है कि विगत वर्षों में महाविद्यालय अपने उक्त दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका में छात्राओं के शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास से संबंधित पठनीय सामग्री एवं महाविद्यालय के छात्राओं तथा शिक्षकों के रचनात्मक उपलब्धियों का समावेश होगा।

वार्षिक पत्रिका “ज्ञानांजलि” के सफल प्रकाशन के लिए कृपया मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें।

प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

दिनेश शर्मा

डॉ. वन्दना शर्मा
निदेशक, उच्च शिक्षा



उच्च शिक्षा निदेशालय, उ.प्र.
प्रयागराज

0532-2623874 (का.)
0532-2423919 (फैक्स)
0532-2256785 (आ.)
9452906572 (मो.)

13 जनवरी, 2020

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर (उ.प्र.) द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका “ज्ञानांजलि” का प्रकाशन किया जा रहा है।

शिक्षण संस्थानों का दायित्व है कि वे निर्धारित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ छात्राओं को भारतीय संस्कृति के उदात्त मूल्यों द्वारा संस्कारित करें, जिससे वह देश प्रेम, अनुशासन, सद्भाव, सेवा, त्याग आदि गुणों से परिपूर्ण नागरिक बन सकें।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका में छात्राओं के शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास से संबंधित पठनीय सामग्री एवं महाविद्यालय की छात्राओं तथा शिक्षकों के रचनात्मक उपलब्धियों का समावेश होगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. वन्दना शर्मा

प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर



चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ-250004 (उ.प्र.)

प्रो. नरेन्द्र कुमार तनेजा
पी.एच.डी. (अर्थशास्त्र) कुलपति

पत्रांक: एस0बी0सी/20/1562
दिनांक: 20.06.2020



सन्देश

जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, बादलपुर, (गौतमबुद्धनगर) द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका “ज्ञानांजलि” का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालय की पत्रिका, महाविद्यालय द्वारा वर्ष भर में छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विहंगम वर्णन के माध्यम से विद्यार्थियों में नयी उमंग एवं उत्साह का संचार करती है तथा उनकी सकारात्मक सक्रियता के संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विश्वास है कि पत्रिका छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा के निखार का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ ज्ञानोपयोगी लेखों को प्रकाशित करेगी। महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है।

प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

नरेन्द्र कुमार तनेजा
नरेन्द्र कुमार तनेजा

**सकारात्मक, दूरदर्शी, लगनशील
एवं यशस्वी प्राचार्या**



प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ

From the Principal's Desk

A highly fruitful session 2019-20 is at its fag end, albeit with a sense of immense satisfaction. It gives me great pleasure to realise the fact, that we've been able to achieve great milestones of success in this year, catapulting our college into the category of a trend setter among all the UP government colleges. This prompts me to quote something I firmly believe in -

'Success has one calculation formula:

Stop thinking in terms of limitations.....

and,

Start thinking in terms of possibilities!'

We all are well aware that the Government colleges of UP work under limited resources and yet make achievers out of our socio-economically backward students coming from rural areas, which is no mean task. But in order to achieve this, we have to explore endless avenues to turn our limitations into opportunities.

With this vision in mind, the fruitful use of our collaborations saw a hugely successful International Conference being held in GBU, Greater Noida, the first international conference in the history of our college. Other collaborations resulted in regular health check-up camps in the College, career counselling boot camps with 'Medha', donation of yet another sanitary pad vending machine and a water cooler by NTPC Dadri, allotment of Rs. 2 Lakhs by the local MLA Sri Tejpal Nagar from his MLA LAD fund for a student union room and assistance provided by the Greater Noida authority in cleaning/ improving the college premises etc..

Another monumental exercise this year was the successful completion of the second cycle of NAAC accreditation, making us one of the very few government colleges of UP to have achieved this feat. Moreover, greater satisfaction was achieved from the fact, that we became the only government college in UP to attain grade B++ in the new format of NAAC assessment, with the highest ever score of CGPA 2.91 in the State. Needless to say, the untiring efforts of the entire college community including the teaching, non-teaching staff and students was responsible for taking the college to this new height.

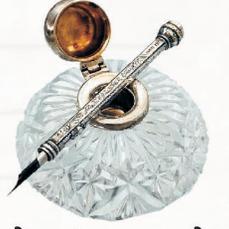
Nurturing creativity and inspiring innovation are two key elements of running a successful institution, which we have been following in letter and spirit in our college. Among other things this is also reflected in the timely publication of our college magazine 'Gyananjali', which harnesses the creative energy of the college community and distills the essence of their inspired imagination in the most brilliant way possible.

I congratulate the editorial board for bringing out yet another edition of this magazine as per schedule. May all our students soar high, bringing glory to their alma mater.

- Dr. Divya Nath



सम्पादिका की लेखनी से...



ज्ञानाञ्जलि के संपादकीय अनुभावों को महाविद्यालय उपलब्धियों एवं उन्नयन के विविध रंगों से चित्रित करने हेतु अपनी लेखनी उठाई थी, किन्तु भावनाओं का उद्वेलन बलात् मुझे अन्य दिशा में खींच रहा है। कोरोना के संकट काल में विषम परिस्थितियों से जूझते विश्व के लिए यह समय आत्मचिंतन एवं आत्म मूल्यांकन का है। हम क्या कर रहे हैं, हम क्या करना चाहते हैं, हमें क्या करना चाहिए, यह विचार मंथन इस समय अनिवार्य और अपरिहार्य है।

मानव जीवन का लक्ष्य है, अंतकरण के वैभव को अनुभूत कर तदनुरूप होना। यही हमारी संस्कृति का मूलाधार है। भारतीय संस्कृति में आंतरिक और बाह्य दोनों वैभव की महत्ता स्वीकार्य है। आंतरिक के साथ-साथ बाह्य वैभव भी आवश्यक माना गया है किन्तु ससीम रूप में। हमारी संस्कृति में सुख के साथ शांति और संतोष अविभाज्य रूप में सन्निहित है। बाह्य वैभव उस सीमा तक स्वीकार्य है, जहां तक वह आंतरिक वैभव के लिए बाधक ना बने।

वस्तुतः सम्पूर्ण मानव जीवन शून्य से विस्तार एवं पुनः विस्तार से शून्य की ओर अग्रसर होकर अंतस की यात्रा है। यही सृष्टि का नियम है। हमें सृष्टि के नियमों का पालन करना होगा अन्यथा सृष्टि स्वयं को शून्य में विलीन कर लेगी।

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से इस हेतु कटिबद्ध है कि वह छात्राओं को विकास और विनाश में विभेद कर पाने की समझ विकसित कर सके। उनके आंतरिक वैभवोन्मुख होने का मार्ग प्रशस्त कर सके। उनमें अन्तर्निहित क्षमताओं, योग्यताओं, कौशलों व मूल्यों के प्रस्फुटन का आधार प्रदान कर सके। उनके व्यक्तित्व में सृजन के बीज आरोपित कर सके, फिर प्रस्फुटन तो अवश्यंभावी है।

पत्रिका में संकलित छात्राओं की सृजनात्मक, कलात्मक एवं कौशलात्मक अभिव्यक्तियाँ लक्ष्य की पूर्णता सन्निकट होने का विश्वास दिलाती है। मैं कृतज्ञ हूँ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के प्रति, जिन्होंने महाविद्यालय के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु दिन-रात अपने प्रत्येक कदम को लक्ष्यगामी रखा, जिसके परिणामस्वरूप महाविद्यालय नैक मूल्यांकन के द्वितीय चरण में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाने में समर्थ रहा। महाविद्यालय की प्रत्येक इकाई को साथ लेकर, उनकी प्रतिभाओं-क्षमताओं का महाविद्यालय हित में श्रेष्ठतम उपयोग करना, उनकी विशिष्ट प्रशासनिक कला है जो महाविद्यालय में सावयविक वातावरण का निर्माण करती है और महाविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करती है।

महाविद्यालय को अपने शुभकामना संदेशों से अभिसंचित करने वाले माननीयों के प्रति हृदय से अनुग्रहीत हूँ।

मैं अपने सम्पादक मंडल के सभी साथियों के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ। पत्रिका को वर्तमान कलेवर में लाने का श्रेय उनके ही परिश्रम और सहयोग को जाता है।

छात्राएँ महाविद्यालय का केंद्र बिंदु है और महाविद्यालय के समस्त प्रयास छात्रा केंद्रित है, किन्तु महाविद्यालय के उर्ध्वगमन में छात्राओं की सहभागिता भी निसंदेह प्रशंसनीय है। उनकी यश सुरभि दिग्दिगन्त तक व्याप्त हो, ऐसी मंगल कामना है-

ओऽम् यशो ना द्यावापृथिवी यशोनोन्द्रबृहस्पति।

यशो भगस्य विन्दतु यशो ना प्रतिमुच्यताम्।

यशसास्याः संसदोवयं प्रवदितास्याम्।

- डॉ दीप्ति वाजपेयी

अनुक्रमणिका

गद्याञ्जलि

गलती का एहसास	आरती रानी, बी.ए. द्वितीय वर्ष	8
अपने और पराए	काजल शर्मा, बी.ए. द्वितीय वर्ष	9
जहरीला पौधा	अन्शु शर्मा, बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	9
जल ही जीवन है	कविता, बी.ए. प्रथम वर्ष	10
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	अंजली नागर, बी.एससी. द्वितीय वर्ष	11
एक शहीद पत्रकार: गणेश शंकर 'विद्यार्थी'	अंजली नागर, बी.एससी. द्वितीय वर्ष	11
जीवन है संघर्ष	दीपिका पायला, एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी	13
मैंने ये मानव क्यों बनाया?	रीना, एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी	13
स्वच्छ भारत, निर्मल भारत	निशा राघव, एम.ए. प्रथम वर्ष	14
शास्त्राण्यधीत्यपि भवन्ति मूर्खाः	आरती, बी.ए. प्रथम वर्ष	14
विद्यार्थि-जीवनम्	प्राची शर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष	15
संस्कृतसाहित्यस्य वैशिष्ट्यम्	अपूर्वी, बी.ए. द्वितीय वर्ष	16
कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते	अंजली नागर, एम. ए. प्रथम वर्ष	18
ईश्वरवादः	प्रियंका, एम. ए. प्रथम वर्ष	20
धर्मं सर्वं प्रतिष्ठितम्	मोनिका सिंघल, एम. ए. प्रथम वर्ष	22
Ayurveda : India's Gift to the World	Bharti, M.A. II	25
Computer - An Essential Requirement	Priya Sharma M.A.II	25
Social Media: A Two Edged Sword	Goldi Raghav M.A.I	26
Motiviation Either Positive or Negative	Rajni, M.A. II	26
Punctuality	Nikky Verma, B.A.II	26
The Voice of Heart or The Voice of Brain	Prerna, B.A. II	27
Thoughts	Kanchan Nagar, B.A. III	28
<u>काव्याञ्जलि</u>		
मुझे भी हक है।	काजल नागर, बी. ए. द्वितीय वर्ष	30
बेटियाँ	रीना, एम.ए. हिन्दी, प्रथम वर्ष	30
दुनिया का बोझ	निशा राघव, एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी	30
कहाँ गये वो दिन	कु. शिवानी, बी.ए. प्रथम वर्ष	31
शौक नहीं है	कोमल नागर, बी.ए. तृतीय वर्ष	31
शिक्षा का आदर्श स्वरूप	प्रियंका, बी.ए. द्वितीय वर्ष	32
मेरा सपना	वर्षा नागर, बी.ए. प्रथम वर्ष	32
क्या बेटी इंसान नहीं	शिवानी, बी.ए. प्रथम वर्ष	32
जवाब नहीं	सुदेश शर्मा, एम. ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी	32
आतंकवाद	चंचल चौधरी, बीए तृतीय वर्ष	33
भ्रष्टाचार	रीना, एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी	33
क्या माँ कभी तू बेटी नहीं थी	राखी, एम.ए.द्वितीय वर्ष	33

अजन्मी बेटियाँ	नीनू, बी.ए. तृतीय वर्ष	34
दुनिया रही न गोल	कु. शालू, एम.ए. (हिन्दी)	34
समर्पये जीवनम्	उमा कश्यप, बी.ए. प्रथम वर्ष	35
विधेयं संस्कृतरक्षणम्	चंचल, बी.ए. द्वितीय वर्ष	34
क्रियासिद्धिः सत्त्वे	ईशा भाटी, बी.ए. प्रथम वर्ष	35
एहि एहि वीर रे	अंजली, एम.ए. प्रथम वर्ष	35
प्रभुणा प्रेषिता वयम्	भारती, बी.ए. द्वितीय वर्ष	35
ध्येयगीतम्	दिव्या एम.ए. प्रथम वर्ष	35
प्रवहतात् संस्कृतमन्दाकिनी	अपूर्वा, एम.ए. द्वितीय वर्ष	36
केशवं स्मरामि सदा	अन्नपूर्णा, बी.ए. तृतीया वर्ष	36
My Dear Motherland India	Jyoti, M.A.II	37
Thoughts	Komal Rawal, B.A.II	37
Let It Go	Raghini, M.A. I	37
Successful	Sarika, B.A. II	37
Wake Up With A Smile	Alka, M.A.I	38
Trash	Anshika Sharma, B.A. II	38
Life Can be Sunshine	Sweta Tyagi, B.A.II	38
Three Nice Thoughts	Sarika, B.A. II	38
Black Board	Kajal Nagar, B.A.II	38
To A Mother	Kashish Kulshrestha, B.A.II	39
College Life	Farheen Khan, B.A. II	39
The Beauty of Sunset	Kanchan Nagar, B.A.III	39
My World	Shivani, B.A. II	39
Your Best	Farheen Khan, B.A. II YEAR	40
Why God Made Teachers	Nikky Verma, B.A.II	40
Good Things	Nikky Verma, B.A.II	40
Three Golden Rules	Prachi Nagar, B.A.II	40
School Life	Sarika, B.A. II	41
Life Is A Journey	Prachi Nagar, B.A. II	41
Beautiful Nature	Komal Rawal, B.A.II	41
Life	Kajal Nagar, B.A.II	41
For How Long Will You Stop Me?	Sapna Pratihasta B.A.II	42
Be S.m.a.r.t	Kajal Nagar, B.A.II	42
Education	Aqsa Saifi, B.A.II	42
Features Of My Teachers	Aqsa Saifi, B.A.II	42
विविधाञ्जलि		
वार्षिक आख्या	डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. ममता उपाध्याय	46
हिन्दी परिषद्	डॉ. मित्तु	44
अंग्रेजी परिषद्	श्रीमती जूही बिरला	46

संस्कृत परिषद्	डॉ. दीप्ति वाजपेयी	47
इतिहास परिषद्	डॉ. निधि रायज़ादा	48
समाजशास्त्र परिषद्	डॉ. सुशील	50
राजनीति विज्ञान परिषद्	डॉ. आभा सिंह	51
भूगोल परिषद्	डॉ. मीनाक्षी लोहनी	52
गृह विज्ञान परिषद्	श्रीमती शिल्पी	53
अर्थशास्त्र परिषद्	श्रीमती भावना यादव	54
शारीरिक शिक्षा परिषद्	डॉ. धीरज कुमार	55
संगीत परिषद्	डॉ. बबली अरुण	57
शिक्षाशास्त्र परिषद्	डॉ. सोनम शर्मा	58
चित्रकला परिषद्	श्रीमती शालिनी तिवारी	59
वाणिज्य परिषद्	डॉ. अरविन्द कुमार यादव	60
शिक्षक शिक्षा परिषद्	डॉ. बलराम सिंह	61
महिला प्रकोष्ठ	डॉ. अर्चना सिंह	62
जन्तु विज्ञान परिषद्	डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा	64
विज्ञान परिषद्	नेहा त्रिपाठी	65
एनसीसी इकाई	लेफ्टीनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी	67
राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)	श्रीमती शिल्पी	71
राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)	श्रीमती नेहा त्रिपाठी	74
रेंजर्स	डॉ. सुशीला	77
प्राथमिक चिकित्सा समिति	डॉ. शिवानी वर्मा	78
प्रसार व्याख्यान	डॉ. निधि रायज़ादा	78
कैरियर काउन्सलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ	श्रीमती शिल्पी	79
विभागीय परिषद्	डॉ. शिवानी वर्मा	80
पुरातन छात्रा परिषद्	डॉ. मित्तु	81
एक भारत श्रेष्ठ भारत	डॉ. मीनाक्षी लोहनी	81
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्	डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी	83
छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति	डॉ. जीत सिंह	85
संविधान दिवस से समरसता दिवस तक	डॉ. ममता उपाध्याय	86
साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद्	डॉ. दीप्ति वाजपेयी	88
जल शक्ति अभियान	श्रीमती शिल्पी	89
स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केन्द्र	डॉ. किशोर कुमार	92
अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. किशोर कुमार	93
राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा)	डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा	95
Green Audit Report	Dr. Pratiba, Dr. Meenakshi Lohni	96
Internal Quality Assurance Cell	Dr. Kishor Kumar, Convener IQAC	98
B. Voc. Course	Dr. D. C. Sharma, Dr. Azad Alam	101
महाविद्यालय प्राध्यापकों एवं सदस्यों की विशिष्ट उपलब्धियाँ	डॉ. दीप्ति वाजपेयी	103
महाविद्यालय परिवार	डॉ. दीप्ति वाजपेयी	104

Vision

To provide low cost quality higher education to the girls students of socio-economically weaker sections of the area, in order to bridge the rural-urban divide and thus bring about holistic national development.

परिकल्पना

इस क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की छात्राओं को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विभेदों को दूर करते हुए समग्र राष्ट्र का विकास करना।

Mission

As a unit of Uttar Pradesh Government Higher Education, "Kumari Mayawati Govt. Girls Post Graduate College, Badalpur" is engaged in pursuit of academic excellence, in order to achieve the empowerment of women in the adjoining rural area by :

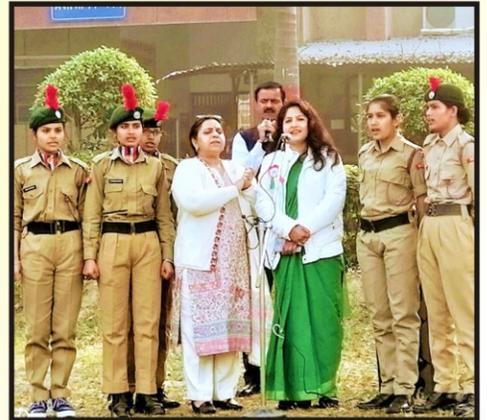
- **the development of leadership skills, inner strength and self-reliance,**
- **inculcate moral values and tolerance and**
- **making new technological innovations available to the target group, in order to prepare them to face national and global challenges.**

संकल्प

उ. प्र. राज्य उच्च शिक्षा की इकाई के रूप में “कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर” ग्रामीण अंचल की छात्राओं को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्रदान कर निम्न बिन्दुओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को यथार्थ स्वरूप प्रदान करने हेतु कृत संकल्प है—

- * छात्राओं में मनोबल, आत्मनिर्भरता एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
- * उनमें नैतिक मूल्यों का विकास कर सहिष्णुता की भावना विकसित करना।
- * नवीन तकनीकी एवं नवाचारों के माध्यम से छात्राओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना।

विविध गतिविधियाँ



विविध गतिविधियाँ



विविध गतिविधियाँ



विविध गतिविधियाँ





गद्याञ्जलि



गलती का एहसास

आरती रानी
बी.ए. द्वितीय वर्ष

रवि स्कूल से आता है और चुपचाप अपने कमरे में बंद हो जाता है। उस छोटे से घर में सभी का अलग-अलग संसार बसा था। वह हमेशा मम्मी को मोबाइल पर बिजी देखता। रवि उनके पास जाता तो वो उसे झटक देतीं। उन्हें देखकर रवि को भी मोबाइल पाने की ललक जग गई। पापा भी किसी न किसी से मोबाइल से बात करते रहते थे। घरेलू भैया राजू भी ईयर फोन लगा कर कुछ न कुछ सुन रहे होते। पूरे घर में खामोशी पसरी रहती।

एक दिन रवि मम्मी के पास जाकर फट पड़ा-आप लोग दिन भर मोबाइल पर लगे रहते हैं। मेरी बात सुनते ही नहीं हैं। मुझे भी मोबाइल चाहिए। बस मुझे उससे पढ़ाई करने की सहूलियत मिलेगी।

‘अरे बाबा किट गुप में कुछ हार्ड डिस्कशन चल रही है। रूक जाओ थोड़ी देर-इसे निपटा कर तुमसे बात करती हूँ, फिर मम्मी ने वहीं से आवाज लगाई-राजू रवि को संभालो जरा थोड़ी देर।

रवि हैरान रहकर मम्मी का मुँह देखता रह गया। राजू उसकी बाँह पकड़ कर उसके कमरे तक ले गया।

थोड़ी देर बाद मम्मी-पापा के बीच बहस शुरू हो गई। दोनों एक-दूसरे पर इल्जाम लगा रहे थे। कि उसकी देखभाल सही तरीके से नहीं कर रहे। रवि उन दोनों की बात सुनकर सिहर उठा! उदासी बाहर भीतर पसरने लगी थी कि अचानक उन दोनों के बीच हुई एक बात ने उसे खुश कर दिया।

एक तो जमाना बहुत खराब है। बच्चों की किडनैपिंग भी इन दिनों बढ़ गई है। बच्चे यदि मुसीबत में हो तो कम से कम वह मोबाइल से बता तो सकता है मम्मी ने दलील दी।

पापा ने मम्मी को बहुत समझाने की कोशिश की मगर वे नहीं मानीं। कुछ दिनों बाद उसके हाथ में एक चमचमाता स्मार्ट फोन था। मम्मी पापा को उसने तंग करना बंद कर दिया। स्कूल से आते ही मोबाइल लेकर जम जाता, न कोई रोक न कोई टोक।

एक दिन एक दोस्त अनिकेत ने गेम का एक लिंक भेजा। उस गेम से एक टास्क था, हर रोज एक चैलेंज! जो आखिरी एक दिन के चैलेंज को पूरा कर देगा उसे एक शानदार इनाम मिलेगा। इधर गेम शुरू हुआ और उधर रवि अपने में डूबा रहने लगा। वह जैसे ही स्कूल से घर आता, जैसे-तैसे बेमन से खाना खाता और अपने कमरे में मोबाइल लेकर बंद हो जाता। एक दिन शाम को अचानक विजय मामा रवि के कमरे में चले गए। रवि तो अपने गेम के चैलेंज को पूरा करने के लिए मगन था। मामा का बिना बताए आना खल गया। मामा उसके पास जाकर बैठे और कुछ पूछना चाहा कि रवि ने जम्हाई ली-मामा प्लीज अभी नींद आ रही है। मगर उसके मामा कुछ तय करके आए थे। राजू ने तो फोन पर उन्हें सब कुछ बता दिया था फिर भी वे रवि से खुल कर सारी बात जानना चाहते थे। उसके बाद ही अपने बहन-बहनोई से दो टूक बात कहते।

डरा हुआ रवि कैसे बताए मामा को कि वह एक गेम में बहुत बुरी तरह फंस चुका था। गेम के नेक्स्ट टास्क में उसे किसी बच्चे की नकली किडनैपिंग करनी थी। उसे दो दिन छिपाकर भी रखना था, नहीं तो गेम खेलने वाले की किडनैपिंग हो जाती है। वह यह सब सोचकर रोने लगा। मामा ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा-रोओ मत चुप हो जाओ। मुझे एक दो दिन के लिए अपना मोबाइल दे दो कुछ नहीं होगा। मैं हूँ ना सब ठीक हो जाएगा मैं इस तरह गेम बंद करवा सकता हूँ! मामा ने अपने तरीके से गेम को हैंडल किया और गेम से वे सफलतापूर्वक बाहर आ गए। फिर उन्होंने मोबाइल से उस गेम को डी-एक्टिवेट कर दिया। दो दिन के बाद उन्होंने मोबाइल रवि के हाथों में

दे दिया। उन्होंने रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा, बेटा, हम अपनी सहूलियत के लिए मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं न कि उसका गुलाम बनने के लिए। मोबाइल पर उल्टे-सीधे गेम खेलने के बजाए दोस्तों के साथ बातचीत करो। आउटडोर गेम खेलो हाँ, किसी महत्वपूर्ण जानकारी के लिए गूगल सर्च कर सकते हैं। इसके बाद मामा ने अपने बहन-बहनोई को झिड़कते हुए कहा कि तुम लोगों को रवि को भी समय देना चाहिए। उसकी बातें सुननी चाहिए। अन्यथा मोबाइल लत के कारण तुम दोनों को बाद में पछताना भी पड़ सकता है। उनकी बातें सुनकर रवि के मम्मी-पापा को भी अपनी गलती का एहसास हो गया था।

अपने और पराए

काजल शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

एक सुनार था, उसकी दुकान से सटी एक लौहार की दुकान थी।

सुनार जब भी काम करता तो उसकी दुकान से बहुत धीमी आवाज आती, किन्तु जब लौहार काम करता तो उसकी दुकान से कानों को फाड़ देने वाली आवाज सुनाई देती। एक दिन एक सोने का कण छिटक कर लौहार की दुकान में आ गिरा। वहाँ उसकी भेंट लौहार के कण के साथ हुई।

सोने के कण से पूछा-भाई हम दोनों का दुःख एक समान है, हम दोनों को ही एक समान आग में तपाया जाता है, और समान रूप से हथौड़े की चोट सहनी पड़ती है। मैं ये सब यातना चुपचाप सहता हूँ, पर तुम बहुत चिल्लाते हो, क्यों? लोहे के कर्ण ने मन भारी करते हुए कहा-तुम्हारा कहना सही है,

किन्तु तुम पर चोट करने वाला हथौड़ा तुम्हारा सगा भाई नहीं।

मुझ पर चोट करने वाला लोहे का हथौड़ा मेरा सगा भाई है। परायों की अपेक्षा अपनों द्वारा दी गई चोट अधिक पीड़ा पहुँचाती है।

जीवन में सपनों के लिए कभी अपनो से दूर मत होना क्योंकि अपनो के बिना जीवन में सपनों का कोई मोल नहीं।

जहरीला पौधा

अन्शु शर्मा,
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

एक व्यक्ति बहुत परेशान था। वह अच्छा बनना चाहता था, पर उसकी आदतें उसे बुराई की ओर धकेल रही थीं। परेशान होकर वह अपने गुरु के पास गया और बोला “गुरु जी जिन बातों को आप न करने की सलाह देते हैं, वही काम करने का मेरा मन करता है। मेरे अन्दर उन चीजों को पाने की लालसा जगी रहती है जो मेरे लिये वर्जित है। मैं उन कामों को करने की योजनाएं बनाता रहता हूँ, जो मुझे नुकसान पहुँचा सकती हैं।

गुरु जी मुस्कराए। उन्होंने सामने लगे पौधे की ओर इशारा किया और कहा- जानते हो इस पौधे की विशेषता उसने ‘न’ में सिर हिलाया। गुरु जी बोले, यह जहरीला पौधा है। इसके पत्तों का अधिक सेवन जानलेवा बन जाता है, लेकिन इसे देखते रहने या इसके बारे में सोचते रहने से यह कोई नुकसान नहीं पहुँचाता। इसी तरह तुम्हारा मन जिन गलत बातों को देख या सोच रहा है, वे तुम पर दुष्प्रभाव नहीं डालेंगी। हाँ तुम उनका उपयोग करना मत शुरू करना।

ओर हाँ..... गुरु जी आगे बोले, “यह जहरीला पौधा बहुत काम का है। इससे अर्क लेकर उन्हें दवाइयों में रूपांतरित कर दिया जाता है जो लोगों की जान बचाती हैं। इसलिये जो बुराईयाँ हैं, उन्हें तुम अच्छाइयों में रूपांतरित कर सकते हो और सभी के लिये कल्याणकारी बन सकते हो।

शिक्षा- “बुराइयों से भागने के बजाय अपनी अच्छाईयों को प्रभावी बनाइए।”

जल ही जीवन है।

कविता
बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रकृति ने मनुष्य को अनेक अमूल्य उपहार दिए हैं। उन्हीं में से एक जल भी है। जल ही समस्त प्राणी-संसार जीवन का आधार है। इसके अभाव से प्राणी का जीवन संकट में पड़ सकता है। धूप में चलकर दूर से आया हुआ एक प्यासा व्यक्ति ही पानी के मूल्य को समझ पाता है। यदि प्यासे को पानी न मिले तो उसके जीवन का अंत हो सकता है। आप सभी जानते होंगे कि प्रकृति की हरियाली भी जल से ही है। जल द्वारा सिंचाई करके ही खेतों में अनाज स्वरूप सोना उपजता है। आधुनिक युग में जल से विद्युत का भी उत्पादन किया जाता है।

जल का पर्यायवाची-जीवन है, जो सभी प्रकार से उचित है। पृथ्वी के तीन चौथाई भाग में जल है और हमारे शरीर में भी 75 प्रतिशत के अनुपात में जल विद्यमान है। आप सभी जानते होंगे कि हमारी निजी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी जल की उपयोगिता है।

आज नगरों में पीने के पानी का संकट पाया जाने लगा है। पीने के पानी को बोतलों में बंद करके बेचा जाता है। अनेक कंपनियाँ इस व्यापार में काम कर रही हैं। वे पानी की शुद्धता का दावा करती हैं, किंतु जाँच में पाया गया है कि इन बोलतों के पानी में संक्रामक तत्वों के अवशेष पाए जाते हैं। उनमें सीसा, आर्सेनिक और बेंजोन नामक तत्व की मिलावट की गई है।

पानी का प्रयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। नहाते समय व कपड़े धोते समय जल को व्यर्थ ही बहाया जाता है जो उचित नहीं है। रसोई में प्रयोग किए जाने वाले बर्तनों की संख्या जहाँ तक संभव हो सीमित रखी जाए। घड़े, बाल्टी आदि का शेष जल हमें इधर-उधर न फेंककर पौधों में डालना चाहिए। इससे वृक्ष भी हरे-भरे हो जायेंगे और पानी व्यर्थ भी नहीं जाएगा। हम सभी को जल की एक-एक बूंद का संचय करना चाहिए। उसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए। आए दिन देखते हैं कि सड़कों पर नालों से निरन्तर पानी बहता रहता है। वहाँ पर लोगों का आवागमन चालू रहता है पर वो इन नलों को बंद नहीं करते और वहाँ से बच निकल जाते हैं। सोचते हैं एक व्यक्ति के पानी बचाने से क्या होगा। वे यह नहीं जानते कि उनकी यह बात बहुत गलत है। जब हम आज शुरुआत करेंगे तभी तो कल परिणाम देखेंगे।

याद रखिए कि पानी की एक-एक बूँद बहुत कीमती है। हमें इसका उपयोग सावधानी के साथ करना चाहिए। इसको व्यर्थ बहाना या दुरुपयोग करना किसी अपराध से कम नहीं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अगर आज पानी नहीं बचायेंगे तो कल हमारी ही पीढ़ियाँ जल के अभाव में प्यासी मरेंगी। तो आज सब प्रण लीजिए कि हम सब आज से ही बल्कि अभी से ही पानी का संचय करेंगे और इसे व्यर्थ नहीं बहायेंगे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

अंजली नागर
बी.एससी. द्वितीय वर्ष

‘बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ’ एक सरकारी योजना है, जिसे भारत के प्रधानमंत्री ने जनवरी 2015 से शुरू किया है। लड़कियों की सामाजिक स्थिति में भारतीय समाज में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने के लिये इस योजना का आरंभ किया गया है। भारतीय समाज में छोटी लड़कियों पर बहुत सारे प्रतिबंध किये जाते हैं जो उनकी उचित वृद्धि और विकास में रोड़ा बना हुआ है। ये योजना छोटी लड़कियों के खिलाफ होने वाले अत्याचार, असुरक्षा, लैंगिक भेदभाव आदि को रोकेंगे। 18वीं सदी के लोगों की बजाय आधुनिक समय में महिलाओं के प्रति लोगों की मानसिकता ज्यादा घटिया होती जा रही है। इस कार्यक्रम की शुरुआत करते समय प्रधानमंत्री ने कहा कि, भारतीय लोगों की ये सामान्य धारणा है कि लड़कियाँ अपने माता-पिता के लिए पराया धन होती हैं। अभिभावक सोचते हैं कि लड़के तो उनके अपने होते हैं जो बुढ़ापे में उनकी देखभाल करेंगे जबकि लड़कियाँ तो दूसरे घर जाकर अपने ससुराल वालों की सेवा करती हैं।

लड़कियाँ के बारे में 21 वीं सदी में लोगों की ऐसी मानसिकता निश्चित ही शर्मनाक हैं और जन्म से लड़कियों को पूरे अधिकार देने के लिये लोगों के दिमाग से इसे जड़ से मिटाने की जरूरत है।

छोटी लड़कियों की स्थिति अंतिम दशक में बहुत खराब हो चुकी थी क्योंकि कन्या-भ्रूण हत्या एक बड़े पैमाने पर अपना पैर पसार रही थी। उच्च तकनीक से लिंग का पता लगाकर जन्म से पहले ही लड़कियों को उनके माँ के गर्भ में ही मार दिया जाता था। लड़कियों की संख्या को कम करने के लिये ये प्रथा प्रचलन में थी। साथ-ही-साथ परिवार एक लड़की की जिम्मेदारी को तुच्छ समझता है। योजना की शुरुआत करने के लिये सबसे बेहतर जगह के रूप में हरियाणा को चुना गया था, क्योंकि देश में (775 लड़कियाँ/1000 लड़के) लड़कियों के लिंगानुपात हरियाणा के महेन्द्रगुण जिले में सबसे खराब है।

भारतीय समाज में छोटी बच्चियों के खिलाफ भेदभाव और लैंगिक असमानता की ओर ध्यान दिलाने के लिये बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक सरकारी सामाजिक योजना की शुरुआत की गयी है। हरियाणा के पानीपत में 22 जनवरी 2015, बुधवार को प्रधानमंत्री के द्वारा इस योजना की शुरुआत हुई। ये योजना समाज में लड़कियों के महत्व के बारे में लोगों की जागरूक करने के लिये है। कन्या भ्रूण हत्या को पूरी तरह समाप्त करने, लड़कियों के जीवन को बचाने के लिए आम लोगों के बीच ये जागरूकता बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इसमें एक लड़के की भाँति ही एक लड़की के जन्म पर खुशी मनाने और उसे पूरी जिम्मेदारी से शिक्षित करने के लिये प्रेरित करेगी।

एक शहीद पत्रकार: गणेश शंकर ‘विद्यार्थी’

अंजली नागर
बी.एससी. द्वितीय वर्ष

यह लेख गणेश शंकर विद्यार्थी के व्यक्तित्व की पड़ताल करते हुए, भारतीय राजनीति की विसंगतियों, समाज की दुःखती रंग तथा साम्प्रदायिकता पर कटाक्ष करता है। स्वाधीनता आन्दोलन पर केंद्रित यह लेख गणेश शंकर विद्यार्थी के औपनिवेशिक साम्राज्य के विरुद्ध पत्रकारिता के माध्यम से अपूर्व संघर्ष को प्रस्तुत करता है। भारतीय पत्रकारिता

आरम्भ से ही राष्ट्रीयता की संपोषक तथा उद्बोधक रही है। पत्रकारिता के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर स्वतः ही ज्ञात हो जाता है कि पत्रकारिता ने स्वाधीनता-आन्दोलन और उसके सेनानियों को प्रेरित और प्रबुद्धित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। शायद इसलिए ही उर्दू कवि अकबर इलाहाबादी को कहना पड़ा-

**खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो।
जब तोप मुकाबिल हो, तो अखबार निकालो॥**

गणेश शंकर विद्यार्थी एक यशस्वी पत्रकार, निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी, सच्चे राष्ट्रभक्त के रूप में भारतीय पत्रकारिता जगत में एक प्रकाश-पुँज के रूप में प्रकाशमान हैं। विद्यार्थी जी ने अपने समय की श्रेष्ठ लेखनी, देश की स्वतंत्रता और पत्रकारिता की स्वाधीनता के लिए हर लड़ाई लड़ी।

गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म इलाहाबाद के अतर सूइया नामक मुहल्ले में सन् 1890 ई. को हुआ था। इनके पिता का नाम जयनारायण श्रीवास्तव था। विद्यार्थी जी को एंट्रेस की पढ़ाई पूरी करने के लिए ग्वालियर भेजा गया, किन्तु आर्थिक कठिनाईयों के चलते अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए। उन्हें नौकरी हेतु कानपुर जाना पड़ा। इसी दौरान उनकी मुलाकात प्रसिद्ध पत्रकार सुन्दरलाल से हुई जो कि इलाहाबाद से 'कर्मयोगी' पत्र निकाल रहे थे। यहीं से विद्यार्थी जी का रूख लेखन की ओर होता है। इन्होंने इलाहाबाद से ही प्रकाशित होने वाले राजनीतिक साप्ताहिक पत्र 'अभ्युदय' का सम्पादन किया और 9 नवम्बर सन् 1913 ई. को अपने मित्र शिवनारायण श्रीवास्तव तथा नारायण प्रसाद अरोड़ा के सहयोग से 'प्रताप' नामक स्वतन्त्र पत्र का प्रकाशन आरम्भ किया। इसी पत्र के नारायण माध्यम से गणेश शंकर विद्यार्थी ने पत्रकारिता जगत को बनारसीदास चतुर्वेदी, माखनलाल चतुर्वेदी, सियाराम शरण गुप्त, बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन' जैसे संपादक और पत्रकार दिए।

राजनीतिक रूप से इन्होंने एनी बेसेंट के होमरूल आन्दोलन तथा सत्याग्रह आन्दोलन में सक्रियता दिखाई। इनका प्रत्येक रूप स्वतंत्रता संग्राम को गति प्रदान करने वाला था इसीलिए इन्हें बार-बार जेल जाना पड़ा। जेल से रिहा होने के बाद सन् 1925 ई. में श्रीमती सरोजनी नायडू की अध्यक्षता में अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन हुआ तो उसमें उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। विद्यार्थी जी के अनुरोध पर ही इस अधिवेशन में गाने के लिए झंडा-गीत लिखा गया, जो कि बाद में जन-जन का कंठ-प्रिय बना।

हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की सिफारिश करते हुए विद्यार्थी जी ने अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के गोरखपुर अधिवेशन में कहा "हिन्दी राष्ट्रभाषा बने.....हिन्दी एक संस्कृति की प्रतीक है और केवल हिन्दी द्वारा ही बिखरे हुए भारत में एकत्व की भावना भरी जा सकती है और सबको एक सूत्र में आबद्ध करने का हिन्दी एकमेव साधन है।"

गणेश जी सांप्रदायिक दंगों में शहीद होने से मात्र सोलह दिन पूर्व ही गाँधी इरविन समझौते के तहत कारावास में होते हैं और रिहाई के मात्र सोलह दिन बाद ही हिन्दू आग को बुझाते हुए शहीद हो जाते हैं। वास्तविकता यह थी कि 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फाँसी दी गई थी। सम्पूर्ण देशवासियों का ध्यान इस घटना की ओर लगा था। दूसरी ओर से ध्यान हटाने के लिए सरकार ने दंगे करवाए जिससे हिन्दू-मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक आग भड़क जाये। सैकड़ों लोगों की जान गई और मंदिर-मस्जिदों को नष्ट कर दिया गया। चूँकि सरदार भगत सिंह ने अज्ञातवास के राणा प्रताप प्रेस में बलवंत के नाम से काम किया था और गणेश जी ने भी 'मैनपुरी षडयंत्र केस और 'काकोरी कांड' में क्रान्तिकारियों की मदद की थी। अतः सरकार को भी संदेह था कि प्रताप फाँसी की घटना पर शांत नहीं बैठेगा इसलिए दंगा करा दिया जाता है, जिससे सैकड़ों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। इन्हीं दंगों को शान्त कराने के प्रयास में वे हिन्दू मुस्लिम वाले मुहल्ले में जाते और लोगों को समझाने का प्रयास करते।

जीवन है संघर्ष

दीपिका पायला
एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी

ईश्वर की सबसे अनमोल देन है- जीवन। जिसे भी यह जीवन मिलता है वह ईश्वर का वरदान पा लेता है। ये जिन्दगी हर कोई जीता है, मगर कोई सुख से हँसते हुए अपने जीवन का समापन करता है और कोई सम्पूर्ण जीवन संघर्ष करता हुआ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की चाह में कार्यरत रहता है। सबसे महत्वपूर्ण जीवन तो उसका होता है जो अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर ले।

कुछ ऐसा कर जाए जो दुनिया में अपनी यादों को छोड़ जाए। उसके जाने के बाद भी उसके आदर्शों को अपनी जीवन में उतारें, क्योंकि उच्च आदर्श हमेशा अलग ही चमकते रहते हैं। वे अनमोल होते हैं। उनके सामने कितनी भी महत्वपूर्ण (वस्तु) हो उसका महत्व भी फीका पड़ जाता है। हमें आदर्शों का मार्ग कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

मैंने ये मानव क्यों बनाया?

रीना
एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी

विद्यार्थी के जीवन में एक ऐसी घड़ी आती है जब उसके दिमाग की सुई अटक-कर रह जाती है। जैसे-जैसे परीक्षा करीब आती है विद्यार्थी को माँ शारदा की याद सताती है। मन में लेकर माँ शारदा का नाम, पहुँच गयी हंसवाहिनी के धाम। बड़े प्यार से दोनों हाथों को जोड़। बैठ गई घुटनों को मोड़। बड़े प्रेम से शीश झुकाया, अपनी समस्या से अवगत कराया। बोली-“माँ दे दो मुझे आशीष, माँग रही हूँ- आज भीख। सर पर खड़े हैं इम्तिहान और मुझे कुछ भी नहीं है ज्ञान। माँ बोली-बेटी पढ़ा क्यों नहीं, या समझ में नहीं आया। उस पर मेरा नाम भी तुझको आज ही याद आया। विद्यार्थी ने कहने से पहले सोचा, कुछ झिझकी और फिर बोली, “माँ! बात दरअसल ऐसी, तुमसे क्या छुपाना जरूरत पड़ी तो मजबूरन पड़ा आना। वरना अब तक तुम्हारी जरूरत ही कहाँ थी। मैं ठहरी बिजी, सहेलियों से फुर्सत ही कहाँ थी। तुम तक आ सकती तो पढ़ ही न लेती। फिर आज ऐन वक्त पर तुम्हें दस्तक क्यों देती। तुम तो माँ हो, मैं बेटी ही रहूँगी। फिर भी क्या ये रीत चलाई। क्यों हम मासूम बच्चों की टेंशन बढ़ाई। स्वर, व्यंजन, शब्द न जाने क्या-क्या बनाया अपने तक ही रखती, हमें क्यों फँसाया। तुम अपनी विपत्ति हमारे गले में डाल बैठी देख रही हो हंस की चाल। तुम हमारी चैन की बंशी छीन वीणा बजाती हो।

माँ हम भोले-भाले बच्चों को क्यों सताती हो, “माँ बोली- ‘बच्ची! तू दे रही है मुझी को गच्चा।’ मैंने ये शब्द संसार बनाया है और तू इसमें मुझी को फँसाने आई है। खुद तो पढ़ी नहीं अब मुझसे उम्मीद लगाती है। उस पर भी अपराधी मुझी को बताती है। बच्ची बोली-‘ तुम तो बड़ी हो, बहस नहीं करूंगी पास करा दो अंत में यही मैं कहूँगी। माँ बोली-मैं तुझे एक बार दे सकती हूँ। जो चाहे, माँग ले।

मगर दोबारा कुछ न दूँगी, यह बात ध्यान रहे।’ बच्ची ने कुछ सोचा और फिर बोली। अपने छोटे से मुख को खोला माँ। हर बार का चक्कर है। पास, फेल, परीक्षा और परिणाम। इसलिए आज दे दो बस यही वरदान, तुम बन जाओ विद्यार्थी और मैं बन जाऊँ भगवान। सुनते ही माता का छूट गया पसीना। उल्टे पाँव लौट गई छोड़ कर वीणा उस दिन माता को सचमुच अपनी बुद्धि पर तरस आया। घबराकर बोलीं- मैंने ये मानव क्यों बनाया?

स्वच्छ भारत, निर्मल भारत

निशा राघव
एम.ए. प्रथम वर्ष

भारत देश एक परम्परावादी देश माना जाता है। यहाँ की संस्कृति यहाँ की सभ्यता आज विदेशियों के लिए एक सबक है। न जाने क्यों आज हमारा देश सब तरह से स्वच्छता में पीछे है यहाँ के वासी आज हर दिन कोई न कोई चमत्कारी कार्य करते हैं, जिससे उन पर उनके परिवार को और साथ-ही-साथ देश को भी गर्व होता है। लेकिन जब सफाई की बात आती है तो यही देशवासी न जाने क्यों पीछे हट जाते हैं और अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं। सोने की चिड़िया कहा जाने वाला हमारा भारत देश आज पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुका है। अंग्रेज जिन्होंने हमारे देश पर लगभग सौ वर्षों से भी ज्यादा राज किया तब हमारे शहीद देशवासियों ने उनको देश छोड़ने पर मजबूर किया। अपने भारत देश को स्वतन्त्र करा कर ही दम लिया, लेकिन हमारे आज के देशवासी ऐसा करने में शायद ही हमारा साथ दें।

जीवन में सफाई का महत्वपूर्ण स्थान है। आज के समय में हम जैसे कहीं खो से गये हैं। अपने देश को साफ रखने में जिस प्रकार हम अपने शरीर की सफाई करते हैं उसी प्रकार अपने मौहल्ले की, अपनी, गली की, अपने नगर की, नदी की, नालों की और इसी प्रकार धीरे-धीरे अपने पूरे देश की सफाई करनी चाहिए। सफाई के मामले में हमारा भारत देश न जाने क्यों पिछड़ा हुआ है। वे लोग सबसे ज्यादा मूर्खता का कार्य करते हैं। सफाई के मामले महत्वपूर्ण होने चाहिए। जो सड़को पर कचरा डाल देते हैं। सड़को पर वो खाली पानी की बोतल, पॉलीथीन और तो और सड़कों पर थूक देते हैं। यदि हम अपने आस-पास ही सफाई नहीं रखेंगे तो कैसे हम अपने देश को साफ रख पायेंगे और इसके साथ ही हमारे भारत देश से सारी गन्दगी-चली जाए। जिस प्रकार हम किसी भी कार्य को करने के बाद नहाना नहीं भूलते, उसी प्रकार अपने देश और आस-पास के स्थानों को साफ करना कभी न भूलें क्योंकि ये हमारा मूल कर्तव्य है। हमें अपने कर्तव्य से कभी भी पीछे नहीं हटाना चाहिए। तभी हमारा भारत देश उन्नति करेगा।

आओ करें यह वादा, सफाई रखे सबसे ज्यादा!

शास्त्राण्यधीत्यपि भवन्ति मूर्खाः

आरती
बी.ए. प्रथम वर्ष

कस्मिश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्राह्मणाः परस्पर मित्रत्वमापन्नाः वसन्ति स्म। बालभावे तेषां मतिरजायत भोः देशान्तरं गत्वा विद्योपार्जनं क्रियेत इति। अथान्यस्मिन् दिवसे ते परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्यकुब्जं गताः। तत्र च विद्यामठे पठन्ति स्म। एवं द्वादशाब्दानि यावत् एकचित्ततया पठित्वा विद्याकुं शलास्ते सर्वे सञ्जाताः।

ततस्तैश्चतुर्भिः मिलित्वा उक्तम्- अधुना वयं सर्वे विद्यापारङ्गताः। तदुपाध्यायस्य अनुज्ञां लब्ध्वा स्वदेशं गच्छामः। एवं मन्त्रयित्वा तथैवानुष्ठीयताम् इत्युक्त्वा उपाध्यायस्यानुज्ञां लब्ध्वा पुस्तकानि च नीत्वा यावत् कञ्चित् मार्गं गच्छन्ति तावद् द्वौ पन्थानौ समायातौ। तत्रैकः प्रोवाच- 'केन मार्गेण गच्छामः?' एतस्मिन्नतरे तस्मिन् पत्तने कञ्चिद् वणिक्-पुत्रो मृतः तस्य दाहाय महाजनो गतोऽभूत्।

ततश्चतुर्णां मध्यादेकेन पुस्तकमुदधाट्य अवलोकितम् महाजनो येन गतः स पन्थाः इति। तन्महाजनमार्गेण गच्छामः।

अथ यावत्ते पण्डिताः महाजनमेलापकेन सह श्मशानभूमिं प्राप्ताः तावत्तत्र कश्चिद् राजभो दृष्टः। अथ द्वितीयेन पुस्तकमुदघाट्य अवलोकितम्-

उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्घटे।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः॥

तदद्ये अयमस्मदीयो बान्धवः प्राप्तेः। कश्चिद् तस्य ग्रीवायां हस्तं निक्षपति, कोऽपि पादौ प्रक्षालयति। अथ यावत्ते पण्डिताः दिशामवलोकयन्ति तावत् कश्चिद् उष्ट्रो दृष्टः। तैरुक्तम्-एतत् किम् ? तृतीयेन पुस्तकमुदघाट्य उक्तम्-‘धर्मस्ये त्वरितो गतिः तन्नूनमेष धर्मस्तावत्।

चतुर्थेनोक्तम्-‘इष्टं धर्मेण योजयेत्’। तद्बान्धवोऽयमस्माकं धर्मेण योज्यताम्। अध तैश्च राजभः उष्ट्रग्रीवायां बद्धः। तत्तु केनचित् तत्स्वामिनो रजकस्याग्रे कथितम्, श्रुत्वा च रजकः यावत्तेषां मूर्खपण्डितानां प्रहाराय समायातः तावत्ते पलायिताः।

ततो यावग्रे कञ्चित् स्तोकं मार्गं गच्छन्ति तावत् काच्चिन्नदी समासादिता। तस्याः जलमध्ये पलाश पत्रमेकमायातं दृष्ट्वा पण्डितेनैकेनोक्तम् - आगमिष्यति यत् पत्रं तदस्मास्तारयिष्यति। एतत् कथयित्वा यावत्तस्योपरि पतितस्तावन्नद्या नीयते, तं तथा नीयमानं विलोक्य अन्येन पण्डितेन केशान्तं ग्रहीत्वा उक्तम्-

सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्थं त्यजति पण्डितः।
अर्थेन कुरुते कार्यं सर्वनाशो हि दुस्सहः॥

इत्युक्त्वा तस्य शिरश्छेदोविहितः।

अथ तैश्च पश्चाद् गत्वा कश्चिद् ग्रामः आसादितः ग्रामीणैश्च निमन्त्रिताः पृथक्-पृथक् गृहेषु नीताः। तत्र एकस्य घृतखण्डसंयुक्ताः सूत्रिकाः भोजने दत्ताः। ततो विचिन्त्य पण्डितेनोक्तम्-‘दीर्घसूत्री विनश्यति’ इत्युक्त्वा भोजनं परित्यज्य गतः। द्वितीयस्य मण्डकाः दत्ताः। तेनाप्युक्तम्- ‘अति विस्तारं विस्तीर्णं तदभवेन्न चिरायुषम्।’ स च भोजनं त्यक्त्वा गताः। तृतीयस्य वटिकाभोजनं दत्तम्। तेनापि पण्डितेन उक्तम्-‘छिद्रेष्वनर्था बहुलीभवन्ति।’ एवं ते त्रयोऽपि पण्डितः क्षुत्तामकण्ठाः लौकैरूपघस्यमानाः स्यमानाः स्वदेशं गतः।

विद्यार्थि-जीवनम्

प्राची शर्मा
बी.ए. प्रथम वर्ष

मानवजीवने हि विद्यार्थि-जीवनस्य नितरां महत्त्वं वर्तते। अस्मिन्नेव मनुजस्य जीवनं विकसति। अत्रैव मानसिकम् आध्यात्मिकञ्च उत्थानं जायते।

विद्यार्थि-जीवनं च विद्याध्ययनस्य समयः। चतुर्वर्गस्य फलप्राप्तिश्च विद्ययैव संभवति नान्यथा। भवन्ति किल विद्यालयाः विद्यानां स्थानं ललितकलानां चापि निधानम्। ततश्च अत्र नैके छात्रा आगच्छन्ति शिक्षन्ते च स्वं चरित्रम्।

विद्यार्थिजीवनं चातीव सौख्यप्रदम्। अत्र हि छात्राः सुखं वसन्ति, स्वच्छन्दं च यापयन्ति स्वसमयम्। न चिन्तायाः स्थानम् न भयस्यावकाशः न जीवन-निर्वाहस्य चिन्ता न च मानापमानयोः विचारः। विद्यार्थी हि सुखं भुङ्क्ते, स्वच्छन्दं क्रीडति, यथेच्छमधीते, मित्रैः सह क्रीडति, नाटकैः, चित्रपटैः, संगीतेन च मनः विनोदयति।

अत्र हि धनिनो निर्धनाश्च समे एव स्वादूनि भोजनानि आस्वादयन्ति, सुधाधवलितेषु प्रसादेषु निवसन्ति, धारयन्ति च बहुमूल्यानि वसनानि। विद्यार्थिनश्च कदाचित् तीर्थेषु पर्यटन्ति, क्वचित् पर्वतषु विहरन्ति।

मातापितरौ तेषां कृते धनम् अर्जयतः कुरुतश्च तेषां सुखस्य चिन्ताम् ।

छात्रास्तु सुखेन जीवनम् यापयन्ति। एवञ्च विद्यार्थिजीवनं हि आमोद-प्रमोदानां स्थानम्, आनन्दानां चाष्पदम्।

परं किं सुखानां भोगायैव इदं जीवनं कल्पते? न वा विद्यार्थिजीवनस्य लक्ष्यं वा किञ्चित्?

आचार्यस्तु संयमाय एव विद्यार्थिजीवनम् इति वदन्ति। विद्याध्ययनाय जीवननिर्माणाय चायं कालः।

येन प्रथमेऽस्मिन् जीवने विद्या नार्जिता सः अग्रे किं करिष्यति। ये छात्राः तपसा विद्यामर्जन्ति त एव सफलाः संजायन्ते।

उक्तं हि-

सुखार्थिनः कुतो विद्या, विद्यार्थिनः कुतः सुखम्॥

वस्तुतः महाविद्यालयो हि जीवननिर्माणस्य स्थानम्। अत्रैव नागरिकतायाः ज्ञानं लभ्यते। महापुरुषाः,

राजनीतिज्ञाः कलाकुशलाश्च महाविद्यालयेभ्य एव प्रादुर्भवन्ति। तथैव लोके इतिहासे च दृश्यते। एवञ्च सर्वेपरि ध्यातव्यमेतद् यद् विद्यार्थिजीवनं नाम मानवजीवनस्य प्रथमं सोपानम्, तच्च न केवलम् अपातरमणीयानां सुखानां साधनमपि तु श्रेयसामपि द्वारम्।

संस्कृतसाहित्यस्य वैशिष्ट्यम्

अपूर्वी

एम.ए. द्वितीय वर्ष

समाजस्य दर्पणं साहित्यं खलु। समाजस्योत्थानपतनसमृद्धिव्यर्द्धिनां ज्ञानस्य प्रमुखसाधनं तत्कालीनसाहित्यमेव भवति। साहित्यं संस्कृत्याः अपि प्रधानवाहनं विद्यते। संस्कृत्याः मूलं यदि भौतिकवादम् आश्रयति तदा तस्य देशस्य साहित्यं कदापि आध्यात्मिकं भवितुं न शक्नोति। यदि संस्कृतौ आध्यात्मीकिनां भावनानां प्रधानता विद्यते तदा अस्य देशस्य आहोस्वित् जात्याः साहित्यमपि आध्यात्मिकविहीनं न दरीदृश्यते।

सामाजिकभावनानां सामाजिकविचारानां च अभिव्यक्तेः हेतोः यदि साहित्यं समाजस्य दर्पणमस्ति तदा सांस्कृतिकाचाराणां विपुलप्रचारेण साहित्यं संस्कृत्याः वाहनं खलु।

संस्कृतभाषा भारतस्य अपूर्वा निधिः। संस्कृतसाहित्यं भारतीयसमाजस्य भव्यविचाराणां रुचिरदर्पणं विद्यते। साहित्यं शब्दार्थयोः मञ्जुलसामञ्जस्य सूचकं विद्यते। 'संहितयोः भावः साहित्यम्' अर्थात् शब्दार्थयोः भावः एवसाहित्यं विद्यते। भर्तृहरिणा साहित्यसंगीतविहीनः पशुः कथितः- 'साहित्यसङ्गीतकला-विहीनः साक्षात् पशुः पुच्छविषाणहीनः'। अत्र कवेः संकेतः तानि मञ्जुलकाव्यानि प्रति विद्यते येषु शब्दार्थयोः अनुरूपं सन्निवेशं वर्तते। विल्हणस्योक्तिरियम्-

'साहित्यपयोनिधिः मन्थनोत्थं काव्यामृतरक्षत हे कवीन्द्रः।

यदस्य दैत्या इव लुण्ठनाय काव्यर्थचौराः प्रगुणीभवन्ति॥

साहित्यशब्दस्य प्रयोगः संकुचिताथ काव्यानाटकादिकृते भवति परं व्यापकार्थं कस्यामपि विशिष्टभाषायां निबद्धाः ग्रन्थाः साहित्यमिति कथ्यन्ते।

संस्कृतवाङ्मयं एवं संस्कृतसाहित्यं खलु। सर्वप्रथमं पुरातनतादृष्ट्या संस्कृतसाहित्यस्य महत्त्वम् अप्रतिमं विद्यते। अस्माकं संस्कृतेः आकारग्रन्थाः वेदाः अपि संस्कृतभाषायामेव वर्तन्ते। भारतीयसाहित्यस्य विशालप्रासादस्य आधारशिलाः वेदाः एव। अतः मानवेतिहासस्य सम्यक् अनुशीलनाय संस्कृतसाहित्यस्य महती आवश्यकता वर्तते। विण्टरनिजमहोदयानुसारमपि

"If we wish to learn to understand the beginning of our own culture, if we wish to understand the oldest Indo European culture, we must go to india where the oldest literature of an Indo-European people is preserved."

न केवलं पुरातनतादृष्ट्या अपितु अविच्छिन्नतादृष्ट्यापि अद्वितीयं संस्कृतवाङ्मयम्। संस्कृतसाहित्यस्य सर्वप्रथमग्रन्थस्य निर्माणो अष्टादशसहस्राणि वर्षाणि पूर्वमभवत् । ततः प्रभृति एव संस्कृतसाहित्यस्य धारा विच्छिन्नगत्या प्रवहति। अन्यसाहित्यनामिताहासानाम् अवलोकनेन एवं प्रतीयते यत् तेषां साहित्यमनुकूलपरिस्थितौ विकसति परं विषमावस्थासु तस्य प्रवाहः मन्दीभवति । परं संस्कृतसाहित्ये अयं दोषः न परिलक्ष्यते। वेदानामनन्तरं ब्राह्मणग्रन्थाः ब्राह्मणग्रन्थानामनन्तरमारण्यकाः आरण्यकानामनन्तरमुपनिषद्ग्रन्थाः उपनिषदामुपरान्तं रामायणमहाभारतपुराणानि पुराणानामानन्तरं काव्यानाटकगद्यकथाख्यायिकास्मृतितन्त्रग्रन्थानां निर्माणोऽभवत्। इत्थं संस्कृतसाहित्यस्य परम्परा अविच्छिन्नरूपेण प्रवहन्ती दरीदृश्यते। अविच्छिन्नता दृष्ट्या अपि इदं साहित्यं नितान्तमहत्त्वपूर्णम् ।

संस्कृतसाहित्यं सर्वाङ्गीणं खलु। धर्मार्थकाममोक्षमानवजीवस्य चतुर्णां पुरुषार्थानां वर्णनम् अस्मिन् साहित्ये विस्तारेण उपलभ्यते। संस्कृतसाहित्ये केवलं धर्मग्रन्थानामेव बाहुल्यं न वर्तते विज्ञानज्योतिषवैद्य कस्थापत्यपशुपक्षीसम्बन्धिलक्षणग्रन्थानामपि प्राचुर्यम् अवलोक्यते। वस्तुतः प्रेयशास्त्र श्रेयशास्त्रयोः उभयोरपि रचना संस्कृतवाङ्मये उपलभ्यते। मिश्रदेशस्य साहित्ये तु केवलं प्रेयशास्त्रस्यैव वर्णनं प्राप्यते। आध्यात्मिक विवेचनस्य तु चर्चापि न कृता।

धार्मिकदृष्ट्यापि संस्कृतसाहित्यस्य गौरवम् अक्षुण्णं वर्तते। वेदेषु आर्यधर्मस्य विशुद्धं रूपम् उपलभ्यते। भारतीयधर्मविकासाय प्रारम्भिकाय स्थायाः अवलोकनार्थं ऋग्वेदमपहाय अन्यो कोऽपि महत्त्वपूर्णस्तोत्रो न विद्यते। श्रुत्वाः दृढाधारशिलायां भारतीयधर्मस्थ सभ्यतायाः च भव्यविशालप्रसादः प्रतिष्ठितः। वेदाः अस्मद् धर्मस्य मूलग्रन्थाः सन्ति। उक्तञ्च-

‘वेदोऽखिलो धर्ममूलम्’। वेदार्णवात् ज्ञानस्य धर्मस्य च विमलधाराः विभिन्नपथैः न केवलं भारतवर्षस्य अपितु सम्पूर्णजगतः भूस्थलानि उर्वराणि कुर्वन्ति । इत्थं न केवलं भारतवर्षाय अपितु अन्यदेशेभ्योऽपि धार्मिकदृष्ट्या संस्कृतवाङ्मयस्य अनुशीलनम् आवश्यकं वर्तते।

अद्यापि संस्कृतभाषा भारतीयजीवनेऽनुस्यूता इव प्रतीयते । अस्माकं धार्मिकजीवनम् अस्य ज्वलन्तप्रमाणं विद्यते। गीतारामायणमहाभारतादीनां अद्यापि देशव्यापी प्रचारो दरीदृश्यते। अस्माकम् उपनयनविवाहादयः संस्काराः अन्यधार्मिककृत्याणि च संस्कृतभाषायामेव सम्पन्नानि भवन्ति। संस्कृत अस्माकं सांस्कृतिकी भाषा विद्यते। जैनग्रन्थां अपि अस्यां भाषायामेव प्राप्यन्ते।

सांस्कृतिकदृष्ट्या संस्कृतवाङ्मयस्य गौरवं विशिष्टं वर्तते। भारतस्य प्राचीनइतिहासस्य सम्यक्पर्यालोचनं संस्कृतवाङ्मयस्याध्ययनं विना असम्भवमेव। प्राचीनाः शिलालेखः अपि संस्कृतभाषायामेव वर्तन्ते। भारतीयपुरातत्वज्ञानायपि संस्कृतस्य ज्ञानमत्यन्तावश्यकम्। संस्कृतसाहित्यस्य इतिहासः न केवलं भाषायाः इतिहासः अपितु भारतस्याध्यत्मिकसामाजिकव्यवहारिकराजनैतिकजीवनस्यापि ज्वलन्तचित्रणमस्ति। श्रीबलदेवोपाध्यायानुसारम्-यदि कस्यापि देशस्य साहित्यं तस्य संस्कृत्याः द्योतकं तदा संस्कृतसाहित्यं भारतीयसंस्कृते निर्मलदर्पणं विद्यते।

अन्यदेशेष्वपि भारतीयसंस्कृतेः प्रचारः आसीत्। जावायाः भाषायां रामायणमहाभारतयोः व्याख्यानां दरीदृश्यन्ते। भारतवासिनामिव तस्य देशस्य निवासिनोऽपि रामलीलां अर्जुनलीलां च दृष्ट्वा चित्तविनोदं कुर्वन्ति। मंगोल्याः मरुभूमौ अपि संस्कृतसाहित्यस्य प्रचारः आसीत्। तस्य देशस्य भाषायां महाभारतस्य सम्बद्धानि अनेकानि नाटकानि उपलभ्यन्ते। येषु हिडिम्बावधनाटकं प्रमुखं विद्यते।

विशुद्धकल्पनादृष्ट्यापि संस्कृतवाङ्मयस्य महिमा अद्वितीयः खलु। यस्मिन् साहित्ये महाकविकालिदासेन समं कवयः कालिदासभवभूतिना तुल्यः नाटककाराः बाणभट्टेन तुल्यो गद्यलेखकाः श्री हर्षेण समं पण्डितकवयः च वभूवुः। यस्मिन्

साहित्ये शैल्याः उत्कृष्टता, विलक्षणस्वरमाधुर्यम्, अपूर्वकौशलरचना, अलङ्काराणाम् अनुपमः प्रयोगः प्रकृतिचित्रणस्य सजीवता, मनोमुग्धकारी दृश्यानां छटा, वैभवविलासस्य चित्रणस्य यथार्थता, शब्दानां समयक् संगुम्फनं भाषा एवं भावनामुत्कृष्टता, सजीवचरित्रचित्रणस्य बाहुल्यं मनोभावनां मनोवृत्तिनां च मार्मिकनिरीक्षण अप्रतिमं कल्पनावैभवं, जीवनस्य सूक्ष्मतत्वानां विवेचनं, शाश्वतसौन्दर्यस्य चित्रणं च प्राप्यते। तस्य साहित्यस्व गौरवस्य वर्णनं समुचितशब्देषु कर्तुं कथं शक्यते। किं बहुना प्राचीनताविच्छन्नताव्यापकताधार्मिकतासभ्यतादृष्ट्या कलादृष्ट्या च संस्कृतवाङ्मयं नितान्तगौरवपूर्णं प्रतीयते।

कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते

अंजली नागर
एम.ए. प्रथम वर्ष

भवभूतेः सम्बन्धाद् भूधरभूदेव भारती भाति।
एतत्कृत करुण्ये किमन्यथा रोदिति ग्रावा॥

(गोवर्द्धनाचार्यः)

संस्कृतसाहित्ये भवभूतिप्रसूतानि त्रीणि नाटकरत्नानि विलसन्ति-वीरचरित-मालतीमाधव-उत्तरामचरिताख्यानि। तानि खल्वसाधारणगुणगरिम्याय रसिकानां चेतसिं समाकर्षन्ति। तदेषां पदविन्यासेन भावभङ्गया चानुमीयते यद् वीरचरितमेव प्रथमा रचना तदनु मालतीमाधवं तदनन्तरं चोत्तरामचरितम्, उत्कर्षदृष्ट्या च सर्वोत्कृष्टकृतिस्तूत्तरामचरितमेव।

कविवरोऽयं श्रीकण्ठः रत्नखेटकः कोटिसार इत्येतैर्नामभिः प्रख्यातः। कविरसौ उत्तरामचरिते सूत्रधारमुखेन स्वपरिचयमेवं दत्त्वान् - “एवमत्रभवन्तो विदाङ्कुर्वन्तु अस्ति खलु तत्र भवान् काश्यपः श्रीकण्ठपदलाञ्छनः पदवाक्य प्रमाणज्ञो भवभूतिर्नाम जातुकर्णीपुत्रः।” तथा चायं वीरचरितेमालतीमाधवेश्चात्मानं परिचाययति- “अस्ति दक्षिणापये पद्मपुरं नाम नगरम्। तत्र केचित्तैत्तिरीयिणः काश्यपारणगुरवः पङ्क्तिपावनाः पञ्चाग्नयो धृतव्रताः उदुम्बरा ब्रह्मवादिनः प्रविशन्ति। तदामुष्यायणस्य तत्र भवतो वाजपेययाजिनो महाकवेः पञ्चमः सुगृहीतनाम्नो भट्टगोपालस्य पौत्रः पवित्रकीर्त्तनीलकण्ठ स्यात्सम्भवः श्रीकण्ठपदलाञ्छनो भवभूतिर्नाम जातुकर्णीपुत्रः कविः मित्रधेयमस्माकमित्यत्रभवन्तो विदाङ्कुर्वन्तु-

श्रेष्ठः परमंहसानां महर्षिणामिवाङ्गिराः।

यथार्थनामा भगवान् यस्य ज्ञानानिधिर्गुरुः॥

एवं हि ज्ञायते यत् जतुकर्णगोत्रसम्भवत्वात् कविवरस्य जननी जातुककर्णीति नाम्ना प्रसिद्धा गुरुश्चास्य ज्ञाननिधिनामा यथार्थनामा ज्ञाननिधिरेव बभूव।

भवभूतिर्जन्मना विदर्भदेशमलञ्चकार। मालतीमाधवस्य पर्यालोचनेन ज्ञायते यत् विदर्भदेशस्य राजधानी कुण्डिनपुरमासीत्। यत्र पद्मपुरे भवभूतिर्जन्मपरिग्रहमकरोत् तद्धुना जनशून्य बृहद्वनं सञ्जातम्।

केचिन् मन्यन्ते यत् कालिदासः भवभूतिश्च समसामयिकावास्ताम्। परं तयोः रचनापर्यालोचनेन ज्ञायते यन् नैतौ समसामयिकौ। कालिदासस्य रचना शैली प्रसादबहुला, सरला निसर्गजा च, भवभूतेस्तु जटिला, प्रलम्बसमासबहुला च प्रतिभाति।

भवभूतेः कालविषये राजतरङ्गिणयाचतुर्थेऽङ्के पद्यमिदं महत्त्वपूर्णम्-

“कविर्वाक्पति-राजश्री-भवभूत्यादिसेवितः।

जितो ययौ यशोवर्मा तद्गुणस्तुतिवन्दिताम्॥”

एतेन पद्येन विज्ञायते भवभूतिः कान्यंकुज्जाधियतेः यशोवर्मणो राजपण्डित आसीत् । यशोवर्माऽसौ काश्मीरकेण राज्ञा ललितादित्येन पराजितः। ललितादित्यस्य शासनकालः खैस्त 693 अब्दात् 726 पर्यन्तमासीत्। प्रतः भवभूतेः समयः अष्टमशताब्द्याः प्रारम्भ एवेति सुनिश्चितम्।

भवभूतिः कालिदासस्य समसायिकः इति प्रचारितः प्रवादोऽपि विचारणीयः। अस्य प्रवादस्य मूलं भोजप्रबन्धोल्लिखितमारक्ष्यायिकमिदं वर्तते यदेकदा भवभूतिः उत्तररामचरितं विरच्य कालिदासस्य सविधं गतस्तच्छ्रवणाय। शतरञ्जनक्रीडासक्तः कालिदासो भवभूतिं प्राह यदुच्चैः श्रावय आद्यन्तं च सर्वं निशम्य कालिदासः परमसन्तुष्टोऽभूत्, उक्तवांश्रव यद्रूपकमतिरमणीयं सम्पन्नम्, परन्तु-

किमपि किमपि मन्दं मन्दमासत्तियेगा-
दविरलितकपोलं जल्पतोरक्रमेण।
प्रशिथिलितपरिम्भव्यापृतैकैकदोष्णो-
रविदितगतयासा रात्रिरेवं व्यरंसीत्॥

इत्यस्य श्लोकस्य चतुर्थे चरणे “एवं” इत्यत्र अनुस्वारोऽधिकः सञ्जातः । भवभूतिना कालिदासस्येतन्निर्देशं स्वीकृत्य ‘रात्रिरेव व्यरंसीत्’ इति पाठभेदेऽनुस्वारोऽप्राकृतः। परमस्य प्रवादस्य कोऽपि आधारो नास्ति यतः भोजप्रबन्धे पठयते- ‘वाराणसीतः समागतः कोऽपि भवभूतिर्नाम कविः द्वारि तिष्ठति।’ भूजानेर्भोजदेवस्य शासनसमयस्यायं वृत्तान्तः। श्रीभोजदेवश्च मुञ्जभ्रातृजः। यदि भोजदेवस्य शासने भवभूतेः विद्यमानता स्वीक्रियेत तर्हि भवभूतेः समयः एकादशशताब्द्याम् भवेत् एतच्च प्रमाणान्तरैर्भविंतुं नार्हति। अतः भवभूतेः समयः अष्टमशताब्द्याः प्रारम्भ एवेति सुनिश्चितम्।

नाटककारेषु भवभूतेः स्थानं सर्वोत्कृष्टमित्यत्र न काप्यत्युक्तिः। ‘उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते अस्याभाणकस्यापि चारितार्थमेव। अस्य कवेः करुणरसः सर्वस्वभूतः तस्य रसस्य च प्राधान्यं कविः स्वयमेवोद्घोषयति-

एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्
भिन्नः पृथक् पृथगिव श्रयते विवर्तान्।
आवर्त्तबुद्बुदतरङ्गमयान् विकारा-
नम्भो यथा सलिलमेव हि तत्समस्तम्॥इति॥

स्वयं भवभूतिस्तमसामुखेन करुणरसस्य प्राधान्यं रससार्वभौमत्वं च सूचयति तथा चान्ये रसास्तु तद्विकृतय एव। उत्तरचरिते तु करुणरसः पर काष्ठां गत इव प्रतिभाति। तद्यथा-

हा हा देवि स्फुटति हृदयं संसते देहबन्धः
शून्यं मन्ये जगदविरलज्वालमन्तर्ज्वलामि ।
सीदन्नन्धे तमसि विधुरो मज्जतीवान्तरात्मा
विष्वङ्मोहः स्थगयति कथं मन्दभाग्यः करोमि॥

भवभूतिना यद्यपि यत्रतत्र स्वनाटकेषु वीरकरुणबीभत्सादिरसानां प्रयोगः कृतस्तथापि करुणरस एव शिखरायते तस्य रचनायाम्। संस्कृतसाहित्ये भवभूतेः उच्चतमं स्थानम्, न केवलं भाषासौष्टवदृष्ट्या, अपितु तस्य रचनायाम् भारतीयसंस्कृतेः परम्परा, रीतिनीतिव्यवहारा, अध्यात्मज्योतिषश्च परिदीप्यमानं वर्तते।

वीरचरिते तृतीयाङ्के समाजपरिपाटीं च चित्रयन् कविरयं ब्रह्मर्षिवसिष्ठमुखेन जामदग्न्यं ब्राह्मणधर्मम् अवबोधयति-

“अयि वत्स, किमनया यावज्जीवनमायुधपिशाचिकया। श्रोत्रियोऽसि जामदग्न्यपूतं भजस्व पन्थानम् आरण्यकश्चापि तत्प्रचिनु चित्तप्रसादनाश्चतस्त्रो मैत्र्यादिभावनाः। प्रसीदतु हि ते विशोकः ज्योतिष्मती नाम चित्तवृत्तिः। समापयतु परशुं च।

तत्प्रसादजमृतम्भराभिधान्मवहिःसाधनोपाधेय सर्वाथसामर्थ्यमपविद्धपल्वोपरागमूर्जस्वलमन्तज्योतिषो दर्शनं प्रज्ञान्मपि सम्भवति। तद्धि आचरितव्यं ब्राह्मणेन तरति येन मृत्युं पाप्मानम्।”

उत्तरचरिते चतुर्थोङ्के जनकेन लववेशवर्णनव्याजेन कियन्नैपुण्येन चित्रितानि क्षत्रियान्तेवासिनां लक्षणानि-

चूडाचुम्बितकङ्कपत्रमभितस्तूणीद्वयं पृष्ठतः
भस्मस्तोकपवित्रलाञ्छनमुरो धत्ते त्वचं रौरवीम् ।
मौर्व्या मेखलया नियन्त्रितमधो वासश्च माञ्जिष्ठकम्
पाणौ कार्मुकमक्षसूत्रवलयं दण्डः परः पैप्पलः॥

भवभूतिना स्वरचनायां प्राचीनसमाजस्य यत् प्रकृतचित्रणं कृतं तत्खलु तस्य वैशिष्ट्यम्। तद्रचनायां तदानीन्तनशास्त्रीयाचारव्यवहारस्यापि सम्यक् प्रतिबिम्बस्तच्चातुरीम् प्रदर्शयति। भवभूतिर्नाट्यकलायां कालिदासस्य तुलनां तु नाधिरोहति किन्तु स स्थाने ऽ साधारणकवित्वशक्तिं दर्शयति-

“स्नपयति हृदयेशं स्नेहनिष्यन्दिनी ते धवलबहुलमुग्धा दुग्धकुल्येव दृष्टिः’

कीहङ्गर्मस्पृग्वर्णनमेतत्। अयं हि कविःलब्धप्रतिष्ठः श्रेष्ठश्चासीत्। श्री हरिहरेण कविवरेण स्थान एवोक्तम्-

जडानामापि चैतन्यं भवभूतेरभूद् गिरा।
ग्रावाप्यरोदीत् पार्वत्या हसतः स्म स्तनावपि”

कालिदास-भवभूत्योस्तुलना-उभावपि कवीश्वरौ संस्कृतसाहित्यस्य मूर्द्धाभिषिक्तौ नाट्यकारौ। कालिदासः शृङ्गारस्य आचार्यः भवभूतिश्च करुणरसस्य। उभावपि स्वस्वविषये निरूपमौ नाट्यकलाकारौ। यद्यपि महापुरुष-योस्तुलना नोचितीमर्हति तथापि समालोचकाः स्वहृष्टिबिन्दुमु द्विशयैव एवं विदधति। कालिदासस्य रचनायां कल्पनावृत्तिरेव मुख्या भूवभूतेः रचनायामभिधावृत्तिरेव मुख्या। दुष्यन्तः शकुन्तलाप्रथमदर्शन एव चमत्कृतो निगदति-

‘अहो लब्धं-नेत्रनिर्वाणम्।’

भवभूतिः मालतीमाधवे मालतीमवलोक्य माधवः-

“अविरलमपि दाम्ना पौण्डरेणेव नद्धः स्नपित इव च दुग्धस्रोतसा निर्भरेण।”

यत्र कालिदासः संकेतमात्रं तनुते तत्र भवभूतिः विशदवर्णनं करोति। कालिदासस्य भाषा मधुरा शैली च प्रसादगुणयितां भवभूतेस्तु भाषा प्रोढा। कञ्चिद् कृत्रिमा, समासाडम्बशालिनी च। यद्यपि काव्यकलानाट्य पाटवं भावावेशसंश्लेषश्चोभयोः कवीश्वरयोरलौकिकः मार्मिश्च तथापि तारतम्यदृशा तु स्थिरीक्रियते यद्भवभूतिः कालिदासस्य तुलनां नारोहत्येव।

ईश्वरवादः

प्रियंका

एम.ए. द्वितीय वर्ष

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत् ।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः मा गृधः कस्यस्विद्धनम्॥

अस्य दृश्यजगतः यो निर्माणं नियन्त्रणञ्च विदधाति स एव ईश्वरपदेन व्यपदिश्यते। स च पुनः ‘सपर्यगात्’ सर्वव्यापकः। यः सर्वेष्वणुपरमाणुषु च व्याप्नोति यश्च सर्वशक्तिमान् प्रभुः अस्य विशदस्य विश्वप्रपञ्चस्य निर्माणे, नियन्त्रणे

च प्रभवति स एवेश्वरः नैकदेशिकः कश्चिददल्पशक्तिमान् वराकः ईश्वरपदभाग् भवति। स एष सर्वशक्तिमान् सर्वज्ञः नित्यशुद्धबुद्धमुक्तस्वभावः परमेश्वर एवं सृष्टिस्थितिप्रलयकर्तुं त्वेनाङ्गीक्रियते, न तद्व्यतिरिक्तः कश्चिदन्यः। अस्य च द्रयप्रपञ्चस्य पर्यालोचनेन ज्ञायते यत्सर्वोऽप्य विषयावभास ज्ञातृज्ञेयेति तत्त्वद्वयनिबन्धनः। तत्र ज्ञाता चैतन्यरूपः ज्ञयश्च यावत्प्रमेयनिचयः जडरूपः। तदेतदद्वयमेवास्य प्रपञ्चस्य निमित्तोपादानभूतम् । निमित्तभूतं कारणं तु स तत्रभवान् परमेश्वर एव चिद्रूपत्वात्। नहि कश्चिदचेतनो जडरूपः निमित्तत्वमधिकर्तुमर्हति जडत्वात्। जडे हि उपादानता घटते न कर्हिचिन्नमित्तत्वम्। स खल्वेकः परमेश्वर एवं भवितुमर्हति, नापि जीवः अल्पज्ञत्वात्। अतः भगवती श्रुतिः प्रतिपादयति-

सपर्यगाच्छुत्रमब्रण मस्माविरं शुद्धमपाबिद्धम्। कविर्मनीषी परिभूः स्वयम्भूः। याथातथ्यतोऽर्थान् विदधात्याच्छाश्वतीभ्यः सभाभ्यः। (यजु.)

अस्मिन् मन्त्रे परमेश्वरस्य मुख्यस्वरूपं प्रतिपादितमस्ति यः सर्वव्यापकः शरीररहितत्वादब्रणः शुद्धः पापानबिद्धः, मननशीलः, सर्वप्रभुः सन् सर्वाभ्यः प्रजाभ्यो याथातथ्येन पदार्थान् वितरति।

स एष परमकारुणिको भगवान् परमेश्वर एव सृष्टिं रचयति, रक्षति, संहरति चान्ते। सृष्टौ चास्यां जडजड्गमदेव-मनुष्य-तिर्यक्-स्त्रीपुंभेदरूपाः क्रमेण सर्वेऽवभासिरे। तेषु मानवसृष्टिरेव सर्वगरीयसी ज्यायसी च। यद्यपि वर्णादिभेदा नासन्। स्वभावत एव धर्मपरायणाः सन्तो स्वे स्वे कर्मणि रता आसन् मानवाः। तेषु रागद्वेषादयोऽपि पदं न निदधिरे। ते च सर्वे आर्यपदेनैव व्यवजहिरे । ततः बहुला प्रजासमृद्धिं विलोक्य महर्षयः वेदादेशानुसारमेव लोकहितकाम्यया कामपि सरलामजिह्वाञ्च व्यवस्थां प्रधातुकामाः वर्णाश्रमव्यवस्थामाविश्चक्रुः। तत्र ब्राह्मण-क्षत्रिय-वैश्य-शूद्राभिधानाः चत्वारो वर्ण देनावधीयन्ते तेषां प्रातस्विकं कर्तव्यं क्रियाकलाप निर्णोपुरिति। तत्रापि यजनयाजनाध्यापनदानप्रतिग्रहाश्च ब्राह्मणपदवाच्यानां धर्माः कर्तव्यकर्माणि वा। क्षत्रियाणां प्रजापालनरिपुभिः सुरक्षा धनयजनाध्ययनदानानि च धर्माः। वैश्यानां कृषिकर्मगोरक्षणवाणिज्यानि यजनाध्ययनदानसंवलितानि कर्माणि च धर्माः। शूद्राणां तु पूर्वोक्तत्रैवर्णिकानामेव सेवापरिचर्यादयो हि धर्माः। चामी धर्मा वेदोपदिष्टा एव वेदितव्या इति।

अत्र च स्वभावतः प्रश्नोऽयमुदेति यद् धर्मस्वरूपं बहुभिः बहुधा वैलक्ष्येण प्रतिपादितद्धर्मस्य प्रामाण्याप्रामाण्ये कस्य प्रामाण्यं सर्वङ्कषत्वेन समादरणीयम् इति तत्रोत्तरं त्विदमेव यत् स्वतन्त्रप्रमाणत्वा द्वेदस्यैव सर्वोत्कृष्टत्वम् यदन्येषां शास्त्राणान्तु वेदप्रामाण्येनैव प्रमाणता। न स्वतन्त्रतया। शास्त्रान्तराणि तु विद्वद्धिः मुक्तकण्ठं स्वीकृतम्। यद्यपि भारतेऽपि बहवो धर्मापरनामधेयाः सम्प्रदाया अनीश्वरवादिनाः सन्तोऽपि येन केनापि प्रकारेण ईश्वरसत्तां स्वीकुर्वन्त्येव। एवमेव मुहम्मदानुयायिनः ख्रीस्तानुगामिनश्च भरबुस्तप्रभृतयः ईश्वरं स्वीकुर्वन्त्येव। जैनबौद्धप्रभृतयोऽपि ईश्वरमभिमन्यन्त एव। चारबागबृहस्पतिप्रभृतयो नूनं ईश्वरसत्तायां न विश्वसन्ति, न च तत्र आस्थां निदधति। परन्तेषामनीश्वरवादिता तर्कनिस्त्रिशम् अंशतोऽपि न सहते।

कुतः ईश्वरसत्तास्वीकाराभावे अल्पज्ञस्य जीवस्य परिमितशक्तिमतः ईश्वरीकरणं कस्य वा सुज्ञस्य मनोरंजकं भवेत्। यदि ईश्वरस्य सत्ता न स्वीक्रियेत तर्हि जीवस्य सत्तायां किं प्रमाणम्। यदुच्येत अहं जीव एव प्रमाणम् जीवस्य सत्तास्थापनविधौ जीव एवं प्रमाणमिति विनिगम नाभावात्कदापि प्रमाणम् नावगाहेत। अनेकं संख्याता वा। अनेके चेत् अल्पज्ञेन वा कथं ज्ञातुं शक्यन्ते ते। अथ चान्यः प्रश्नोऽप्युदेति। यज्जीव एक एव अज्ञातेषु तेषु पुण्यपापादीनां पुरस्कारदण्डादिव्यवस्था कथं संपत्स्यते तेषामिति हिमाद्रिसदृशः प्रश्नः अशक्योत्तर जागरूक एव तेषां सम्मुखं सन्तिष्ठत एव। अतः ईश्वरसत्ता स्वीकारः खलु बुद्धिसङ्गतम् एवेति।

अस्मिन् विज्ञानमये युगे तु नितरां बलीयसी सम्पुष्टिः सञ्जता। पाश्चात्यवैज्ञानिकेरपि समुद्घोषितं मुक्तकण्ठं संसारप्रपञ्चप्रत्यक्षगोचरी भूतः यदि सूर्यचन्द्रमाक्षत्रादीनां गतिविधौ कश्चिन्नियतः नियमः सन्दृश्यते तर्हि तन्नियामकेनावश्यमेव भवितव्यम् स च नियामकः ईश्वर एवेति ध्रुवम्।

धर्मं सर्वं प्रतिष्ठितम्

मोनिका सिंघल
एम, ए. द्वितीय वर्ष

धर्मो हि नाम प्राणभृतां कल्याणाय, प्रेयसः श्रेयश्च परमसाधनभूतं नितरामनुष्ठेयं वस्तुत्वम्। आह च महर्षिकणादः धर्मतत्त्वं लिलक्षयिषुः।

“यतोऽभ्युदयनिश्रेयससिद्धिः स धर्मः” इति।

अभ्युदयः लौकिकोन्नतिः निःश्रेयश्च पारलौकिकी सिद्धिः। येनानुष्ठितेन खल्वैहिकोन्नतिरलौकिकेष्टसिद्धिश्च सम्पद्यते स एव धर्मपदव्यपदेश्य इति निष्कृष्टोऽर्थः। शास्त्रकारैः धर्मस्य विविधानि लक्षणानि कृतानि दृश्यन्ते, तद्यथा-

चोदनालक्षणो धर्मः इति जैमिनिः।

यत्त्वार्याः क्रियमाणं प्रशंसन्ति स धर्मः।

यद्गहन्ते सोऽधर्मः। इत्यापस्तम्बाचार्याः।

तत्रभवान् भगवान् मनुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणमाह-

“वेद स्मृतिसदाचारः स्वस्य च प्रियमात्मनः।

एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम्॥”

सर्वेषामेषां लक्षणानां निष्कृष्टोऽर्थः समानार्थे एव पर्यवस्यति। इदमत्र बोध्यम् यद्धर्मो हि नाम शुभाशुभकर्मानुष्ठानम्, यत्समुपस्थिते हि धर्मार्थनिर्णये क्वचित्सन्देहसंशयादिव्याकुलितेऽर्थे सर्वतः प्राग्वेदस्य स्वतः प्रमाणभूतस्यैव प्रामाण्यं, तदनु स्मृतेः, ततो धर्मशास्त्रस्य ततः सतामाचारस्य, तदनुस्वात्मनः प्रियस्य स्वान्तकरणनिर्देशस्य प्रामाण्यं स्वीकरणीयं भवति। यतो वेदानुसारिण्य एव स्मृतयो भवन्ति, वेदान्तरं तासामेव प्रामाण्यं खलु योक्तिकं सुसमञ्जसञ्चेति विदुषामभ्युपगमः चेन्नाम श्रुतिस्मृत्योः क्वचिद्विरोधो समापद्येत तदा स्मृत्यर्थं परित्यज्य श्रुत्यर्थं एव सम्मान्यो भवति, समादरणीयश्च एवमेव स्मृत्याचारयोर्विरोधे प्रतिपन्ने स्मृतिरेव बलीयसीति। निर्णीतोऽयमर्थो महर्षिकात्यानेनापि-

“स्मृतेर्वेदविरोधे तु परित्यागो यथा भवेत्।

तथैव लौकिकाचारं स्मृतिबाधात् परित्यजेत्॥”

परं विद्यमनिष्वपि एतादृशेषु संख्यातीतेषु धर्माधर्मतत्त्वनिर्णायकेषु शास्त्राप्रमाणेषु धर्मस्वरूपप्रतिपात्तिसमस्याया अद्यापि किञ्चित्साधुतरं सार्वभौम समाधानन्तु नैव प्रतीतिपथमुपयाति प्रतिव्यक्ति प्रतिस्थिति च धर्मतत्त्वस्य विभिन्नतया अधुना यावन्न समभ्युपपन्नः प्रतिभाति। भगवता मनुना प्रतिपादितम् यत्-

आर्षं धर्मोपदेशश्च वेदशास्त्राविरोधिना।

यस्तर्केणानुसन्धत्ते स धर्म वेद नेतरः॥

वेदशास्त्रप्रतिपादितस्यार्थस्य अविरोधिना तर्केण धर्मो विनिश्चेयः न खलु स्वतन्त्रेण। इति तर्कस्योपरि अङ्कुश एव कृत तर्कस्य प्रसिद्धचरा एवेति निरकुशता नोपपत्तिमपेक्षते। अत एवोक्तमभियुक्तैः-

तर्कोऽप्रतिष्ठः श्रुतयो विभिन्नाः नैको मुनिः यस्य वनः प्रमाणम्।

धर्मस्य तत्त्वं निहितं गुहायां महाजनो येन गतः स पन्थाः॥

तदत्र समुपस्थिते येतादृशे व्यतिकरे महताम् आचार एव तर्हि प्रमाणत्वेनाङ्गीकरणीयः। परं तत्रापि यथार्हावबोधगृह्णन्तो व्याकुलीभवन्तश्च तार्किका एवं व्याजहुः-

जानामि धर्मं न च मे प्रवृत्तिः। जानाम्यधर्मं न च मे निवृत्तिः।
केनापि देवेन हृदि स्थितेन यथा नियुक्तोऽस्मि तथा करोमि।इति।

कविकूलचूडामणिः कालिदासोऽपि शाकुन्तले तादृशमेव किञ्चिदिव निगदति

“सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु
प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।” इति।

परन्तु अन्तःकरणमपि यदा तमस्तोमसमावृतं भवति तदा तदपि श्वासान्धदर्पणमिव न यथार्हं रूपं प्रतिबिम्बीकरोति, तदा किं करणीयमिति प्रश्नः सुतरामुदेति। तत्राह बोधायनाचार्यः-

धर्मशास्त्ररथारूढा वेदखड्गधरा द्विजाः।
क्रीडार्थमपि यद्वयुः स धर्मः परमः स्मृतः॥” इति।

एवं बहुधर्मभिन्नेषु धर्मलक्षणेषु किञ्चिदेकमेव सर्वङ्कषं सर्वाभिनदितञ्च लक्षणं भवेत् येन धर्मतत्त्वं यथार्थतया सुविज्ञाते भवेत् तच्च अस्मन्नयेन भगवज्जैमिनिमुनिपादसूत्रितं “चोदनालक्षणो धर्मः” इत्येव सर्वश्रेष्ठं लक्षणम्। चोदना शब्दोऽत्र विधिवचनः। यो वै वेदविधिः स एव धर्मः यश्च तन्निषेधः स एवाधर्मश्चेति निष्कृष्टं लक्षणम्।

तत्र विधिर्यथा- अध्येतव्या नित्यं वेदाः, अनुष्ठेयो वेदोदितकर्मनिकरः। प्रविलापनीया प्राकर्मपटली। संसेव्या विद्वांसस्तपस्विनः प्रतिपालनीयमहिंसा व्रतम्। भाषणीयं सत्यमेव नित्यम्। प्रठ्यं पात्रेभ्यो विद्याद्रविणम्। चिकित्सितव्यो जरामरणव्याधिः प्रयत्नेन। संसेव्यौ पितरौ प्रतिष्ठापनीयं विश्वबन्धुत्वं सर्वात्मना उपलब्धव्यः सर्वथा त्रिविधदु-खात्यन्तविप्रमोक्षः मोक्षः इत्यादिकम्।

अथापि निषेधस्तावत् - न भणितव्या मृषा वाणी। अधर्मे रतिर्नैव विधेया न च वञ्चनीयाः प्राणिनः। हिंसा न कर्तव्या। अक्षैर्मादीव्यः। गुरवो नावहेलनीया इत्यादि।

एवं विधिनिषेध रूपेण विहितो निबिद्धो वा तत्तद्भावेन सर्वदैव अनुष्ठेयो धर्मः परित्यक्तव्यश्चाधर्मः सर्वथेति। यतः श्रूयते तैत्तिरीये-

“धर्मो विश्वस्य जगतः प्रतिष्ठेति”। अतः सोऽवश्यमेवानुष्ठातव्यः कल्याणमभीप्सुभिः। आह नः भगवान् बादरयणोऽपि महाभारते-
“न धर्मं त्यजेज्जीवितस्यापि हेतोः” इति।

जीवितमपि तृणीकृत्य सुकृतिभिः धर्मस्तु सर्वात्मना परिपालनीय एवेति भावः। इदमप्यत्र अवधेयम् भवति यत् यस्य यो धर्मः स तस्य निरतिशयगरीयानेव भवति, “स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः” इति स्थानं एवोक्तं योक्तिकैः। यतो दृश्यते हि लोके यदेकस्य धर्मः तदन्यस्य अधमः। ब्राह्मणस्ययो धर्मः न स क्षत्रियस्य। वैश्यस्य ये धर्माः न ते शूद्रस्य। ब्रह्मचारिणो ये धर्मा न ते गृहमेधिनामित्येवं प्रस्थानभेदात् धर्मा अपि सुतरां बेभिद्यन्तेतमाम्। एताहशं धर्माधर्मलक्षणं विपुलजाटिल्यजालसंवलितं प्रबुध्यैव भगवता मनुना अतीव सरलं सुगमावबोधञ्च सूत्रं विस्पष्टं समुदिष्टं धर्मतत्त्वनिर्णिनीषयेति-

श्रूयतां धर्मसर्वस्व श्रुत्वा चैवावधार्यताम्।
आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्॥”

अस्यायमाशयः यदात्मनः प्रतिकूल भवेत्तदन्येषां न कदापि समाचारणीयम्।

तथाचरणमेव परमोधर्म इति प्रबोध्यम्।

अथापि यद् यजनाध्ययनदानादीनि धर्मतत्त्वानि यत्रतत्रोपदिष्टानि, तत्रापि धर्मचारिणा सक्षणेन खलु भवितव्यम्। तद्यथा-

इज्याध्ययनदानानि तपः
सत्यं धृतिः क्षमा

तेषु पूर्वश्चतुर्वर्गो दम्भार्थमपि सेव्यते
उत्तरस्तु चतुर्वर्गो महात्मन्येव तिष्ठति॥

तत्रापि सत्यन्तु सर्वेतरानतिशेते। तदेतेनाकूतं भवति यत्सत्यमेव परमोधर्म इति। तच्च सत्यं मनसा वाचा कर्मणानुष्ठितमेव धर्मपदवीमधिरोहति। अतएव कविभिरूदाहृतम् “सत्यान्नास्ति परोधर्मः।” “सत्ये सर्वं प्रतिष्ठितम्” इत्यनेकाः शास्त्रोपपत्तयः विलसन्ति। सत्यप्येवं विद्वद्भिः धर्मस्वरूपनिर्णयार्थं भगवती श्रुतिरेव आलोडनीया भवति। “धर्मं जिज्ञासमानानां प्रमाणं परमं श्रुति” इति।

एवं यथाकथञ्चिद् बुद्धिपद्धतिमवतरितेऽपि धर्मतत्त्वे तदाचरणं तत्क्रियान्वयीकरणं स्वतीत कठिनम्। विरला एव सत्पुरुषा धर्मानुष्ठाने प्रवर्तन्ते। ये धर्ममाचरन्ति त एव विजयिनो भवन्ति खलु संसारसंघर्षे। अत्र ‘यतो धर्मस्ततो जयः’ इत्युक्तिः अक्षरशः सत्यसम्भृता विलसति। महाभारताख्यसङ्गरे धर्मकल्पद्रुमारूढानां योगीश्वरश्रीकृष्णचन्द्रीदर्शितपथा सञ्चरमाणानां धर्मराजयुधिष्ठिरप्रभृतिपाण्डवानां यो विजयः कुत्सितासित कर्माचारिणां दुर्विनीतानां परसम्पदामपहन्तृणाम् अधर्ममाचरताम् कायराणां कौरवाणां विद्यमानेषु संख्यातीतेषु सैन्यदलेषु अनल्पकल्पसमग्रसाधनसामग्री सम्पन्नेष्वपि पराजयः समपद्यत तं प्रति तेषां धर्मवैमुख्यमेवापराध्यति। तदेव च खलु मुख्यकारणत्वेनोनीयते नयज्ञैः। पाण्डवानां विजये तेषां भूयसीं सुदृढधर्मनिष्ठता एव विजयस्य हेतुरिति ध्रुवं मन्यन्ते चक्षुष्मन्तो विचक्षणाः। कारणान्तरन्तु सुभृशं मृण्यमाणमपि न लोचनगोचरीभवति। इत्थमेव रामरावणयोर्युद्धेऽपि हेतुता किल धर्माधर्मावेव संलक्षितव्यौ। अतः यद्यपि धर्मस्य पन्था अतिगहनो दुरूहश्च तथापि स ससमारम्भं समाश्रयणीय एव। रक्षितो धर्मः अवश्यमेव रक्षिष्यतीति निर्विशङ्कम्। यद्यपि सत्यमेवोक्तं केनापि अभियुक्तेन-

मानुष्ये सति दुर्लभा पुरुषता पुंस्त्वे पुनर्विप्रता
विप्रत्वे बहुविद्यताऽतिगुणता विद्यावतोऽर्थज्ञता।
अर्थज्ञस्य विचित्रवाक्यापटुता तत्रापि लोकज्ञता
लोकज्ञस्य समस्तशास्त्रविदुषो धर्मे मतिः दुर्लभा।इति।

यत्सत्यं धर्मे मतिः दुर्लभा भवति। अल्पीयांस एव जना धर्मं प्रति बद्धादरा दृश्यन्ते। यद्यपि चतुरस्त्रतया हितावहो धर्म एवेति विजानन्तोऽपि जनाः कामक्रोधलोभमोहवशागस्ते धर्ममेकतः परित्यज्य अधर्मेपथि अभिनिविशन्ति प्रत्यक्षफलमभिनन्दन्तः। यद्यपि तर्कस्य वेदशास्त्रविरोधित्वमपि तत्तद्देशशास्त्रज्ञानगम्यम्। न च ये अज्ञानिनस्तेषां कृते तु धर्मस्वरूपवोदो अगम्य एवेति तैः तन्निर्णयः विधेय इति विचिकित्स्यन् मनुराह-

प्रत्यक्षमनुमानं च शास्त्रं च विविधागमम्।
त्रयं सुविदितं कार्यं धर्मशुद्धिमभीप्सता॥

धर्मस्य विशुद्धस्वरूपमधिजिगासुभिः सर्वमपि शास्त्रजातं सुविदितं कार्यम्। तदानीमेव ते धर्माधर्मस्वरूपं विज्ञातुं प्रभविष्यन्ति। मनुष्याणां परमकत्तव्यत्वेनोद्दिष्टं यत्पुरुषार्थचतुष्टयं धर्मार्थकाममोक्षाख्यं तत्रापि धर्मस्य प्राथम्यं समुपदिष्टमभियुक्तैः। धर्मसाहचर्येण परिपालिताः कामार्थमोक्षा सिद्धा भवन्ति। न तद्विधुरा इत्याशयः। अतः ताहशः उक्तलक्षणलक्षित एव धर्मः महता प्रयत्नेन सर्वैः पालनीयः ऐहिकाष्मिकसाध्यसिद्धं कामयमानैः यतः धर्मे सर्वं प्रतिष्ठितम् उक्तञ्च-

एक एव सुहृद्धर्मो निधनेऽप्यनुयाति यः।
शरीरेण समं नाशं सर्वमन्यद् धि गच्छति।इति।

धर्मानुष्ठानेनैव मनुष्याः परमं पदमाप्नुवन्ति नान्यथेति।

AYURVEDA: INDIA'S GIFT TO THE WORLD

Bharti, M.A.II

Ayurveda is one of the biggest gifts of the country to the entire world. It is a 5000-year-old science that originated in India and is now considered a boon to mankind. It is believed that Ayurveda, also known as 'The science of life', was a theory that evolved with a deep understanding of the universe and its creation. Rishis or sages acquired this deep knowledge through meditation and spiritual practices. Ayurveda deals with safeguarding health and enhancing the longevity of life. Ayurveda is completely a natural science. It is considered to be a holistic science as it focuses toward attaining complete health. It is achieved not only through a healthy body but also through a healthy mind and soul. It advocates that good health and well being could be attained and maintained if we follow the natural routine, eat food produced by nature, have balanced thoughts and actions and lead a simple and uncomplicated life. Ayurveda is used to treat a wide variety of diseases, including cancer, diabetes, HIV etc. All we need to do is work towards achieving this perfect balance of Ayurveda simply because balance is health while an imbalance is what is known as a disease or ailment. Truly, Ayurveda is India's biggest gift to the entire world.

COMPUTER - AN ESSENTIAL REQUIREMENT

Priya Sharma M.A. II

Computers are very important in our lives. We can take out a lot of information by using a computer. We can also learn many things from the computer. If any student has difficulty in completing any homework, he can do it with the help of a computer. Today, we can find computers in every place. If we go to any company for work we can find computers there. They use computers for their work. Today students are being taught about computers and their advantages and disadvantages. In schools, computers are taken as a subject, there is an exam on computers also in which students have to show how to operate computers and there is a written exam also in which students have to answer the questions about computers. The computer is very important. Despite its advantages, computers also have disadvantages. One main disadvantage is increasing cyber crime, so we have to use computers carefully. Our life is totally dependent on computers and it is very difficult to sustain our life without computers.

SOCIAL MEDIA: A TWO EDGED SWORD

Goldi Raghav M.A.I

Social media has been so ingrained into our society today that it is virtually impossible for people to take you seriously, if you are not on social media. Everyone is always in a frenzy when it comes to socializing online. Even the corporate world has jumped onto the bandwagon and companies are very active online, posting updates and answering queries. five billion people, around 60% of the world's population uses online social media and we are spending an average of three hours everyday sharing, liking, tweeting and updating on platforms like facebook, instagram,

twitter, snapchat etc that breaks down to half a million tweets and snapchat photos shared every minute. With social media playing such a big part in our lives, could we be sacrificing our mental health and well being as well as our time? That totally depends on our perception of social media. As we are living in an era of digitization and information technology is progressively growing, observers have noticed a range of both positive and negative impacts of this media.

Social media can help to improve an individual's sense of connectedness with real or online communities and can be an effective communication tool for corporations, non-profit organizations, political parties etc. It has revolutionized the way people socialize on the web. Social media has definitely comprised this huge world into a small global village. We can contact anyone around the world at any time, with just a few keystrokes. Businesses can prosper by knowing customers' exact needs. Social media has gained attention as the most viable choice for bloggers, article writers and content creators.

Social media leads to addiction and this is its major drawback. It can divert the focus and attention from a particular task. It lowers the motivation level of teenagers. Social media is the main medium of fake news and rumours. People waste a lot of time chit chatting on social media. Trolling also destroys the lives of many people.

A coin has two faces and so has social media. It has both pros and cons, but we have to choose on our will what is accurate for us. Technology should be used in a way that makes our lives better and not make society a bitter place to live in.

MOTIVATION EITHER POSITIVE OR NEGATIVE

Rajni, M.A. II

Once upon a time in Toronto, there were two brothers Hafiz and Socrates. Socrates was a drunkard and used to beat his family frequently. Hafiz on the other hand was a successful and a reputed businessman and had a wonderful family when Socrates was asked, "What makes you do such cruel deeds? What motivation do you have?" He answered, "My father too was a drunkard and used to beat his family. What do you expect me to be? That's what I am."

When Hafiz was asked, "How come you are doing everything right? What is your source of motivation?"

"My father. When I was a little boy, I used to see my dad drunk and do all the wrong things. I made up my mind that it was not what I wanted to become", he replied. Both brothers derived their motivation from the same source but one was using it positively and the other was using it negatively. Negative motivation brings the desire to take an easier way to end up being the tougher way. It is our choice whether we want to be motivational positively or negatively.

PUNCTUALITY

Nikky Verma, B.A.II

Punctuality means always being in time. Being a punctual person benefits in a lot of effective

ways. It is a must to have a habit to be on time. Without punctuality a person may become disordered and careless and his good would not be completed and will be not successful in life. For a punctual person, it becomes very hard to waste his time. They always manage their daily routine at the right time. It is true that punctuality is the key to success because the person who does not care and does not understand the value and meaning of time, cannot be successful in life. Being successful means arriving at the destination that a person wants in his life. It can happen only if he works on time dedicatedly and regularly. Successful people know very well the value of time as how to manage and utilize time in the proper manner in their life. Time and tide never wait for anyone. Everyone has to understand the value of time in order to lead a meaningful life. No one is born with this quality, people develop it in their life according to their need and requirements. Any good habit becomes even better and never goes away whenever it is acquired well in childhood. It becomes a permanent part of people's nature. The habit of punctuality looks in the personality of a person. All parents and teachers should understand their responsibility and help students in developing the habit of punctuality. Punctual and successful people become role models and worthy in their life. People who waste their time can never do things they want to do and become failures. So everyone should learn to be punctual in this world to achieve success.

THE VOICE OF HEART OR THE VOICE OF BRAIN

Prerna, B.A. II

We often land in situations where we do not know how to react and are often confused. Our brain gives us different solutions and our heart gives us the other solution which is exactly opposite to what the brain signals. So for those situations I have some tips which can make these situations a little easier to table.

In situations where the family is involved and it is something related to emotions, we should give more preference to the voice of heart and in situations where practicality and knowledge is to be given heed, to then follow the voice of the brain, following these two ways makes it quite easy to take decisions.

Now the third situation is the most common one when we can not decide what the issue exactly is. For those situations we need to be nice and take a decision which justifies both the decisions which we call "tough calls of life". A person who analyses himself and the situation well and is able to take a middle path is the most successful one because it is just a matter of taking the correct decision at the correct time. So analyse the situation to the extent and its consequences before making any decision to make life an easy going one.

VARIOUS SHADES OF INDIAN CULTURE

Aarti, B.A.II

Indian culture is the Indian's way of life that shows the various colours of our country. There is immense variety in Indian culture because of the population diversity. The Indian culture is a blend of

various cultures belonging to diverse religions, castes, and regions which follow their own tradition and culture. India is also called the land of unity in diversity as different groups of people cooperate with each other to live in a single society. India is also a home to numerous languages and people like to speak their mother tongue. There are different types of festivals celebrated in India with joy and happiness. Different people celebrate different festivals as per their caste, religion and culture.

India is full of talents in the field of art and architecture. Indian art includes painting, rangoli, pottery and textile arts like woven Silk etc. From ancient ages, paintings are a part of Indian art. Examples include painting of Ajanta and Ellora caves etc. India is also rich in its Heritage and some of the main UNESCO World Heritage Sites in India are Taj Mahal and Agra Fort etc.

The discussion on Indian culture would remain incomplete if we do not talk about the various classical and old dance forms of India. The main Indian dances are folk dance and classical dance. Music is something that exists from the beginning of Indian civilization. These are vital elements of the Indian culture and a part of human life. The diverse form of Indian culture is reflected in Indian music. There are different forms of music such as ghazals, shayari, folk music and many more.

Clothing style in India varies from region to region, and state to state. Indians wear both traditional dresses and western attire as well. India is rich in its Heritage and there is a wide range in Indian Handicrafts. The food culture has varied from Idli Dosa of Tamilnadu to the famous Chole Bhature in Punjab. From Ultra spicy food to delectable confectionery and Southern curries flavoured with kokum, Indian culinary culture is delicious and diverse. Not only in taste but also in the way of cooking, Indian foods are totally different from the rest of the world. Indian foods showcase the perfect mixture of tradition, culture and love. Indian cuisines are characterized by spices and a wide array of ingredients.

This was just a little flavour of Indian Culture. There is more to discover around every corner. India's culture is amazingly rich, diverse and is steeped in history. It is one of the reasons why the country has a high number of visitors every year.

THOUGHTS

Kanchan Nagar
B.A. III

1. Happy is the person who knows what to remember from the past what to enjoy in the present and what to plan for the future.
2. Success is the good fortune that comes from aspiration, desperation perspiration and inspiration.
3. Direction is more important than speed we should not get so busy in looking at the speedometer that we overlook the milestones in between.
4. People respect you not for the knowl dge you have but for the way you utilize your knowledge.
5. Push yourself, because no one else is going to do it for you.
6. Success doesn't just find you. You have to go out and get it.
7. A clear vision, backed by definite plans, gives you a tremendous feeling of confidence and personal power.
8. Punctuality is not about being on time. It is basically about respecting your own commitments.

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद्



राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)

विविध गतिविधियाँ



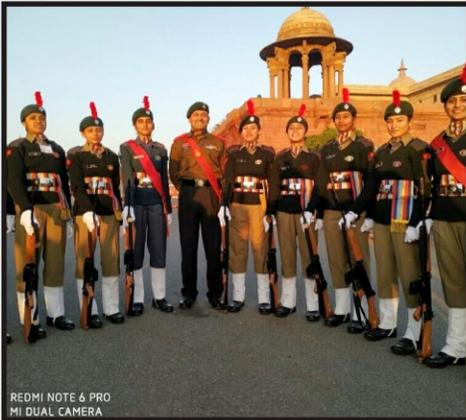
राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)

विविध गतिविधियाँ



एन. सी. सी.

विभिन्न गतिविधियाँ

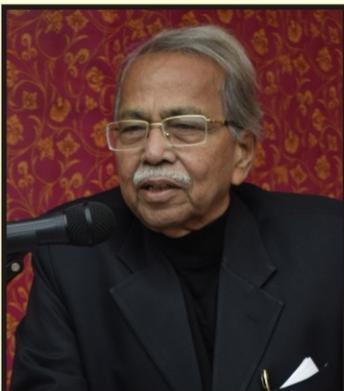


रेंजर्स एवं स्काउट गाइड

विभिन्न गतिविधियाँ



वार्षिक क्रीड़ा समारोह

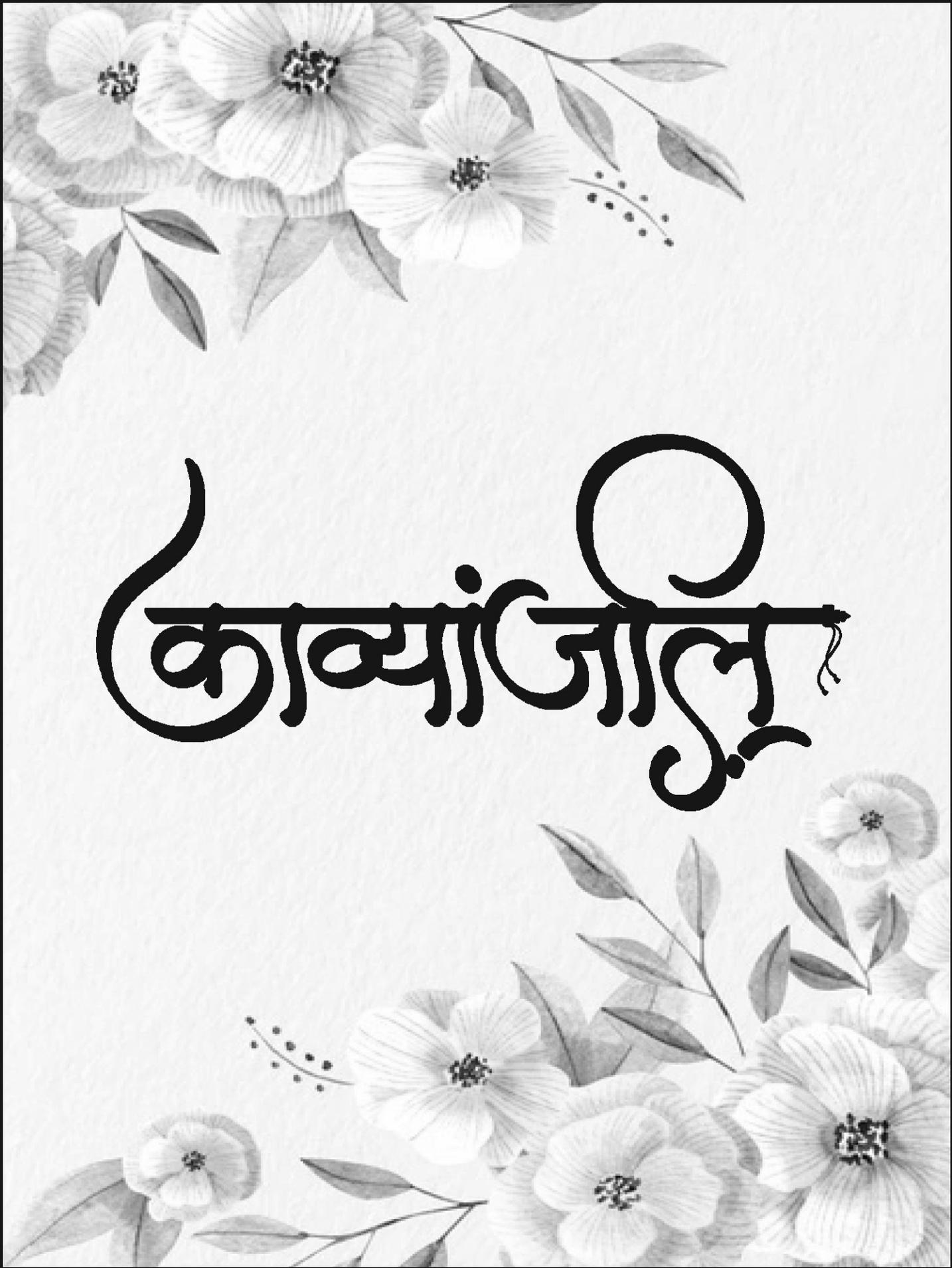


अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार



राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (द्वितीय चरण का मूल्यांकन)





काव्यांजलि

मुझे भी हक है।

काजल नागर
बी. ए. द्वितीय वर्ष

मुझे भी हक है, मैं भी जीना चाहती हूँ।
ऊँचे-नीचे इन रास्तों पर। मैं भी चलना चाहती हूँ।
मुझे भी हक है, मैं भी जीना चाहती हूँ।
बेटी हूँ बेटे की तरह, मुझे भी बढ़ना है।
मेरा तो ये अधिकार है, मैं भी पढ़ना चाहती हूँ।
मुझे भी हक है, मैं भी जीना चाहती हूँ।
नीले से गगन में, मेरा भी बसेरा हो।
पंख है मेरे, मैं भी उड़ना चाहती हूँ।
मुझे भी हक है, मैं भी जीना चाहती हूँ।

बेटियाँ

रीना
एम.ए. हिन्दी, प्रथम वर्ष

नाजुक दिल रखती हैं
मासूम सी होती हैं ये बेटियाँ
पिता का दुलार, माँ की ममता
नादान सी होती हैं ये बेटियाँ
हैं रहमत से भरपूर
भगवान का खजाना होती हैं ये बेटियाँ
घर लगता है सूना-सूना,
जब घर से विदा होती हैं बेटियाँ
और ये मैं नहीं कहता,
मेरे भगवान कहते हैं
कि जब मैं बहुत खुश होता हूँ तब
जन्म लेती हैं ये बेटियाँ!

दुनिया का बोझ

निशा राघव
एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी

दुनिया का उठाकर बोझ खुद एक बोझ कहलाई हैं
हारकर खुशी अपनी जीत में दुख ही लाई हैं
होठों पर लाकर हँसी आँखों की नमी छुपाई है
बीबी बनकर किसी का घर बसाया
तकलीफें सहकर माँ कहलाई हैं
अंधरे में रहकर भी रोशनी बनी खुद फिर भी क्यों
ये दुनिया को नहीं दिख पाई हैं,
आसमान से ऊँचा है इसका तसव्वुर
समंदर से गहरी इसकी गहराई है,
फूल से भी नाजुक तन है इसका,
पर्वतों से भी कठोर इसकी परछाई है,
पहेली है ये अजीब कितनी
सुलझकर भी नहीं सुलझ पायी है,
हाय रे! कैसी किस्मत
एक लड़की लेकर आयी है।

कोरोना से जंग

अंजली भाटी
एम.ए. राजनीति विज्ञान

भारत के वासी है हम, हम नहीं है किसी से कम।
कोरोना को हरायेंगे, देश को बचाएंगे हम।
लॉकडाउन का पालन कर, कोरोना को मिटाएंगे हम।
भारत के वासी है हम....
माना भारत में साधन की है कमी, एकता के बल पर एक नई,
मिसाल बन कर दिखाएंगे हम। इसी उम्मीद पर खरा उतकर,
दिखाएंगे हम। भारत के वासी है हम....
अपने घर में सुरक्षित रहकर, देश भक्ति दिखएंगे हम।
अपने प्रधानमंत्री, डॉक्टर व सिपाहियों,
की आज्ञा का पालन करते हुए, उनका सम्मान बढ़ाएंगे हम।
भारत के वासी है हम...

कहाँ गये वो दिन

कु. शिवानी
बी.ए. प्रथम वर्ष

कहाँ गए वो दिन.....
जब लोग हमें हंसाते थे
मन ही मन खुश होकर
माँ की ममता, पिता का प्यार
क्या-क्या हमसे करवाते थे
नन्हें-नन्हें पैरों से चलकर
हम लोगों का दिल कहलाते थे
कहाँ गए वो दिन.....
जब लोग हमें हंसाते थे.....
था समय बड़ा बलवान,
वो जब बोल हम नहीं पाते थे
सुनते थे सबकी हम पर
कुछ कह नहीं पाते थे
थे सबके प्यारे हम
सबको अपना बनाते थे
कहाँ गए वो दिन.....
लोग हमें हंसाते थे.....
करते थे सब प्यार हमें
बस यूँ ही हम शरमाते हैं
रूठ-रूठ कर सबके दिल में.....
हम अपनी जगह बनाते हैं
बिना बोले हम सबको
यूँ ही बुलवाते जाते हैं
कहाँ गये वो दिन.....

शौक नहीं है

कोमल नागर
बी.ए. तृतीय वर्ष

शौक नहीं है अब
इरादा बदलने का,
जिन्हें हौसला नहीं
खुद ही चलने का
वही मसवरा देने लगे
मुझको सम्भालने का
मंजिल तो मेरी चट्टानों
की मानिन्द ना भी हो
पर शौक नहीं मुझको,
अब इरादा बदलने का।
रूकावटें भी चाहे
हजारों आये राहों में,
मेरा तो मकसद है
उनसे रूबरू चलने का।
तुम्हें क्या खबर है
उनसे मेरी रहनुमाई की।
चलना सीख लिया मैंने,
हालात के साथ ढलने का
जान जायेगें सब कि क्या है,
हकीकत 'कोमल'
वक्त आने तो दो मेरा,
दिल उनसे मिलने का।

शिक्षा का आदर्श स्वरूप

प्रियंका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

सभी परिस्थितियों से लड़ना सिखाती है- शिक्षा
अच्छे बुरे की पहचान कराती है- शिक्षा
अंधेरे में रोशनी दिखलाती है-शिक्षा
सच्चाई को जानना सिखलाती है-शिक्षा
संघर्ष करना सिखलाती है-शिक्षा
मनुष्य को सजाती और संवारती है-शिक्षा
शैतान को इंसान और इंसान को भगवान बनाती
है-शिक्षा
अधिक हो जाए तो नींद भी चुरा लेती है-शिक्षा
शिक्षा एक उमंग है शिक्षा एक रंग है।
इसको जानता है हर कोई लेकिन, अपनाता है
कोई-कोई
कहते हैं गुरु जी खूब पढ़ो खूब पढ़ाओ
समाज में शिक्षा की ज्योति जगाओ।

मेरा सपना

वर्षा नागर
बी.ए. प्रथम वर्ष

सोचा है कुछ नाम करूँगी ऐसा कुछ मैं काम करूँगी।
सपना तो सपना है, लेकिन मैं उसको साकार करूँगी।
प्रेरणा मेरे मम्मी-पापा, भगवान मेरा विश्वास है।
सोचा है कुछ नाम करूँगी, ऐसा कुछ मैं काम करूँगी।
मेरे शिक्षक हमेशा ही मुझको समझायें।
कहते हैं कुछ ऐसा काम करो नाम तुम्हारा हो जाए।
मैंने उनसे कहा कि माना जिन्दगी जीने का नाम।
मस्ती और घूमने का काम पर में रखती हूँ विश्वास।
एक दिन छू लूँगी आसमान, यही है मेरा अभिमान।
यही है मेरा सम्मान, इसलिये में कहती हूँ।
कु. मा. कॉलेज है महान।
जो देता है बच्चों को ज्ञान।'

क्या बेटी इंसान नहीं

शिवानी
बी.ए. प्रथम वर्ष

बेटे का सम्मान है घर में, बेटी का कोई मान नहीं।
प्यारे इन्साँ तू बतला दे, क्या बेटी इन्सान नहीं।।
क्या लेकर जनमा है बेटा, क्या बेटी ने खोया है।
पैदा होते ही जीवन में, उसके काँटा बोया है।।
लाल तेरा कॉलिज में पढ़ता, बेटी को अक्षर ज्ञान नहीं।
प्यारे इन्साँ तू बतला दे, क्या बेटी इन्सान नहीं।।
तूने लाल को दूध पिलाया, बेटी को दी छछ नहीं।
शोषण करता बाल काल का, तुझको यह एहसास नहीं।
बाल्यकाल में ब्याह रचायी, जीवन में अरमान नहीं।
प्यारे इन्साँ तू बतला दे, क्या बेटी इन्सान नहीं।।

जवाब नहीं

सुदेश शर्मा
एम. ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी

गिनती में आठ का,
दोस्तों के साथ का,
जीत सर की बात का,
जवाब नहीं है।
बारिश के थम जाने का,
बर्फ के जम जाने का,
मिन्तु मैम के समझाने का,
जवाब नहीं है।
हाथ में मोबाइल का
बच्चों के स्माइल का
अर्चना मैम के स्टाइल का,
जवाब नहीं है।
मच्छर काटने का, प्रसाद के बाँटने का।
रश्मि मैम के डाँटने का जवाब नहीं है।
पहाड़ों पे चढ़ाई का, बर्तनों में कढ़ाई का।
मिन्तु मैम की पढ़ाई का जवाब नहीं है।

आतंकवाद

चंचल चौधरी
बीए तृतीय वर्ष

अमेरिका के स्कूल का
वो मंजर याद आता है।
मासूम बच्चों के खून का
कतरा-कतरा नजर आता है।

जो टीवी और अखबारों से पलता है हर घर-घर में,
कैसे कश्मीर के लोग रोज जीते हैं उसी डर में।
आज फिर पेरिस हमले ने उस डर की याद दिलाई है।
रेस्तरां में घुसकर आतंकियों ने, मासूमों पर गोली चलाई है।
आज एक आई.एस.आई. ने, हर जगह तबाही मचाई है।
पर क्या इससे बचने को कोई तरकीब नहीं मिल पाई है।
आज हर किसी के दिल में आतंकी का डर बसता है,
और मेरी नजर में हर वक्त आतंकवाद की परछाई है।

भ्रष्टाचार

रीना
एम.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी

कई टेपी तो कई अपनी पगड़ी बेच देता है
अगर मिल जाए भाव अच्छा तो जज अपनी कुर्सी बेच देता है
एक तवायफ भी अच्छी है तो सीमित है कोठे में,
यहाँ बीच चौराहे पर पुलिस वाला अपनी वर्दी बेच देता है
जला दिया जाता है ससुराल में जिस बेटी को,
उसी बेटी की खातिर बाप अपनी किडनी बेच देता है।
है मासूम लड़की प्यार में कुर्बान जिस पर।
उसी को प्रेमी उसकी वीडियो बनाकर बेच देता है।
दे दी वतन पर जान जिन बेनाम शहीदों ने
एक आदमखोर नेता इस देश को बेच देता है।

क्या माँ कभी तू बेटी नहीं थी

राखी
एम.ए.द्वितीय वर्ष

क्या माँ कभी तू बेटी नहीं थी
जो जन्म देते ही छोड़ दिया साथ
बाप ने बोझ बता कर कर दिया अनाथ
बेटे को लेकर चले गए इतनी दूर
कैसी हूँ मैं किससे कहूँ हूँ मजबूर
क्या माँ कभी तू बेटी नहीं थी
छोड़कर मुझे यूँ अकेला
दादा-दादी का बोझ बढ़ाया
बचपन में सब खेलते थे तो
मैं रोती रहती थी माँ
जब कोई पूछे मुझसे
नहीं है माँ कह देती थी मैं
क्या माँ कभी तू बेटी नहीं थी
शिकवा कोई नहीं है तुझसे
हाँ पर शिकायत है
आँखों की कमी के कारण छोड़ गई,
तू जो माँ दादा-दादी ने इस कमी से
कर दिया मुझे आजाद
पढ़-लिखकर मुझे जो कामयाबी मिलेगी
तेरा नहीं माँ देखना
दादा-दादी का नाम रोशन करूंगी।
अब नहीं आती है याद तुम्हारी मुझको।
जब मैं बड़ी बनूंगी काम कोई ऐसा करूंगी
तरसोगे बेटी के लिए किए पर पछताओगे
ये बता दे मेरी माँ मुझको
क्या कभी तू बेटी नहीं थी।

अजन्मी बेटियाँ

नीनू
बी.ए. तृतीय वर्ष

आज के युग में बेटियाँ न जाने क्यों बोझ समझी जाती हैं। इसलिए जन्म से पहले ही मार दी जाती हैं। जबकि सच है यही कि बेटियाँ अपना आँचल भगवान के यहाँ से सबके लिए भर के लाती हैं। जोड़े अगर भाई से तो बहन कहलाती हैं। प्राणों से प्यारे पापा की जान बन जाती हैं, जुड़ जाँ किसी अजनबी से तो वे उसकी अर्द्धांगिनी कहलाती हैं। जोड़े किसी नन्हें से तो वे माँ बन जाती हैं। जब खेले यदि खुलकर तो सानिया बन जाती हैं। उड़े अगर पंख फैलाकर तो कल्पना, सुनीता का दिखाए अगर बहादुरी तो किरण बेदी बन जाती आ जाए अगर राजनीति में तो इन्दिरा व प्रतिभा-सा नाम कर जाती हैं। जहाँ के सारे दुःख सहकर भी, खुशी की आस है। अफसोस है तो सिर्फ इस बात का, क्यों जन्म से पहले ही मौत की गोद में सुला दी जाती हैं।

दुनिया रही न गोल

कु. शालू
एम.ए. (हिन्दी)

दुनिया रही न गोल
दुनिया रही न अब ये गोल
सोच समझ कर मानव बोल।
देख तू मानव पाप का ताप
अब करेगा क्या प्रलय
सुनी होगी पूर्व जो की पूर्व कहानी
टूटी हुई तेरी कश्ती रूका हुआ पानी
है अब भी समय रोक ये भयावह पानी
वरना मात्र दो पल की तेरी कहानी
कर रक्षा ईश्वर के उपहार की
पड़ रही है आवश्यकता प्रेम उपकार की।

समर्पये जीवनम्

उमा कश्यप (संकलनकर्त्री)
बी.ए. प्रथम वर्ष

समर्पये जीवनं सर्वथा कायं वाचं धनम्।
मातृभूमये पुण्यभूमये
समर्पये जीवनम्॥

जननि लालितं त्वया पालितं
कौमारं कोमलं तव सेवार्थम्।
गुणार्जनेऽहं समर्पये विमलम् ॥1॥

त्वया पोषितं गुणगणसुभगं
प्रफल्लमिव कमलं, तव पूजार्थम्।
समर्पयेऽहं स्वयौवनं प्रबलम्॥2॥

नियतकर्मणा नीतिपथेन हि
धनमिह यदुपार्जितम्।
गृहजनपोषण शेषं
जननि तदपि तेऽर्पितम्॥3॥

विधेयं संस्कृतरक्षणम्

चंचल (संकलनकर्त्री)
बी.ए. द्वितीय वर्ष

संस्कृतस्य रक्षणाय बद्धपरिकरां वयम्।
संस्कृते प्रवर्धनाय हृदनिधिर्भवेदितम्॥
संस्कृतस्य महिमवर्णनेन नास्ति साधितं
सततसम्भाषणेन तस्य जीवनं स्थिरम्।
जनमुखेन भाषितं ननु जगति जीवितं
राजते चिरं समस्तराष्ट्रमान्यतास्पदम्॥1॥
संस्कृतस्य सेवनं मातृसेवासमं
तेन सम्भाषणं वाङ्मातृपूजनम्।
मातृभिः प्रवर्तनेन मातृभाषा परं
सरलसम्भाषणेन लसति बालाहृतम्॥2॥
राजपोषणात् पुरा नीतमिदं वैभवं
लोकशक्तिकेन्द्रितं स्थास्यतीह केवलम्।
शिक्षकास्तदर्थमेव त्यागशालिनः स्युः
संस्कृतोज्जीवनाय प्राप्तजीवना ध्रुवम्॥3॥

क्रियासिद्धिः सत्त्वे

ईशा भाटी (संकलनकर्त्री)

बी.ए. प्रथम वर्ष

क्रियासिद्धिस्सत्त्वे भवति महतां नोपकरणे।
सेवादीक्षित! चिरप्रतिज्ञ! मा विस्मर भोस्सूक्तिम्॥
न धनं न बलं नापि सम्पदा न स्याज्जनानुकम्पा
सिद्धा न स्यात् कार्यभूमिका न स्यादपि प्रोत्साहः
आवृणोतु वा विघ्नवारिधिस्त्वं मा विस्मर सूक्तिम् ॥
क्रियासिद्धिस्सत्त्वे भवति महतां नोपकरणे।
सेवादीक्षित! चिरप्रतिज्ञ! मा विस्मर भोस्सूक्तिम्॥
आत्मबलं स्मर बाहुबलं धर परमुखप्रेक्षी मा भूः
कचिदपि मा भूदात्मविस्मृतिः न स्याल्लक्ष्याच्च्यवनम् ।
आसादय जनमानसप्रीतिं सुचिरं संस्मर सूक्तिम् ॥
क्रियासिद्धिस्सत्त्वे भवति महतां नोपकरणे।
सेवादीक्षित! चिरप्रतिज्ञ! मा विस्मर भोस्सूक्तिम्॥
अरुणसारथिं विकलसाधनं सूर्य संस्मर नित्यम्
शूरपूरुषान् हृढानजेयान् पदात्पदं स्मर गच्छन्
सामानयेतरह्यभ्यस्सोदर, सिध्यति कार्यमपूर्वम् ॥
क्रियासिद्धिस्सत्त्वे भवति महतां नोपकरणे।
सेवादीक्षित! चिरप्रतिज्ञ! मा विस्मर भोस्सूक्तिम्॥

एहि एहि वीर रे

अंजली (संकलनकर्त्री)

एम.ए. प्रथम वर्ष

एहि एहि वीर रे वीरतां विधेहि रे
पदं हृदं निधेहि रे भारतस्य रक्षणाय जीवनं प्रदेहि रे॥
त्वं हि मार्गदर्शकः त्वं हि देशरक्षकः
त्वं हि शत्रुनाशकः कालनागतक्षकः॥
साहसी सदा भवेः वीरतां सदा भजेः
भारतीयसंस्कृतिं मानसे सदा धरेः॥
पदं पदं मिलच्चलेत् सोत्सहं मनो भवेत्।
भारतस्य गौरवाय सर्वदा जयो भवेत्॥

प्रभुणा प्रेषिता वयम्

भारती (संकलनकर्त्री)

बी.ए. द्वितीय वर्ष

विश्वमखिलमुद्धर्तुममी निर्मिता वयम्।
मानवं समुद्धर्तुममी प्रेषिता वयम्।
हरिणा निर्मिता वयम्॥ ध्रु॥
सङ्कटाद्रिभिदुरं धैर्यं धार्यमनिशमिदमिह कार्यम्।
मातरं प्रतिष्ठां नेतु तनुभृतो वयम्।
प्रभुणा प्रेषिता वयम्॥1॥
मातृभक्तिरेकं ध्येयं, तत्कृते शरीरं देयम्।
क्षुद्रलालसापरिमुक्ताः सेवका वयम्।
प्रभुणा प्रेषिता वयम्॥2॥
जानते भरतभुवि लोकाः, आत्मतत्त्वमिह गतशोकाः।
इत्यवेत्य जगदुद्धरणे योजिता वयम्।
प्रभुणा प्रेषिता वयम्॥3॥
ईश्वरः स्फुरति नः स्वान्ते अज्ञानान्धतमसस्यान्ते।
तस्य कार्यमधुना कर्तुं सोद्यमा वयम्।
प्रभुणा प्रेषिता वयम्॥4॥
निश्चितं यशःपरिपूर्णं लप्स्यतेऽत्र जन्मनि तूर्णम्।
ईशकार्यकरणे निरताः सन्ततं वयम्।
प्रभुणा प्रेषिता वयम्॥5॥

ध्येयगीतम्

दिव्या (संकलनकर्त्री)

एम.ए. प्रथम वर्ष

ईश्वरं च भारतं प्रणम्य सदुरुं तथा।
प्रेरकं हि गीतमेव साम्प्रतं प्रगीयताम्॥
उज्ज्वलं सुशीलमस्तु शक्तियुक्तिसङ्गतम्।
धर्मरक्षणं तथाऽस्तु राष्ट्रशक्तिवर्धनम्॥
राष्ट्रबान्धवाः वयं हि भावनास्तु नः सदा।
पात्रताविकास एव साध्यमस्तु नः सदा॥
त्यागयुक्तराष्ट्रकार्यम् एव कुर्महे सदा।
नागरं जगद्धिताय राष्ट्रमस्तु नः सदा॥

प्रवहतात् संस्कृतमन्दाकिनी

अपूर्वा (संकलनकर्त्री)
एम.ए. द्वितीय वर्ष

शतशतकोटिशरत्पर्यन्तं प्रवाहताऽत् संस्कृतमन्दाकिनी॥

सिन्धु-सुतुद्रीसरस्वतीनां तटे ऋषीणां ध्यानपराणाम्।
होमधूम-पावित-लोकानाम्
अत्रिभृगूणां छन्दोवाणी।

प्रवाहताऽत् संस्कृतमन्दाकिनी॥

वाल्मीकिमुनि-व्यासविरचिता रामकृष्णयोः पावनगाथा।
अखण्डदीपो भगवद्गीता कर्मयोग-सन्देश-दायिनी।

प्रवाहताऽत् संस्कृतमन्दाकिनी॥

इयमस्माकं धर्मभारती राष्ट्रैक्यस्य च महती स्फूर्तिः
विना संस्कृतं नैव संस्कृतिः इह परत्र कल्याणकारिणी।

प्रवाहताऽत् संस्कृतमन्दाकिनी॥

केशवं स्मरामि सदा

अन्नपूर्णा (संकलनकर्त्री)
बी.ए. तृतीय वर्ष

हिन्दुराष्ट्रसङ्घटकं सुजनवन्दनीयं
केशवं स्मरामि सदा परमपूजनीयम्॥

राष्ट्रमिदं हिन्दूनां खलु सनातनम्
विघटनया जातं चिरदास्यभाजनम्
दुःखदैत्यपीडितमिति पीडितहृदयम्।
केशवं स्मरामि सदा परमपूजनीयम्॥

भगवद्ध्वज एव राष्ट्रगुरुरयं महान्
देशोऽयं खलु देवो जगति महीयान्
बोधयन्तमिति तत्त्वं सततस्मरणीयम्।
केशवं स्मरामि सदा परमपूजनीयम्॥

वीरव्रतमेव परं धर्मनिदानम्
सुशीलमेव लोकेऽस्मिन् परमनिधानम्
उपदिशन्तमिति सारं हृदमाचरणीयम्।
केशवं स्मरामि सदा परमपूजनीयम्॥

नेतुं निजराष्ट्रमिदं परमवैभवं
नयत विलयमन्तर्गतसकलभेदभावम्।
सङ्घमन्त्रमिति जपन्तमेकमेषणीयम्।
केशवं स्मरामि सदा परमपूजनीयम्॥

न मे भक्तः प्रणश्यति

शीतल (संकलनकर्त्री)
एम.ए. द्वितीय वर्ष

(1)

भक्तो भवेऽनुरक्तः, शक्तः परार्थचेताः।
सक्तो गुणार्जनेषु, मुक्तश्च रागद्वेषात्॥

(2)

औदार्यमात्मनिष्ठां, सच्छील - सौकुमार्यम्।
त्यागं दयां निधत्ते, आस्तिक्यमार्जवं च॥

(3)

सत्ये रतिं निधत्ते, सत्त्वे मतिं विधत्ते।
संत्यज्य पापभावं, पुण्ये धियं निधत्ते॥

(4)

सर्वत्र चाऽऽत्मशक्तिं, परमात्मनोऽधिवासम्।
दृष्ट्वा गुण-प्रवाहं, विश्वात्मतां तनोति॥

(5)

रोगे भये न शोके, तापे न दुःख-द्वन्द्वे।
इष्ट-प्रिय प्रणाशे, धैर्यं जहाति नैव॥

(6)

सर्वत्र साम्यबुद्धिं, धत्ते शुभेऽशुभे वा।
भोगे पराजये च, इष्टाऽऽपत्यनिष्टलाभे॥

(7)

साम्ये यदा प्रतिष्ठा, स्थैर्यं मनःप्रसादः।
धैर्यं गुणोदयश्च, तत्राऽऽत्म-ज्योतिरिष्टम्॥

(8)

ब्रह्मार्पणं यदाऽऽस्ते, तत्राऽस्ति शान्तिधारा।
नाशो भयं न चिन्ता, यत्रास्ति ब्रह्मज्योतिः॥

MY DEAR MOTHER- LAND INDIA

Jyoti, M.A.II

My motherland, she's so beautiful and bright,
She gives me home, a shelter and light.
And we are proud of her history,
Full of struggles and victories.
We got this country from god as a gift,
Not just to take, but mostly to give.
Our land takes care of you and me,
And only here we can stay forever free.
We are proud to be her loyal kids,
She brings us up, teaches and leads.
She's our life, she is our best part,
She is our soul, brain and heart.
My motherland, you are so beautiful and
bright,
May we be strong to keep your shining light.

THOUGHTS

Komal Rawal, B.A.II

1. "If you fail, never give up because
FAIL means First Attempt In Learning."
2. "You can't change your future but you can
change your habits and surely your habits will
change your future."
3. "One best book is equal to a hundred good
friends, but one good friend is equal to a
library."
4. " A good teacher is like a candle that con-
sumes itself to light the way for others".

LET IT GO

Raghini, M.A. I

Today I say
Let it go
Pick up your own boat
And across the ocean, you must row.
They said you heard
Have the things ended ?
No, you are still stranded.
Why blame others
When we know
Somewhere we are also at fault
First introspect, to us
That was taught.
I agree, one has to be practical
But trust me
Life is better when you are illogical.
Why don't we listen to what the heart says?
Why is it always kept at bay?
Whenever something is wrong
Listen to your heart
It will give you a feeling so strong.
And the pain won't last long.
In life learn to be strong.
Consider it to be song
Some notes high, some low
But through the ocean you must row.

SUCCESSFUL

Sarika, B.A. II

People have two things
on their lips
"Silence and smile"
Smile
To solve problem
and Silence
To avoid problem

WAKE UP WITH A SMILE

Alka, M.A.I

Wake up with a smile,
For you have to go many miles,
Before You reach your destination,
Which is full of joy and fascination.

For once you achieve your goal,
You will get what you desired as a whole,
Think big, do your best and feel the noblest,
For these pillars which make you the best.

This world is full of pain and sorrow,
Wake up with a smile for better tomorrow.
Fasten your belts and set for sail,
With determination you never fail,
Fear not or you might derail,

But always remember to wake up with a smile,

For you have to go many miles.

TRASH

Anshika Sharma

B.A. II

Plastic bottles for the water you drink,
But plastic causes death, so stop and think !

Millions of sea birds and turtles painfully die,
After eating plastic that floats on by.

Plastic thrown away and out of reach,
Ends up as plastic sand on a plastic beach,

Plastic sold for consumer cash,
Fill our oceans with plastic trash.

LIFE CAN BE SUNSHINE

Sweta Tyagi

B.A.II

Life can be sunshine,
On peaceful days with bright blue skies,
Or life can be the raindrops,
That fall like tears dropping from your eyes.
Life can be heaven,
That you will only reach through hell,
Since you won't know that you are happy,
If you have not been sad as well,
Life can teach hard lessons,
But you will be wiser once you know,
That even roses need both sunshine,
And a touch of rain to grow.

THREE NICE THOUGHTS

Sarika, B.A. II

1. "Kill tension before
Tension kills you"
 2. "Reach your goal
Before goal kicks you"
 3. "Live your life
Before life lives you"
-

BLACK BOARD

Kajal Nagar, B.A.II

Black colour is
sentimentally bad
But
Every black board
makes the student's
life bright.

TO A MOTHER

Kashish Kulshrestha

B.A.II

For all the things I did not say,
About how I felt along the way,
For the love you gave and the work you have
done,
Here is appreciation from your admiring son.
You cared for me as a little tot,
When all I did was cry a lot,
And as I grew your work did too,
I ran and fell and got black and blue.
I grew some more and It did not stop,
Now you had to become a cop,
To worry about the mistakes I would make,
You kept me in line for my own sake.
I got older, and the story repeated,
You were always there whenever I needed,
You guided me and wished me the best,
I became wiser and know I was blessed.
So, for all the times I did not say,
The love I felt for you each day,
Mom, look into my eyes and you can see,
Just how much you mean to me.

COLLEGE LIFE

Farheen Khan, B.A. II

College life is that part of your life that you
are going to relive in your memories till you
breathe.

MY WORLD

Shivani, B.A. II

I think of a world
Without discrimination,
I think of a world
Without corruption.

I think of a world
Where people always try,
I think of a world
Where people never cry.

I think of a world
Where there is cleanliness,
I think of a world
Where there is happiness.

I think of a world
Where people do their duty,
I think of a world
Where people have internal beauty.

I hope this world is never in grief,
I have this belief,
I have this belief.

THE BEAUTY OF SUNSET

Kanchan Nagar

B.A.III

The beauty of the sunset
Tells us something each day
That another day has ended today.
The beauty of sunrise.
Tells us this day here to stay
The wind blowing on the face
Tells us life is a running race.
So, get inspired by nature each day
To make your way!.

WHY GOD MADE TEACHERS

Nikky Verma, B.A.II

When God created teacher,
He gave us special friends
To help us understand His world
And truly comprehend
The beauty and the wonder
Of everything we see,
And become a better person
With each discovery.
When God created teacher,
He gave us special guides
To show us ways in which to grow
So we can all decide
How to live and how to do
What's right instead of wrong.
To lead us so that we can lead
And learn how to be strong.
Why God created teachers,
In His wisdom and His grace,
Was to help us learn to make our world
A better, wiser place.

YOUR BEST

Farheen Khan, B.A. II year

If you always try your best
Then you' ll never have to wonder
About what you could've done
If you'd summoned all your thunder
And if your best wasn't as good
As you hoped it would be
You still could say I gave today
All that I had in me.

GOOD THINGS

Nikky Verma, B.A.II

I once heard an old man say
Shaping vases out of clay
Into subtle forms sublime,
"Listen, son, good things take time."
All my life I've thought of this
When a task was lacking bliss,
When the work seemed awfully tough
And I thought I'd had enough
So, I'd give a little more
To what sometimes seemed a chore
And, you know without a doubt,
Good things always came about.

THREE GOLDEN RULES

Prachi Nagar, B.A.II

Who is helping you Don't forget them.
Who is loving you Dont hate them.
Who is trusting you Dont cheat them.

FULL FORM OF TEACHER

T- Talented
E- Elegant
A- Awesome
C- Charming
H- Helpful
E- Efficient
R- Receptive

LIFE IS A JOURNEY

Prachi Nagar, B.A. II

Life is a gift of God.
A journey for everyone.
Nothing can stop one's life.
Life is full of dreams and wonders.
A mixture of joy and sorrow,
Sometimes up sometimes down
We do not realize how precious life is.
When season passes by.
Life starts struggling to win.
Generation after generation.
Life starts decaying or falling.
We experience many good and bad things.
Leaving behind only memories.
Time comes and goes.
Nothing in this world is immortal
Only one way to live on immortal life.
When we enter the kingdom of God.
That is Heaven.
Fight a good fight to complete your journey.

BEAUTIFUL NATURE

Komal Rawal, B.A.II

God,
Create a beautiful world,
The mountain so high,
The trees sway the leaves blow away,
The birds flying really high,
The sky so blue and the sun so shine;
The water like a crystal flows in the river so
fresh and clean,
The feeling so nice and happy,
I thought this was real.
But I work up in my deep sleeping it's just a
dream,
I open my eyes and I look around,
I cried because the nature is not like my dream,
I see the forest naked no trees,
The air smell pollution, the river flows of black
water and full of garbage,
and I ask myself where the beautiful Nature.
Created by God for us.

SCHOOL LIFE

Sarika, B.A. II

Most irritating moments - Morning alarm
Most Difficult task - To Find Socks
Most dreadful journey - Way to class
Most Lovely time - Meeting friends
Most tragic moments - Surprise test in
Ist Period
Most wonderful news - teacher is absent.

LIFE

Kajal Nagar, B.A.II

Life is too short
To wake up in the morning
With regrets So love the people
Who treat you right Forget about the once who
Don't and believe that Everything
Happens for a reason If you get a chance. Take it
If it changes your life
Let it Nobody said it'd be easy
They just promised it Would be worth it.

FOR HOW LONG WILL YOU STOP ME?

Sapna Pratihasta B.A.II

With a few dreams clutched in the fists,
With some hope packed in the pockets.
With the only wish buried in the heart,
“To do something worthwhile”.
More than there are crimes in this world
Is my endurance and strength.
Even amidst lies and chaos
I have the habit of speaking the truth.
I am deeper even than the ocean,
How many pebbles can you possibly throw ?
I shall never stop moving forward.
For how long will you stop me ?
I have had to bend a lot, before I learnt to stand tall.
I don't intend to ever bend again.
I am written by myself,
No fear of being erased by you.
whenever you push me into the burning kiln of situations,
I shall emerge as pure gold.
For how long will you stop me?

BE S.M.A.R.T

Kajal Nagar, B.A.II

Say please and Thank you.
Make friends and Be thoughtful
Arrive on time, prepared
and ready to learn.
Respect yourself and others.
Try your best!

EDUCATION

Aqsa Saifi, B.A.II

Education has a value
That sometimes cannot be quantified
If you ever doubt your journey
Look within, instead of looking outside
Deep inside your heart
Lie answers to all questions of life
No one else but you and your goals
Will keep you afloat in strife
Keep working hard
Focus on your long term goal
Its not the excuses that count
But the fire in your soul

FEATURES OF MY TEACHERS

Aqsa Saifi , B.A.II

A teacher introduces us to a
new vision of life
To make us as sharp as a knife !!
A teacher is like a candle
that burns itself To light the world of others.
Teachers are keys
That unlock the student's mind.
You are guides who mould our mind
You are one of a kind.
A teacher's purpose is not to create
student in his own image
But to develop students
who can create their own image.

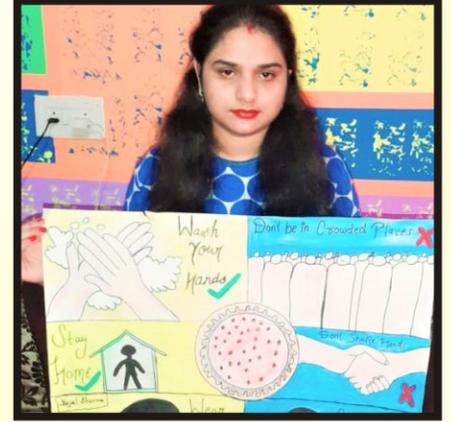
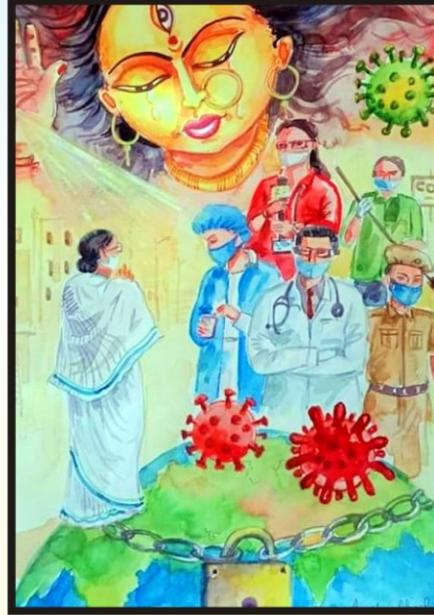
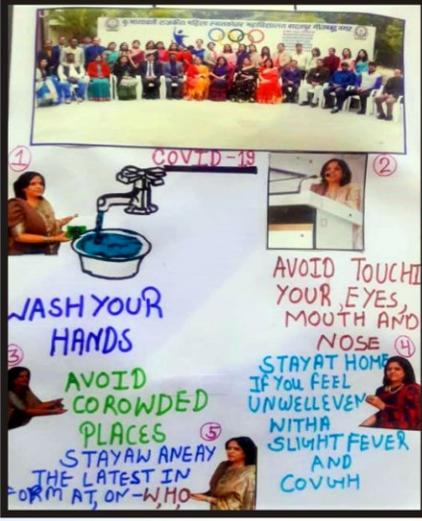
करियर काउंसिलिंग गतिविधियाँ



वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण



कोरोना जागरूकता अभियान



यदि देशभक्ति हैं सच्ची
कुछ दिन की दूरी अच्छी
डाउन लोड सेतु एप कोरोना
इसी से हारेगा कोरोना
घर के बाहर पड़े जब जाना
तुम मास्क जरूर लगाना
मन की शक्ति कम करो ना
इसी से हारेगा कोरोना
बस कुछ दिन की मजबूरी
ये दूरी बहुत जरूरी
मन में अफसोस कोरोना
इसी से हारेगा कोरोना
सब दिन रहे ना एक समान
कल के तुम ही हो दिनमान
ढलने का गम करो ना
इसी से हारेगा कोरोना
जय हो जय हो जन गण मन
देश पे वारि तन मन धन
सेवा जन-जन की करो ना
इसी से हारेगा कोरोना



-डॉ. रश्मि कुमारी

कोरोना जागरूकता अभियान

मुश्किल का दौर है ये,
धीरज बनाए रखिए।
नाजुक बहुत घड़ी है,
फासला बनाए रखिए।
संकल्प शक्ति अपनी,
दुश्मन हरा ही देगी।
कदम ना बाहर जाए,
तो विजय हमारी होगी।

मन से साथ रहकर,
रिश्ते निभाए रखिए।
हारेगा ही कोरोना,
साहस बनाए रखिए।
अनमोल है ये जीवन,
ऐसे ना खोने देंगे।

निज देश से कोरोना,
हटा के ही रहेंगे।

बस फासलों के द्वारा,
भारत बचाए रखिए।
नाजुक घड़ी है यारों,
हिम्मत बनाए रखिए।

शत-शत नमन है उनको,
सेवा में जो निरत है।

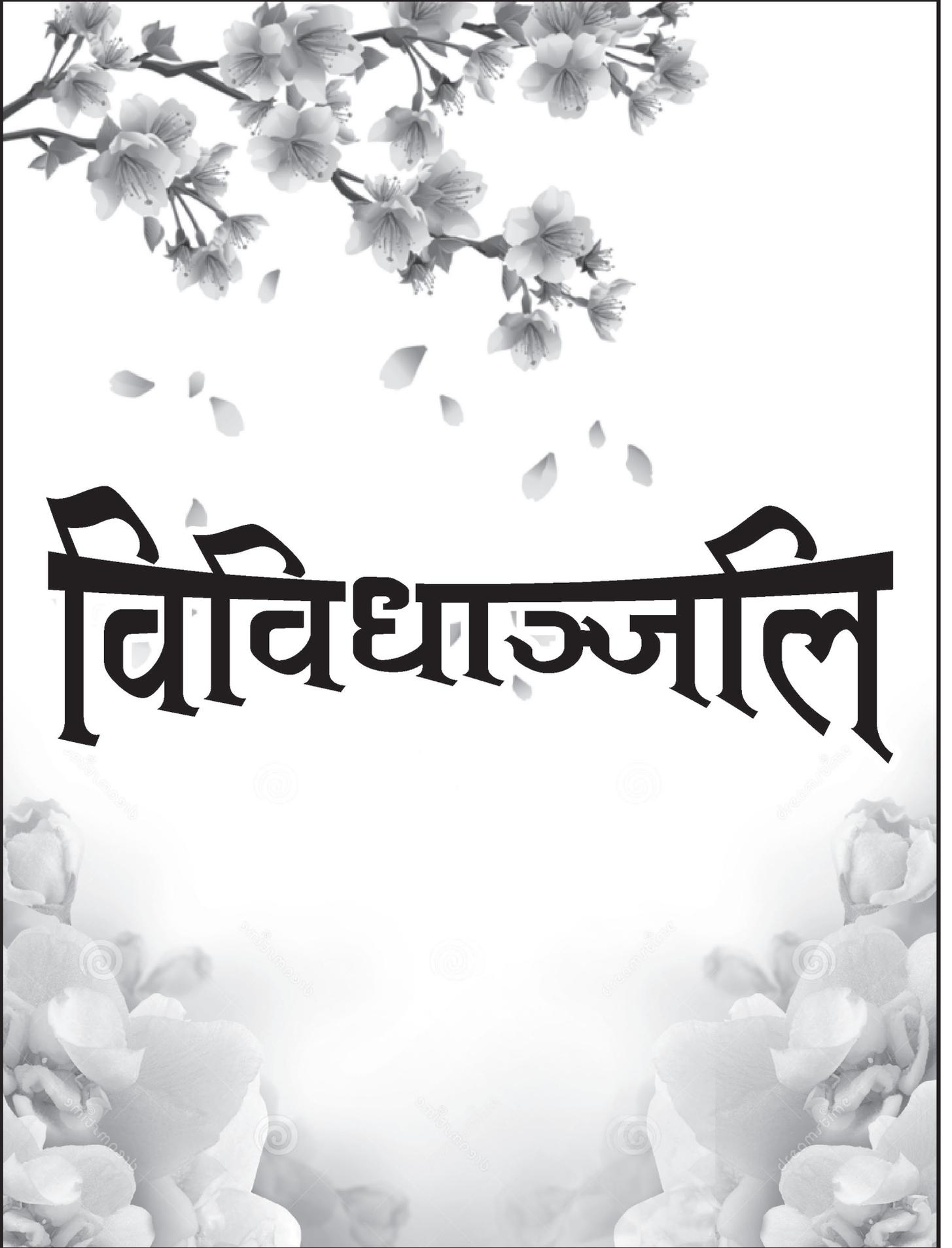
दिन-रात एक करके,
धर्मयुद्ध रत है।

उनके लिए हृदय में,
दुआ बनाए रखिए।

मुश्किल का दौर है ये,
धीरज बनाए रखिए।

-डॉ. दीप्ति वाजपेयी





विविधाञ्जलि

वार्षिक आख्या

डॉ. दीप्ति वाजपेयी
एसो. प्रो. संस्कृत

डॉ. ममता उपाध्याय
एसो. प्रो. राज. विज्ञान

1997 में स्थापित कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एक अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थान है। मात्र कला संकाय कुछ विषयों के साथ प्रारम्भ हुए इस महाविद्यालय में संप्रति वाणिज्य, विज्ञान, शिक्षा संकाय सहित कुल चार संकायों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन-अध्यापन एवं शोध-कार्य संपन्न किया जाता है। नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त 'मेडिकल लैब' एवं 'टूरिज्म' संबंधी दो व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी यू.जी. सी. के अनुदानांतर्गत संचालित है। 10 विभागों में त्रैमासिक डिप्लोमा कोर्स भी विगत सत्र से चल रहे हैं। शिक्षा के डिजिटलाईजेशन की प्रक्रिया में सहभागी होते हुए महाविद्यालय में कुल पाँच स्मार्ट रूम एवं एक कम्प्यूटर लैब की व्यवस्था की गई है। पुस्तकालय ऑटोमेशन की प्रक्रिया भी पूर्ण कर ली गई है।

विद्यमान सत्र का प्रारम्भ विश्वविद्यालय कैलेण्डर के अनुसार 8 जुलाई, 2019 को प्रवेश प्रक्रिया एवं अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ हुआ। सत्रारंभ में निर्मित महाविद्यालय कैलेण्डर एवं विभागीय कैलेण्डर्स के अनुसार सत्र पर्यंत शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन व संचालन किया गया। समारोह समिति के सौजन्य से राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन के साथ एन.सी.सी. रेंजर्स एवं एन.एस.एस. की इकाईयों द्वारा समय-समय पर वृहद वृक्षारोपण तथा स्वच्छता अभियान चलाया गया। एन.एस.एस.के 7 जनवरी 13 जनवरी तक चलने वाले विशेष शिविरों एवं रेंजर्स के 27-29 जनवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं द्वारा ग्राम डेरी मच्छा व सादोपुर में सामुदायिक सेवा का कार्य किया गया तथा रेंजर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। सत्र में महाविद्यालय के लिए गौरव के क्षण तक उपलब्ध हुए, जब दो एन.सी.सी. कैडेट्स कु. साक्षी च दिव्या द्वारा राजपथ पर हुई गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लिया गया व लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी को मुख्यमंत्री स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसी क्रम में नवम्बर माह में परिवहन विभाग के सौजन्य से आयोजित सड़क सुरक्षा संबंधी भाषण प्रतियोगिता में जिला एवं मण्डल स्तर पर प्रतिभाग करते हुए कु. शाहीन एवं कु. आकांक्षा को 21 हजार रूपये की सम्मानप्रद धनराशि के रूप में पुरस्कार प्राप्त हुए। बी.ए. प्रथमवर्ष की छात्रा कु. निधि ने अंतर्महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेकर भाला फेंक में रजत पदक प्राप्त करा महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में वृद्धि की।

19 सितम्बर, 2019 को महाविद्यालय में प्रसार व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन गौतम बुद्ध नगर की आई.पी.सी. अधिकारी श्रीमती कल्पना सक्सेना द्वारा किया गया। इस श्रृंखला में महिला सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, महिला स्वास्थ्य व बैंकिंग योजनाओं संबंधी कुल चार व्याख्यान प्रसार-व्याख्यान समिति के सौजन्य से आयोजित किए गए। छात्राओं को रोजगार प्राप्ति की दिशा में जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ द्वारा स्वैच्छिक संस्था मेधा के साथ मिलकर कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए गए जिसका प्रारम्भ 21 अगस्त को अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ हुआ। संस्थागत सामाजिक दायित्व को समझते हुए बी.एड. संकाय की छात्राओं द्वारा ग्राम बादलपुर में अगस्त माह में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया तथा राजनीति विज्ञान विभाग की राजदूत छात्राओं द्वारा मताधिकार के प्रति जागरूक करते हुए छात्राओं एवं स्थानीय निवासियों का मतदाता पहचान पत्र हेतु ऑनलाइन पंजीकरण 'मतदाता दिवस' के अवसर पर किया गया समाजशास्त्र विभाग द्वारा एक शपथ-ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन भी इस दिवस को किया गया।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 23 सितम्बर से 30 सितम्बर तक साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में भाषण, रंगोली, मेहंदी, पोस्टर निर्माण, काव्य-पाठ इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं के स्वास्थ्य एवं खेल अभिरूचि को प्रोत्साहित करते हुए क्रीड़ा विभाग द्वारा योगाभ्यास सहित अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसे 18 व 19 दिसम्बर को आयोजित वार्षिक क्रीड़ा समारोह में पूर्णता प्राप्त हुई। अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री शोकिन्दर तोमर ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारकर छात्राओं का उत्साहवर्द्धन किया। महाविद्यालय की विभागीय परिषदों के सौजन्य से भी अनेक भाषण,

निबंध, क्विज, संगोष्ठी, पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को 24 दिसम्बर को आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया गया। विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय दिवसों यथा-योग दिवस, विज्ञान दिवस, मानवाधिकार दिवस, हिन्दी दिवस, युवा-दिवस, शिक्षक दिवस, शिक्षा दिवस, खेल दिवस, अंतर्राष्ट्रीय भूजल सप्ताह, पोषण सप्ताह का आयोजन विभिन्न विभागों द्वारा किया गया। 4 सितम्बर, 8 नवम्बर एवं 28 जनवरी को महाविद्यालय में प्राथमिक चिकित्सा समिति एवं अम्बुजा सीमेंट दादरी के संयुक्त सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिनसे छात्राओं सहित ग्रामवासी भी लाभान्वित हुए। भ्रमण के माध्यम से शिक्षण की तकनीक को अपनाते हुए राजनीति विज्ञान विभाग, संगीत विभाग, विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय द्वारा छात्राओं को शैक्षणिक उद्देश्य से नई दिल्ली, गुरुग्राम व व्यापार मेले का भ्रमण कराया गया। शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्राओं के मध्य संवाद को बढ़ाने के उद्देश्य से 23 नवम्बर को शिक्षक-अभिभावक बैठक व 4 फरवरी, 2020 को पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया।

31 जनवरी से 2 फरवरी तक गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के साथ मिलकर संयुक्त रूप से “प्राच्य ज्ञान, सभ्यतागत पुरावशेष एवं समकालीन विश्व ” विषय पर डॉ. किशोर कुमार के संयोजन में त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त शासन द्वारा निर्देशित “संविधान से समरसता तक” कार्यक्रम दिनांक 26 नवम्बर से 14 अप्रैल तक संचालित किया गया। राजनीति विज्ञान के सौजन्य से संचालित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन डॉ. ममता उपाध्याय के द्वारा किया गया। जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। शासन द्वारा निर्दिष्ट “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” बैनर के अन्तर्गत महाविद्यालय को मेघालय के दो कॉलेजों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश व मेघालय की सांस्कृतिक गतिविधियों को आदान-प्रदान कर सांस्कृतिक एकरूपता स्थापित करने का कार्य डॉ. मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व में सम्पन्न किया जा रहा है।

इस क्रम में दिनांक 11 फरवरी 2020 को सत्र की पूर्णता पर वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह “उमंग 2020” आयोजित किया गया, जिसमें भव्य रंगारंग कार्यक्रम के अतिरिक्त मेधावी छात्राओं को विभिन्न गतिविधियों हेतु पुरस्कार वितरित किए गए। दिनांक 23 से 25 फरवरी तक विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त दिनांक 17 फरवरी से 21 फरवरी तक बी.एड. छात्राओं का पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड कैम्प संचालित किया गया।

8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। वर्तमान सत्र की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दिनांक 3-4 मार्च को महाविद्यालय में नैक के द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया, जिसमें महाविद्यालय को बी++ (2.91CGPA) ग्रेड प्राप्त हुआ, जो उत्तर प्रदेश के समस्त राजकीय महाविद्यालयों में सर्वोत्तम ग्रेड है।

कोरोना वायरस के प्रसार संकट को देखते हुए शासन द्वारा लॉकडाउन कर दिये जाने पर अपना दायित्व निर्वहन करते हुए समस्त विभागों ने ऑनलाइन कक्षाएँ संचालित करते हुए पाठ्यक्रम को पूर्ण कराया, साथ ही सभी विभागों ने ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक समागम भी आयोजित किया। इस क्रम में दिनांक 19 अप्रैल को आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा के संयोजन में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। दिनांक 25 अप्रैल को महाविद्यालय आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की तृतीय बैठक भी ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न की गई।

राष्ट्रीय वेबिनार की श्रृंखला में दिनांक 03 मई को “एक्सप्लोरिंग ऑनलाइन एजुकेशन: टूल्स, प्रॉब्लम एंड पॉलिसिलटीस” विषय पर डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा के संयोजन में वेबिनार आयोजित किया गया। दिनांक 6 मई से 11 मई तक ऑनलाइन छः दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसमें 5 राज्यों के कुल 92 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, संयोजक डॉ. किशोर कुमार एवं आयोजन सचिव डॉ. दीप्ति वाजपेयी थीं।

वैश्विक महामारी से उत्पन्न तनाव को दूर करने की दृष्टि से दिनांक 07 जून को हिन्दी विभाग के सौजन्य से ऑनलाइन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। दिनांक 16 जून को “एक भारत-श्रेष्ठ भारत” के अन्तर्गत डॉ. मीनाक्षी लोहनी के

संयोजन में एक अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया साथ ही 21 जून को “अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस” के अवसर पर एन.सी.सी., एन.एस.एस., रेंजर्स, क्रीडा विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त सौजन्य से “ऑनलाइन योग दिवस” कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन की स्थिति में महाविद्यालय द्वारा अध्ययन-अध्यापन को अबाधित रखने के उद्देश्य से समस्त विभागों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएँ, तथा ऑनलाइन आन्तरिक परीक्षा में आयोजित की गई। छात्राओं व अभिभावकों को तनावमुक्त रखने के उद्देश्य से ऑनलाइन शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन तथा तनाव प्रबन्धन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। शासन द्वारा निर्दिष्ट आयुष कवच एवं आरोग्य सेतु एप भी छात्राओं को डाउनलोड कराये गये। एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रेंजर्स इकाईयों द्वारा मास्क वितरण, खाद्य सामग्री वितरण, जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन इत्यादि कार्य सम्पन्न किये गये। समस्त विभागों द्वारा कोविड-19 के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा सुरक्षित रहने के उद्देश्य से फेस-बुक, व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम आदि सोशल मीडिया पर व्यापक एवं सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। उक्त सभी कार्यक्रम प्राचार्या महोदया के कुशल निर्देशन में प्राध्यापकों के अथक परिश्रम एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता से सम्पन्न हुए।

हिन्दी परिषद्

डॉ. मित्तु
असि. प्रो., हिन्दी

शिक्षण संस्थानों की स्थापना का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। महाविद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास व उनके व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षा के साथ-साथ शिक्षणोत्तर गतिविधियों का महत्वपूर्ण स्थान है। अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए सम-सामयिक शिक्षणोत्तर कार्यक्रमों में सहभागिता करना आवश्यक है। महाविद्यालय में विभागीय परिषद् इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हुई सतत् प्रयासरत रहती है। हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वाधान में समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती रही हैं। जो छात्राओं के दिशा-निर्देशन के साथ-साथ उनके मनोबल को भी बढ़ाती हैं। इस क्रम में हिन्दी साहित्य परिषद् में सत्र 2019-20 में विभागीय परिषद् का गठन कर अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कहानी लेखन प्रतियोगिता में कु. भारती नागर प्रथम, कु. राखी, द्वितीय एवं कु. आरती तृतीय स्थान पर रहीं। इसी क्रम में हिन्दी विभाग में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान कु. निशा खान, निशा राघव एवं ज्योति शर्मा द्वितीय एवं कु. मोनिका नागर तृतीय स्थान पर रहीं। विभाग द्वारा सूक्ति लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान कु. रीना, द्वितीय, कु. सिमरन एवं तृतीय कु. मुनेश ने प्राप्त किया। सभी स्थान प्राप्त छात्राओं को वार्षिकोत्सव में पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

अंग्रेजी परिषद्

श्रीमती जूही बिरला
परिषद् प्रभारी

साहित्य समाज का वह दर्पण है जिससे हम किसी समाज की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक परिवेश के बारे में जान सकते हैं। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अंग्रेजी विभाग सदैव प्रयत्नशील व क्रियाशील रहा है। छात्राओं की पढ़ाई के साथ-साथ अन्य शैक्षिक गतिविधियों में भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभाग में प्राचार्या महोदया के संरक्षण में विभागीय परिषद् का गठन किया गया, जिसमें प्राध्यापकों की सर्वसहमति से कु. श्वेता को अध्यक्ष चुना गया। छात्राओं के अन्दर आत्मविश्वास उत्पन्न करने के लिए विभागीय परिषद् के तत्वाधान में दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जो निम्नवत् हैं-

Spell Be Competition - बी.ए लेवल

Essay Writing Competition - एम.ए लेवल

इसमें छात्राओं ने बढ-चढ कर भागीदारी की तथा विजयी छात्राओं को महाविद्यालय स्तर पर गठित विभागीय परिषद् द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इसी क्रम में छात्राओं के लिये अंग्रेजी विषय में कैरियर की सम्भावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कैरियर काउंसलिंग लेक्चर का आयोजन किया गया।

संस्कृत परिषद्

डॉ. दीप्ति वाजपेयी
परिषद् प्रभारी

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला, या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा, या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ वीणापाणी की इतने आह्लादक शब्दों में वंदना कर उनसे अपने कल्याण की कामना करने वाली संस्कृत भाषा मात्र एक भाषा नहीं हैं, अपितु एक संस्कृति है। यह वह कुंजी है जो हमारे प्राचीन ग्रन्थों एवं धार्मिक-सांस्कृतिक परम्पराओं में निहित असंख्य रहस्यों को समझाने में सहयोगी है। हमारे प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ वेद-पुराण-उपनिषद् इत्यादि तथा योग, आयुर्वेद आदि भारतीय प्राच्य ज्ञान विभिन्न ग्रन्थों के रूप में संस्कृत भाषा में निबद्ध है।

वर्तमान समय में संस्कृत भाषा के महत्व से जन-जन को सुविदित कराने के उद्देश्य से महाविद्यालय की संस्कृत परिषद् के तत्वावधान में सत्रपर्यन्त विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया। सर्वप्रथम सत्रारम्भ में संस्कृत परिषद् का निम्नवत् गठन किया गया-

अध्यक्ष	- प्राचार्या
परिषद् प्रभारी	- डॉ. दीप्ति वाजपेयी
सह प्रभारी	- डॉ. नीलम शर्मा
	- डॉ. कनकलता यादव
उपाध्यक्ष	- कु. अपूर्वा
सचिव	- कु. अंजलि नागर
सह सचिव	- कु. काजल नागर
कक्षा प्रतिनिधि	- कु. कोमल

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के दृष्टिगत संस्कृत परिषद् के तत्वावधान में विभिन्न सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन सत्रपर्यन्त किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सत्र के आरम्भ में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नवागत छात्राओं को महाविद्यालय एवं विभाग से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

विभाग की सर्वोत्तम कार्यप्रणाली (बेस्ट प्रैक्टिस) के रूप में विगत सत्रों से निरंतर सम्पन्न की जा रही गतिविधि में पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक जागरूकता कार्यशालाओं का वर्तमान सत्र में आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनांक 23 नवम्बर को शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के समन्वित इस कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की छात्राओं के अभिभावकों ने सहभागिता कर अपने सुझाव एवं अनुभव साझा किये।

दिनांक 30 नवम्बर को स्नातकोत्तर स्तर पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था “वेदों में ऋग्वेद का महत्व”। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने विषय पर व्यापक प्रकाश डाला। इसी क्रम में डॉ. नीलम शर्मा एवं डॉ. कनकलता यादव ने भी विषयगत अभिव्यक्तियाँ प्रस्तुत की, तदुपरान्त छात्राओं ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

उपर्युक्त गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग की छात्राओं हेतु करियर काउन्सलिंग सत्र का आयोजन किया गया तथा रोजगार के विषय में व्यापक जानकारी विभाग प्राध्यापिकाओं द्वारा छात्राओं को उपलब्ध कराई गई।

दिनांक 28 जनवरी को “बृहदत्रयी में प्रकृति चित्रण” विषय पर विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें एम.एच. कॉलेज गाजियाबाद की एसो.प्रो. डॉ. मधु श्रीवास्तव ने छात्राओं को विषय से लाभान्वित किया। दिनांक 4 फरवरी को “पुरातन छात्रा सम्मेलन” का आयोजन किया गया जिसमें विगत वर्षों की छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने अनुभव व प्रगति आख्या प्राध्यापकों के साथ साझा की।

संस्कृत परिषद् के तत्वावधान में दो प्रतियोगितायें भी आयोजित की गईं जिनके परिणाम निम्नवत् रहे-

श्लोक गायन प्रतियोगिता-

1. कु. शीतल- एम.ए. IV सेमेस्टर- प्रथम स्थान
2. कु. अपूर्वी- एम.ए. IV सेमेस्टर- द्वितीय स्थान
3. कु. अपूर्वी- एम.ए. IV सेमेस्टर- तृतीय स्थान

पोस्टर प्रतियोगिता

1. कु. अपूर्वी- एम.ए. IV सेमेस्टर- प्रथम स्थान
2. कु. अपूर्वी- एम.ए. IV सेमेस्टर- द्वितीय स्थान
3. कु. अंजलि नागर- एम.ए. II सेमेस्टर- तृतीय स्थान

सभी विजयी छात्राओं को 24 दिसम्बर के विभागीय परिषद् पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय वार्षिकोत्सव में सत्र 2018-2019 में महाविद्यालय स्तर पर सर्वाधिक अंक पाने का गौरव संस्कृत विभाग की छात्रा कु. सरिता को प्राप्त हुआ। गर्व का विषय है कि कु. सरिता विश्वविद्यालय की रजत पदक विजेता भी हैं। विभाग की पुरातन छात्रा कु. संगीता द्वारा इस वर्ष यू.जी.सी. नेट परीक्षा उत्तीर्ण किया जाना भी विभाग के लिये हर्ष का विषय है। साथ ही चार शोध छात्राओं का डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में शोध कार्य हेतु पंजीकृत होना भी वर्तमान सत्र की संस्कृत विभाग की उपलब्धि है। आगामी सत्रों में भी संस्कृत विभाग छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की दिशा दिखाने हेतु दृढ़ संकल्पित है।

इतिहास परिषद्

डॉ. निधि रायज़ादा
परिषद् प्रभारी

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। शिक्षा के द्वारा वह विकास की ओर अग्रसर होता है, अपने उद्देश्य निर्धारित करता है व उनको प्राप्त करने के लिये सतत् प्रयास करता है। शिक्षा में इतिहास विषय के अध्ययन का विशेष महत्व है। इतिहास

भूत से भविष्य के बीच एक सेतु का कार्य करता है। भूतकाल में की गयी भूलों को न दोहराना इतिहास विषय के अध्ययन का मूल आधार है। इतिहास से प्रेरणा पाकर मनुष्य अपने वर्तमान को संवार सकता है और सुनहरे भविष्य के लिये मार्ग प्रशस्त कर सकता है। महाविद्यालय के इतिहास विभाग के सभी प्राध्यापक अपने विधार्थियों के निरन्तर विकास की प्रक्रिया में संलग्न हैं। छात्राओं के इस अनवरत् विकास की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए पठन-पाठन, अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त शिक्षणेत्तर गतिविधियों को भी विभागीय परिषद् द्वारा वर्ष भर संचालित किया जाता है। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य छात्राओं को राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक परिवेश के प्रति जागरूक बनाना तथा समाज के एक सक्रिय सदस्य के रूप में जीवन यापन करने की प्रेरणा देना है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सत्रारम्भ में ही परिषद् का गठन किया गया, जिसमें स्नातक की तीनों कक्षाओं तथा स्नातकोत्तर की दोनों कक्षाओं से दो-दो प्रतिनिधि छात्राओं का चयन छात्राओं द्वारा किया गया तथा विभाग के सभी प्राध्यापक प्राचार्या महोदया के संरक्षणत्व में सत्र में होने वाली विभागीय गतिविधियों में अपना पूर्ण सहयोग देंगे, ऐसा निर्णय लिया गया। इसके तुरन्त बाद इतिहास विभाग की स्नातकोत्तर छात्राओं हेतु एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्राध्यापकों द्वारा इतिहास विषय की व्यापकता, उसके अध्ययन के महत्व और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया।

इतिहास परिषद् के तत्वावधान् में सत्र 2019-20 में स्नातकोत्तर की छात्राओं हेतु एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके परिणाम निम्नवत् रहे-

क्रम	छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा स्थान
1 कु. राधिका	श्री महेन्द्र सिंह	एम.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम
2 कु. स्वाति	श्री अरविन्द कुमार	एम.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3 कु. निधि	श्री सतीश कुमार	एम.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय

इसी सत्र में विभाग के तत्वावधान् में 'भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन' विषय पर स्नातक की छात्राओं हेतु एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन दोनों प्रतियोगिताओं का आयोजन परिषद् प्रभारी डॉ.निधि रायज़ादा द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् हैं।-

क्रम	छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा स्थान
1 कु. शिक्षा शर्मा	श्री जितेन्द्र शर्मा	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2. कु. आरती	श्री अशोक कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3 कु. नेहा त्रिपाठी	श्री सूबे सिंह	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
4 कु. नीशू भाटी	श्री रविन्द्र भाटी	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय
5 कु. निकिता शर्मा	श्री रविन्द्र शर्मा	बी.ए. प्रथम वर्ष	तृतीय
6 कु. निक्की वर्मा	श्री राजकुमार वर्मा	बी.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय

इसके अतिरिक्त सत्र में दो सेमिनारों का भी आयोजन किया गया। 11 जनवरी 2020 को विभाग एवं स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केन्द्र के संयुक्त सौजन्य से 'विवेकानन्द: युवाओं के प्रेरणा स्रोत' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. के. के. शर्मा, एसो. प्रो. इतिहास, मुल्तानी मल मोदी पी.जी. कालिज, मोदीनगर मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने छात्राओं से स्वामी विवेकानन्द के जीवन से प्रेरणा लेने का आवाहन किया। राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाये गये इस सेमिनार में स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ. किशोर कुमार ने स्वामी विवेकानन्द को कालजयी व्यक्तित्व बताते हुये उनके समन्वयकारी विचारों पर व्यापक प्रकाश डाला। 23 जनवरी 2020 को क्रांतिकारी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के

अवसर पर एक अन्य सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक छात्राओं ने अपने विचार अभिव्यक्त किये। इस अवसर पर छात्राओं को सुभाष चंद्र बोस पर एक डाक्यूमेंटरी फिल्म भी दिखाई गई। इन दोनों ही संगोष्ठियों का छात्राओं के मानस पटल पर व्यापक प्रभाव पड़ा। विभाग के प्राध्यापकों द्वारा सभी छात्राओं को देश की इन महान् विभूतियों के कार्यों से अवगत कराते हुए, उनका अनुकरण करने व उनकी देशभक्ति की भावनाओं को अपने में आत्मसात् करने के लिये प्रेरित किया गया।

सत्र के अंत में स्नातकोत्तर की छात्राओं हेतु कैरियर की विभिन्न संभावनाओं पर विचार करने हेतु एम.एम.एच.पी.जी. कालिज, गाजियाबाद के एसो.प्रो. डॉ. संजय सिंह को आमन्त्रित किया गया। इसके अतिरिक्त विभाग के सभी प्राध्यापकों द्वारा समय-समय पर छात्राओं को यू.जी.सी. द्वारा आयोजित नेट परीक्षा, उच्च एवं माध्यमिक शिक्षा तथा अन्य सरकारी नौकरियों से संबंधित जानकारी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु जानकारीयें एवं दिशा निर्देश दिये गये।

विभागीय परिषद् प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को विभागीय परिषद् द्वारा आयोजित 'पुरस्कार वितरण समारोह' में पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय का इतिहास विभाग अपनी सभी छात्राओं के उज्ज्वल, सफल और सुखद जीवन की कामना करता है।

समाजशास्त्र परिषद्

डॉ. सुशीला
परिषद् प्रभारी

समाजशास्त्र मानव समाज का अध्ययन है, समाजशास्त्र, पद्धति और विषय वस्तु, दोनों के मामले में एक विस्तृत विषय है।

परम्परागत रूप से इसकी केन्द्रियता सामाजिक स्तर विन्यास, सामाजिक संबंध, सामाजिक संपर्क, धर्म, संस्कृति और विचलन पर रही है, तथा इसके दृष्टिकोण में गुणात्मक और मात्रात्मक शोध तकनीक दोनों का समावेश है। इस विषय के प्रति पिछले एक दशक से लोगों का रुझान काफी बढ़ा है। समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है, जिसमें देश में ही नहीं, विदेशों में भी स्नातक करने के बाद पढ़ाई के कई अवसर मौजूद हैं। यूएन से लेकर विश्व बैंक तक, व्यापार से लेकर कॉर्पोरेट जगत तक आज सभी इसकी उपयोगिता और आवश्यकता को समझते हैं। सामाजिक संगठनों की सामाजिक समरसता सभी का रास्ता इसी विषय के अध्ययन-अध्यापन के बीच में से होकर निकलता है।

महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना 1997 में स्नातक कक्षाओं के साथ हुई तथा स्नातकोत्तर स्तर पर इस विषय में वर्ष 2007 में अध्यापन कार्य प्रारम्भ हुआ। सत्र- 2019-2020 में 30अगस्त, 2019 को समाजशास्त्र परिषद् का वार्षिक गठन किया गया। समाजशास्त्र विभाग छात्राओं को केवल सैद्धान्तिक शिक्षा पर ही नहीं अपितु छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करते हुए उन्हें रोजगार परक शिक्षा के प्रति भी जागरूक बनाने का प्रयास करता है। समाजशास्त्र परिषद् के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं एवं व्याख्यानों का आयोजन सत्र 2019-2020 में किया गया:-

- दिनांक: 16 दिसंबर, 2019 को विभागीय संगोष्ठी/सेमिनार का आयोजन। विषय:-“ग्रामीण भारत में महिलाओं की स्थिति एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण” जिसमें मुख्य अतिथि वक्ता एसो. प्रो. समाजशास्त्र डॉ. प्रवीण कुमार एस. डी. कॉलेज, गाजियाबाद रहें।
- दिनांक: 17 दिसंबर, 2019 को समसामायिक सामाजिक मुद्दे “भारत में बेरोजगारी, एक वर्तमान परिदृश्य” विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक: 19 दिसंबर, 2019 को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन “मतदान जागरूकता” विषय पर किया गया।
- दिनांक: 25 जनवरी, 2020 तक समाजशास्त्र विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत निम्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे- पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता रैली व राष्ट्रीय मतदान दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समस्त

महाविद्यालय परिवार को प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के द्वारा शपथ दिलाई गई।

- दिनांक: 17 फरवरी, 2020 को समाजशास्त्र विषय में अध्ययनरत स्नातक व स्नातकोत्तर की छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया।
- दिनांक: 17 फरवरी, 2020 को डॉ. सुशीला के निर्देशन में पंजीकृत शोध छात्रा कु. आरती का जे.आर.एफ से एस.आर.एफ. में परिवर्तन हेतु यू.जी नियमावलीनुसार विभागीय बैठक आयोजित की गई जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में एसो. प्रो. समाजशास्त्र डॉ. अनिता मिश्रा राजकीय महाविद्यालय, नोएडा तथा विभाग प्रभारी डॉ. सुशीला, व असि.प्रो. डॉ. हरिन्द्र कुमार उपस्थित रहें।
- दिनांक: 11 फरवरी, 2020 को महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव पर विभागीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाली छात्राओं को तथा गतवर्ष समाजशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु. निधि मिश्रा को पुरस्कृत किया गया।

राजनीति विज्ञान परिषद्

डॉ. आभा सिंह
परिषद् प्रभारी

परिवार सामाजिक गुणों की प्रथम पाठशाला है और राजनीति विज्ञान के अध्ययन से व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करते हुए एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण करने हेतु अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय का राजनीति-विज्ञान विभाग भी इस लक्ष्य के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है और इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु सत्र 2019-20 में राजनीति विज्ञान परिषद् का गठन किया गया। प्राचार्या के संरक्षकत्व में विभाग प्रभारी डॉ. आभा सिंह, सदस्य डॉ. ममता उपाध्याय, डॉ. सीमा देवी एवं कक्षा प्रतिनिधि छात्राओं कु. जयश्री खारी एम.ए., द्वितीय, अंशु भाटी एम.ए. द्वितीय, संध्या रानी एम.ए. प्रथम, पारूल शर्मा एम.ए. प्रथम, संगीता शर्मा बी.ए. तृतीय, मीना बी.ए. द्वितीय, आरती तथा भारती बी.ए. प्रथम के सौजन्य एवं सहयोग से परिषद् के द्वारा प्रारम्भ से ही अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सितम्बर माह के प्रारम्भ में विभाग से राजदूत छात्राओं कु. अंजलि भाटी एम.ए. प्रथम, कु. नीशु बी.ए. तृतीय, कु. कोमल बी.ए. तृतीय, कु. मनीषा बी.ए. तृतीय, कु. आरती नागर बी.ए. द्वितीय का चयन किया गया। जिनके द्वारा 'मतदाता दिवस' कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं, शिक्षकों व क्षेत्रीय निवासियों के मतदाता पहचान पत्र बनवाये गये। ग्राम बादलपुर में कर्तव्य जागरूकता हेतु पैम्प्लेट वितरण कार्य किया गया। मौलिक अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों का पालन कर हम राष्ट्र के प्रति अपने सद्भाव को प्रदर्शित कर सकते हैं। यह समस्त कार्य डॉ. ममता उपाध्याय के निर्देशन में किया गया।

5 नवम्बर 2019 को विभागीय प्रतियोगिताओं के अंतर्गत निबन्ध तथा क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसमें विभाग की समस्त छात्राओं ने भाग लिया। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. प्राची भाटी, एम.ए. द्वितीय, द्वितीय स्थान ज्योति राघव एम.ए. द्वितीय, तृतीय स्थान कु. नीशू बी.ए. तृतीय प्राप्त किये। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्योति राघव एम.ए. द्वितीय, तथा मनीषा बी.ए. तृतीय स्थान प्राची भाटी, एम.ए. द्वितीय तथा नीशू भाटी बी.ए. तृतीय, तृतीय स्थान मोनिका भाटी एम.ए. प्रथम ने प्राप्त किये।

22 दिसम्बर 2019 को शैक्षिक भ्रमण हेतु छात्राओं को गाँधी म्यूजियम दिल्ली, तीन मूर्ति भवन दिल्ली तथा नेहरू प्लेनेटोरियम लेकर जाया गया। 10 दिसम्बर 2019 को 'विश्व मानवाधिकार दिवस' के अवसर पर विभाग के सौजन्य से महाविद्यालय स्तर पर एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या महोदया ने छात्राओं को शपथ कराई। दिनांक 28.1.2020 को विभाग द्वारा एक कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. राजेन्द्र कुमार पाण्डेय,

प्रोफेसर, राजनीति-विज्ञान विभाग, चौ. चरण सिंह, वि.वि. मेरठ ने छात्राओं को विषय के अध्ययन के उपरान्त रोजगार की व्यापक संभावनाओं से अवगत कराया।

इस वर्ष दिनांक 22 नवम्बर 2019 से 14 अप्रैल 2020 तक संविधान दिवस से समरसता दिवस तक का कार्यक्रम संचालन करने का भी दायित्व सौंपा गया, जिसे डॉ. ममता उपाध्याय व डॉ. सीमा देवी द्वारा लगातार चलाया जा रहा है और सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार इसमें अपना सहयोग प्रदान कर रहा है। इसी वर्ष महाविद्यालय में नैक टीम का आगमन हुआ। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के नेतृत्व में महाविद्यालय ने बी++ ग्रेड के साथ 2.91 रैंक प्राप्त की।

भूगोलपरिषद्

डॉ. मीनाक्षी लोहनी
परिषद् प्रभारी

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में स्नातक एवम् स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षणिक सत्र 2019-20 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के नियमानुसार एवम् निर्देशानुसार पाठयक्रम संबंधी एवं पाठ्य सहगामी क्रियाओं का चरणबद्ध तरीके से आयोजन किया गया।

सम्पूर्ण शैक्षिक सत्र में नियमित अध्ययन एवम् अध्यापन प्रक्रिया (सैद्धान्तिक एवम् प्रायोगिक) द्वारा विषय के सापेक्ष छात्राओं ज्ञानात्मक, भावात्मक एवम् क्रियात्मक विकास के अवसर उत्पन्न किये गए ताकि उनको भौगोलिक तथ्यों एवम् कारकों का ज्ञान हो सकें, तथ्यों एवम् कारकों में रुचि उत्पन्न हो तथा अर्जित बोध को वे अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकें। उक्त सत्र में विभाग द्वारा पाठयक्रम केंद्रित कक्षागत एवम् प्रायोगिक शिक्षण के अतिरिक्त छात्राओं की शतप्रतिशत सहभागिता से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जैसे-विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई, 2019), ओजोन दिवस (16 सितंबर, 2019), अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस (22 मार्च, 2020)

उक्त आयोजनों के अतिरिक्त सत्र के प्रारम्भ में ही पूर्व सत्रों की भांति दिनांक 16 जुलाई 2019 से 22 जुलाई 2019 तक “भूजल सप्ताह” कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां नियोजित व्याख्यानों एवम् विचारगोष्ठियों के माध्यम से छात्राओं को जल स्तर के महत्व एवम् मानव जीवन में जल की प्रांसंगिकता को स्पष्ट किया गया तथा उनमें जल संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित की गई।

इस वर्ष वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न राष्ट्रव्यापी लॉक डाउन की परिस्थितियों में पूर्वनिर्धारित आयोजनों को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया। जिनका सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचार एवं प्रसार भी किया गया। विभाग द्वारा अपने नैतिक दायित्व के सापेक्ष कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु शासन के प्रयासों को सफल बनाने में अपना योगदान भी दिया गया।

महाविद्यालय के शैक्षिक परिवेश में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों की ओर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। छात्राओं की सृजनात्मक एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए भूगोल विभागीय परिषद् द्वारा सत्र 2019-2020 में पोस्टर, सेमिनार, क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनके परिणाम निम्नवत् है।

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रथम स्थान	ज्योति नागर पुत्री श्री तेजपाल सिंह	एम.ए तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय स्थान	काजल नागर पुत्री महाराज सिंह	एम.ए तृतीय सेमेस्टर
तृतीय स्थान	कोमल पुत्री श्री ब्रह्मपाल सिंह	एम.ए तृतीय सेमेस्टर

सेमिनार प्रस्तुतीकरण

प्रथम स्थान	आंचल पुत्री श्री अजीत सिंह	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय स्थान	जुबी पुत्री श्री इकरामुद्दीन	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
तृतीय स्थान	कल्पना पुत्री सुनील	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रथम स्थान	ज्योति वर्मा पुत्री शिवानंद वर्मा	बी.ए. प्रथम
द्वितीय स्थान	योगिता पुत्री श्री सुनील	बी.ए. द्वितीय
तृतीय स्थान	कंचन पुत्री श्री धर्मवीर सिंह नागर	बी.ए. तृतीय

क्विज प्रतियोगिता

प्रथम स्थान	काजल पुत्री श्री तेजसिंह	बी.ए. द्वितीय
द्वितीय स्थान	कोमल पुत्री श्री सुशील	बी.ए. तृतीय
तृतीय स्थान	मोनिका पुत्री श्री गजेन्द्र	बी.ए. प्रथम

गृह विज्ञान परिषद्

श्रीमती शिल्पी
परिषद् प्रभारी

परिवार सामाजिक जीवन की मूल इकाई है और परिवार के स्वास्थ्य, साज-सज्जा, बच्चों की व्यवस्थित देखभाल, घर को व्यवस्थित ढंग से प्रबन्ध करने में गृह विज्ञान जैसे विषय का विशेष योगदान है। अपने विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से यह महिलाओं के बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्राओं को इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सत्र 2019-20 में गृहविज्ञान परिषद् का गठन किया गया। जो निम्नवत् है:-

संरक्षक	प्राचार्या, डॉ. दिव्यानाथ
अध्यक्ष	श्रीमती शिल्पी (असि.प्रो.)
उपाध्यक्ष	श्रीमती माधुरी पाल (असि.प्रो.)
सचिव	कु. अर्चना रानी, पुत्री श्री जगपाल सिंह (एम.ए. द्वितीय)
कोषाध्यक्ष	कु. शिमाइला, पुत्री श्री जाकिर हुसैन (एम.ए. प्रथम)
सदस्य	कु. आशी, पुत्री श्री सुभाष शर्मा (बी.ए. द्वितीय)
	कु. अक्शा, पुत्री श्री उमर मौहम्मद (बी.ए. द्वितीय)
	कु. शीतल, पुत्री श्री श्यामवीर (बी.ए. द्वितीय)
	कु. कामना, पुत्री श्री आनन्द कुमार पाण्डेय
	कु. शीतल, श्री सुरेशचंद्र (बी.ए. प्रथम)

गृहविज्ञान की छात्राओं के लिए दिनांक 19.08.19 को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमती माधुरी पाल द्वारा गृहविज्ञान की छात्राओं को विषय संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को प्रयोगात्मक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के बारे में समझाया गया। श्रीमती शिल्पी द्वारा एम.ए. गृहविज्ञान प्रथम वर्ष की छात्राओं को सेमेस्टर प्रणाली की जानकारी दी गई। अंत में डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा विभाग के अंतर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

01 सितम्बर से 07 सितम्बर तक गृहविज्ञान विभाग में अंतर्राष्ट्रीय पोषण सप्ताह आयोजित किया गया। इस साप्ताहिक

कार्यक्रम में निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

02 सितम्बर 2019 पोस्टर प्रतियोगिता

03 सितम्बर 2019 पोषण संबंधी प्रतियोगिता

04 सितम्बर 2019 पोषण जागरूकता रैली

05 सितम्बर 2019 किशोरावस्था में पोषण विषय पर व्याख्यान

06 सितम्बर 2019 नारा लेखन प्रतियोगिता

07 सितम्बर 2019 महिलाओं में खान-पान विषय पर चर्चा एवं पोषण सप्ताह का समापन

गृहविज्ञान परिषद् के अंतर्गत दिनांक 15.11.19 को थाल सज्जा प्रतियोगिता एवं दिनांक 14.11.19 को ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। प्रतियोगिताएँ के परिणाम निम्नवत् हैं-

1. कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता

प्रथम स्थान अक्शा सैफी, पुत्री श्री उमर मोहम्मद (बी.ए.द्वितीय)

द्वितीय स्थान अनुराधा, पुत्री श्री बहतर सिंह (एम.ए. प्रथम)

तृतीय स्थान रेशमा, पुत्री श्री कुमार (एम.ए. प्रथम)

2. थाल सज्जा प्रतियोगिता

प्रथम स्थान प्राची पुत्री, श्री देवेन्द्र सिंह (एम.ए. द्वितीय)

द्वितीय स्थान शिमाइला, पुत्री श्री जाकिर हुसैन (एम.ए. प्रथम)

तृतीय स्थान अनुराधा, पुत्री श्री छतर सिंह (एम.ए. प्रथम)

तृतीय स्थान काजल शर्मा, पुत्री श्री परशुराम शर्मा (बी.ए. प्रथम)

दिनांक 08.5.2019 को गृहविज्ञान विभाग द्वारा “महिला उद्यमिता” विषय पर प्रदर्शनी एवं विक्रय का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के हस्तनिर्मित उत्पाद बनाए गये। इन उत्पाद के निर्माण से पूर्व, छात्राओं द्वारा बाजार सर्वेक्षण किया गया। इसमें से मुख्य उत्पाद आचार, पापड़, चिप्स, नमकीन मिक्सचर एवं हस्त निर्मित आभूषण थे। कार्यक्रम का उद्घाटन, महाविद्यालय की प्राचार्या, डॉ. दिव्या नाथ द्वारा रिबन काटकर किया गया।

अर्थशास्त्र परिषद्

श्रीमती भावना यादव
परिषद् प्रभारी

आर्थिक विकास, आर्थिक जगत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण समस्या है और वर्तमान समय में इसका महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। अतः अर्थशास्त्र विषय का अध्ययन अपनी विशेष महत्ता रखता है।

छात्राओं के चहुमुखी व्यक्तित्व विकास हेतु प्रतिवर्ष अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विभागीय परिषद् का गठन किया जाता है जिसके अंतर्गत छात्राओं में समसामयिक विषयों के बारे में जागरूक किया जाता है, जिससे छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान, समायोजन, भाषण प्रवाह आदि की प्राप्ति हो सके। इसी ध्येय की प्राप्ति हेतु सत्र 2019-2020 में परिषद् के अंतर्गत विभिन्न

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

अर्थशास्त्र परिषद् के अंतर्गत “भारत में कृषि का विकास” विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से कृषि विकास को दर्शाया। प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे-

- प्रथम पुरस्कार कु. मनीषा (एम.ए. द्वितीय)
द्वितीय पुरस्कार कु. अंजली सैनी (बी.ए. प्रथम)
तृतीय पुरस्कार कु. ज्योति वर्मा (बी.ए. प्रथम)

छात्राओं में घटती जी.डी.पी. वृद्धि दर के बारे में जागरूकता हेतु “भारत में घटती जी.डी.पी. वृद्धि दर के कारण, प्रभाव एवं उपाय” विषय पर दिनांक 22-11-19 को संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे-

- प्रथम पुरस्कार कु. ऋतिका मावी (एम.ए. प्रथम)
द्वितीय पुरस्कार कु. साक्षी नागर (एम.ए. द्वितीय)
तृतीय पुरस्कार कु. मनीषा (बी.ए. तृतीय)

सभी स्थान प्राप्त छात्राओं को परिषदीय पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया।

अर्थशास्त्र विषय में अध्ययनरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सभी प्रतियोगिताओं में सहभागिता की।

शारीरिक शिक्षा परिषद्

डॉ. धीरज कुमार
परिषद् प्रभारी

कु. मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, बादलपुर (गौतमबुद्ध नगर) के शारीरिक शिक्षा विभाग में शैक्षिक सत्र 2019-20 में चौधरी चरण विश्वविद्यालय, मेरठ तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार एवं नियमानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा सत्र के प्रारम्भ में दिनांक 29 अगस्त 2019 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चन्द जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर “राष्ट्रीय खेल दिवस” मनाया गया जहाँ भारत सरकार द्वारा प्रायोजित “फिट इन्डिया मूवमेंट” को नियोजित स्वरूप में शुरू किया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी तथा सभी प्रतिभागियों को “वॉक फॉर फिटनेस” के तहत दस हजार कदम चलाया गया। उक्त के अतिरिक्त इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सुबह 10 बजे छात्राओं को दिखाया गया। इसके उपरान्त 18 से 30 नवम्बर 2019 तक विभागीय खेल-कूद प्रतियोगिताएं सम्पन्न करायी गयी। दिनांक 26 नवम्बर 2019 को महाविद्यालय में कबड्डी के मैदान का माननीय प्राचार्या द्वारा शुभारम्भ किया गया। दिनांक 08 नवम्बर 2019 को विश्वविद्यालय स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कु. निधि ने भाला फेंक प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल प्राप्त किया। महाविद्यालय की क्रीड़ा परिषद् के सौजन्य से दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिताएं 18 से 19 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न करायी गयी। इस अवसर पर श्रीमान् शौकेन्द्र तोमर जो कि अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कुश्ती के खिलाड़ी हैं तथा जिन्हें भारत सरकार द्वारा अर्जुन अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है, मुख्य अतिथि के रूप में क्रीड़ा समारोह में उपस्थिति हुए। क्रीड़ा समारोह के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ. जी.के. सिन्हा द्वारा विजेता छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गये। 21 जनवरी 2020 को फिट इन्डिया मूवमेंट के अंतर्गत साइकिल रैली निकाली गयी। गणतन्त्र

दिवस के उपलक्ष्य पर 26 जनवरी को फिट इन्डिया मूवमेंट के अंतर्गत सभी शिक्षक एवं छात्राओं को दस हजार कदम चलाया गया। दिनांक 28 जनवरी 2020 को फिट इन्डिया मूवमेंट के अंतर्गत महाविद्यालय में “स्वास्थ्य परीक्षण शिविर” लगाया गया जहाँ समस्त शिक्षकों व छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 14 फरवरी को महाविद्यालय में वॉलीबॉल का माननीय प्राचार्या द्वारा शुभारम्भ किया गया।

दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव में निम्नलिखित प्रतियोगिताएं सम्पन्न करायी गयी, जिनका परिणाम निम्नवत् रहा-

1. 100 मी. दौड़ प्रतियोगिता

स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
प्रथम पुरस्कार	काजल विकल	(बी.ए. तृतीय)
द्वितीय पुरस्कार	पूजा शर्मा	(बी.ए. तृतीय)
तृतीय पुरस्कार	अंजली तोमर	(बी.ए.)

2. गोला प्रक्षेपण प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	कोमल	(बी.ए. तृतीय)
द्वितीय पुरस्कार	आरती मावी	(बी.ए.)
तृतीय पुरस्कार	पूजा शर्मा	(बी.ए.)

3. लम्बी कूद प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	अंजली तोमर	(बी.ए.)
द्वितीय पुरस्कार	रेखा नागर	(बी.एड. द्वितीय)
तृतीय पुरस्कार	कोमल	(बी.कोम.)

4. रस्सी कूद प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	काजल विकल	(बी.ए. प्रथम)
द्वितीय पुरस्कार	नेहा पाल	(बी.ए. प्रथम)
तृतीय पुरस्कार	प्रियंका	(बी.ए. तृतीय)

5. भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	सोनिया	(बी. वोक)
द्वितीय पुरस्कार	चंचल	(बी.ए. प्रथम)
तृतीय पुरस्कार	अंजली	

6. चक्का प्रक्षेपण प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	भारती मावी	(बी.ए. तृतीय)
द्वितीय पुरस्कार	कोमल	(बी.ए. तृतीय)
तृतीय पुरस्कार	रेखा	(बी.एड)

7. ऊंची कूद प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	प्राची नागर	(बी.ए.)
द्वितीय पुरस्कार	सोनिया	(बी.ए. तृतीय)
तृतीय पुरस्कार	काजल विकल	(बी.ए. तृतीय)

8. 200 मी. दौड़ प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	काजल विकल	(बी.ए. प्रथम)
द्वितीय पुरस्कार	सोनिया	(बी.वोक)
तृतीय पुरस्कार	प्रियंका	(बी.ए. तृतीय)

9. 400 मी. दौड़ प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	काजल विकल	(बी.ए. तृतीय)
द्वितीय पुरस्कार	पिंकी	(बी.एड)
तृतीय पुरस्कार	वन्दना	(बी.ए. प्रथम)

10. 800 मी0 दौड़ प्रतियोगिता

स्थान	छात्र का नाम	क्लास
प्रथम पुरस्कार	काजल विकल	(बी.ए. तृतीय)
द्वितीय पुरस्कार	रेखा	(बी.एड)
तृतीय पुरस्कार	पूजा शर्मा	(बी.ए. तृतीय)

महाविद्यालय छात्रा चैम्पियन का पुरस्कार कु0 काजल विकल पुत्री बाबूराम बी.ए. तृतीय वर्ष को प्रदान किया गया।

संगीत परिषद्

डॉ. बबली अरूण
परिषद् प्रभारी

संगीत ब्रह्माण्ड में उपस्थित वह दिव्य शक्ति है, जिसके अधीन सम्पूर्ण सृष्टि जगत् की सम्पूर्ण क्रियायें पल्लवित होती हैं। संगीत न केवल मन को आनन्दित करता है वरन् यह भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सुन्दर साधन है। वर्तमान समय में युवा वर्ग बड़ी संख्या में संगीत को जीविकोपार्जन के रूप में अपना रहे हैं। संगीत साधना है। संगीत सुन्दरता व गम्भीरता को संगीत प्रेमी ही अनुभव कर सकता है। इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में संगीत विषय के रूप में चुना गया व वर्ष 2014-15 से संगीत विषय के रूप में पढ़ाया जाने लगा।

सत्र के प्रारम्भ में ही संगीत परिषद् के तत्वाधान् में एक शास्त्रीय संगीत गायन व एक एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अनेको छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। इस प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे-

शास्त्रीय संगीत गायन प्रतियोगिता-

क्र.स.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	स्थान	कक्षा
1	रीमा नागर	श्री प्रेमचन्द्र नागर	प्रथम	बी.ए.तृतीय
2	शीतल	श्री खेमचंद	द्वितीय	बी.ए. द्वितीय

3	शिवानी नागर	श्री हरवीर सिंह	तृतीय	बी.ए. प्रथम
---	-------------	-----------------	-------	-------------

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-

क्र.स.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	स्थान	कक्षा
1	शीतल	श्री खेमचंद	द्वितीय	बी.ए. द्वितीय
2	हिमानी वर्मा	श्री सुरेन्द्र	द्वितीय	बी.ए. द्वितीय
3	रीमा नागर	श्री प्रेमचन्द्र नागर	तृतीय	बी.ए. तृतीय

विजयी, छात्राओं को पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार वितरित किये गये। इसी के साथ गत वर्षों की भाँति संगीत विभाग में संगीत परिषद् का गठन भी किया गया जिसका विवरण निम्नवत् है।

संरक्षक	डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्या)	
परिषद् प्रभारी	डॉ. बबली अरूण	
अध्यक्ष	शीतल	बी.ए. द्वितीय
सचिव	हिमानी शर्मा	बी.ए. द्वितीय
कोषाध्यक्ष	सोनिका	बी.ए. द्वितीय

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में राष्ट्रीय पर्वों 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, वार्षिक क्रीड़ा समारोह, महाविद्यालय का वार्षिक समारोह व वर्ष 2020 में सम्पन्न नैक में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। जिसमें अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उत्साहवर्धन स्वरूप समस्त प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार वितरित किए गए।

गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी संगीत विभाग के तत्वाधान में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगीत के क्षेत्र में रोजगार की सम्भावनायें विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया व छात्राओं को आई.सी.टी. के प्रयोग के विषय में भी बताया गया।

साथ ही इस वर्ष छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण के लिए (गाँधी म्यूजियम त्रिमूर्ति भवन) ले जाया गया। जिससे छात्रायें अपने देश की महान विभूतियों से प्रेरणा ले सकें। और वह राष्ट्र हित में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले सकें।

शिक्षाशास्त्र परिषद्

डॉ. सोनम शर्मा
परिषद् प्रभारी

शिक्षा मानवीय मूल्यों की अनुभूति का अवसर प्रदान करती है। साथ ही वर्तमान की चुनौतियों के लिए विद्यार्थी को मार्गदर्शन देती है, नवीन दृष्टिकोण, सम्यक अभिव्यक्ति के लिए शिक्षाशास्त्र विषय ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करता है जिससे विद्यार्थी अपनी नैसर्गिक क्षमताओं का विकास करके ज्ञानवान समाज की स्थापना करने में सफल हो सकें इस सफलता के लिए पाठ्यक्रम के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाएँ भी आवश्यक हैं, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए गत वर्षों के भाँति शिक्षाशास्त्र परिषद् का गठन किया गया-जो कि इस प्रकार है-

संरक्षक	-	प्राचार्या
परिषद् प्रभारी	-	डॉ. सोनम शर्मा
अध्यक्ष	-	मुस्कान शर्मा
सचिव	-	सोनिका खारी
कोषाध्यक्ष	-	आयशा खान
छात्रा प्रतिनिधि	-	मीना शर्मा, विशाखा, विष्णु लक्ष्मी

शिक्षाशास्त्र परिषद् के अंतर्गत 12-12-2019 को निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् है-

मुस्कान शर्मा	-	प्रथम पुरस्कार
सोनिका खारी	-	द्वितीय पुरस्कार
सजल नागर	-	तृतीय पुरस्कार
आशी शर्मा, शिवानी और श्वेता नागर	-	सांत्वना पुरस्कार

विजयी छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा परिषदीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया।

इसके साथी ही शिक्षाशास्त्र विभाग की बी.ए. द्वितीय की छात्राओं द्वारा लघु नाटिका “शिक्षा की आवश्यकता” भी प्रस्तुत की गई जिसे साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद् के अंतर्गत तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेता छात्राओं को वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

चित्रकला परिषद्

श्रीमती शालिनी तिवारी
परिषद् प्रभारी

चित्रकला मानव मन की सौन्दर्यात्मक अभिव्यक्ति है। चित्रकला का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना मानव का इतिहास। समय के साथ-साथ चित्रकला का रूप व उद्देश्य बदलता रहा है, आप चित्रकला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम न होकर रोजगार प्राप्ति का भी माध्यम हो गया है। चित्रकला की छात्राओं के समुचित विकास व सौन्दर्यात्मक ज्ञान में वृद्धि हेतु प्रतिवर्ष चित्रकला परिषद् का गठन किया जाता है व विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। सत्र 2019-20 में दिनांक 16.09.20 को चित्रकला परिषद् का सर्व सम्मति से गठन किया गया जिसमें निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गये-

संरक्षक	-	डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्या)
विभाग प्रभारी	-	श्रीमती शालिनी तिवारी
अध्यक्ष	-	आकांक्षा, बी.ए. तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष	-	रचना, बी.ए. द्वितीय वर्ष
सचिव	-	शिवांगी, बी.ए. तृतीय वर्ष
कोषाध्यक्ष	-	कोमल नागर, बी.ए. द्वितीय वर्ष

छात्रा प्रतिनिधि - वर्षा रानी, बी.ए. तृतीय, शालिनी, बी.ए. द्वितीय, आएशा, बी.ए. प्रथम

चित्रकला परिषद् द्वारा दिनांक 26.11.19 को “फ्रीलांस पेंटिंग” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् है।

प्रथम पुरस्कार - सविता चौहान, बी.ए. तृतीय व मनीषा, बी.ए. तृतीय

द्वितीय पुरस्कार- आकांक्षा, बी.ए. तृतीय व शमा परवीन, बी.ए. तृतीय

तृतीय पुरस्कार - आएशा, बी.ए. प्रथम व मानसी, बी.ए.प्रथम

दिनांक 21.01.20 को चित्रकला विभाग द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी “अभिव्यक्ति” का आयोजन किया गया जिसमें चित्रकला विभाग की सभी छात्राओं ने अपने चित्रों को प्रदर्शित किया।

“संविधान से समरसता दिवस” कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 26.11.19 को मौलिक कर्तव्य विषय पर, दिनांक 26.12.19 को “संविधान” विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व दिनांक 18.01.20 को “संविधान की मूल भावना” विषय पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वाणिज्य परिषद्

डॉ. अरविन्द कुमार यादव
परिषद् प्रभारी

छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं व्यावसायिक ज्ञान में वृद्धि हेतु प्रति वर्ष वाणिज्य संकाय में एक वाणिज्य परिषद् का गठन किया जाता है। इस वर्ष भी इसी उद्देश्य के साथ दिनांक 02.09.19 को सभी छात्राओं की उपस्थिति में वाणिज्य परिषद् का गठन किया गया। परिषद् में सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारी चुने गये -

संरक्षक	डॉ. दिव्या नाथ
प्रभारी	डॉ. अरविन्द कुमार यादव
समन्वयक	डॉ. मणि अरोड़ा
उपाध्यक्ष	कु. निशा सिंह
सह-उपाध्यक्ष	कु. भावना
सचिव	कु. अंशु
कोषाध्यक्ष	कु. चिंकी
प्रचार मंत्री	कु. नेहा
कक्षा प्रतिनिधि	नेहा- बी.काम. तृतीय वर्ष निकिता- बी.काम. द्वितीय वर्ष नेहा भाटी- बी.काम. प्रथम वर्ष

सत्र 2019-20 में वाणिज्य परिषद् के तत्वाधान में एक पोस्टर प्रतियोगिता दिनांक 02.12.19 को आयोजित की गयी जिसका शीर्षक ‘Famous Indian Entrepreneurs and Their Journey’ था। इसके परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान (1) शाइना बी.कॉम. तृतीय वर्ष

द्वितीय स्थान (1) तनु शर्मा बी.कॉम. प्रथम वर्ष (2) प्रियंका बी.कॉम. प्रथम वर्ष

तृतीय स्थान (1) निशा सिंह बी.कॉम. प्रथम वर्ष (2) भावना कुशवाहा बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

इस वर्ष भी गत वर्ष की भाँति एक वाणिज्य सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें वाणिज्य के ज्वलंत विषयों पर चर्चा की गयी।

गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसमें संकाय की छात्राओं ने इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में जाकर क्रय, विक्रय, विज्ञापन तथा विपणन आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

शिक्षक शिक्षा परिषद्

डॉ. बलराम सिंह
परिषद् प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का शिक्षक शिक्षा विभाग छात्राओं को शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को सार्थक कर रहा है। शिक्षक-शिक्षा के अंतर्गत छात्राओं को न केवल शिक्षण कला में निपुण बनाया जाता है बल्कि शिक्षा प्रक्रिया भी विभिन्न विद्याओं से संबंधित अन्तर्दृष्टि विकसित करने योग्य भी बनाया जाता है। छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु गतवर्षों की भाँति सब 2019-20 में प्राचार्या महोदया के संरक्षक में शिक्षक-शिक्षा परिषद् का गठन किया गया।

संरक्षक - प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ (प्राचार्या)

प्रभारी - डॉ. रतन सिंह

अध्यक्ष - आकांक्षा सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष

उपाध्यक्ष - शीतल चौधरी बी.एड. द्वितीय वर्ष

सचिव - दीक्षा शर्मा बी.एड. प्रथम वर्ष

सत्र 2019-20 में विभागीय परिषद् के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम स्थान - साक्षी बी.एड. प्रथम वर्ष

द्वितीय स्थान - प्रियांशी सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष

तृतीय स्थान - संजना सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष

विभागीय संगोष्ठी- "आधुनिक जीवन शैली का छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव"

प्रथम स्थान - प्रवांशी पाण्डेय बी.एड. प्रथम वर्ष

द्वितीय स्थान - कपिलेश बी.एड. प्रथम वर्ष

तृतीय स्थान - ज्योति द्विवेदी बी.एड. प्रथम वर्ष

वाद विवाद प्रतियोगिता- “उच्च शिक्षण संस्थाओं में शुल्क वृद्धि”

प्रथम स्थान	-	आकांक्षा सिंह	बी.एड. प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान	-	प्रवांशी पाण्डेय	बी.एड. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	-	साधना यादव	बी.एड. प्रथम वर्ष

शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. की मदद से निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसके मुख्य वक्ता प्रो. ए.बी. भटनागर थे। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी शिक्षक दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन विभाग द्वारा किया गया। गाँधी जयंती के अवसर पर नई तालीय बुनियादी शिक्षा सप्ताह मनाया गया। विभाग द्वारा दो अतिथि व्याख्यान दिनांक 15.02.2020 को क्रियात्मकशोध विषय पर डॉ. जितेन्द्र कुमार पाटीदार दिनांक 25.02.2020 को ‘सूक्ष्म शिक्षण’ पर प्रो. एस.पी. गुप्ता (पूर्व निदेशक शिक्षा विद्याशाला यू.पी.आर.टी.ओ.यू. इलाहाबाद) द्वारा सफलता पूर्वक आयोजित किये गये।

महिला प्रकोष्ठ

डॉ. अर्चना सिंह
परिषद् प्रभारी

स्त्री और पुरुष जीवन रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं और जीवन की गाड़ी सुचारू रूप से तब चलती है जब दोनों पहियों में समानता हो। स्त्री जो आरम्भिक काल से समाज का विशिष्ट अंग रही है, जो समाज में अत्यंत श्रद्धा का पात्र है, प्रत्येक धार्मिक भावना स्त्री के रूप में अवतीर्ण हुई। ऐसे गौरवशाली इतिहास होते हुए भी उसका दासता का इतिहास भी कम प्राचीन नहीं है। ‘यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता’ की भावना लिए हुए भी, आज भी समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का स्थान दिया जाता है। स्त्री माँ की कोख से जन्म लेकर मृत्युपर्यन्त अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए छटपटाती नजर आती है। वह आज भी परिवार, समाज व कार्यक्षेत्र में अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए संघर्षरत है। शासन द्वारा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करने व कार्यक्षेत्र में उनके शारीरिक व मानसिक शोषण को रोकने के लिए प्रत्येक सरकारी व गैर सरकारी संस्था में ‘महिला प्रकोष्ठ’ के गठन को अनिवार्य कर दिया गया है। इसका उद्देश्य महिलाओं को शोषण के खिलाफ आवाज उठाने व उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ की स्थापना सर्वप्रथम सितम्बर 2007 में की गयी थी। शैक्षिक सत्र 2019-20 में महिला प्रकोष्ठ का पुनः गठन किया गया जिसका उद्देश्य महाविद्यालय परिसर में लैंगिक भेदभाव एवं महिलाओं व छात्राओं की हर प्रकार की समस्या का समाधान करना है। इस सत्र के महिला प्रकोष्ठ के सदस्य इस प्रकार हैं-

संयोजिका	-	डॉ. अर्चना सिंह
सहसंयोजिका	-	डॉ. दीप्ति वाजपेयी
सदस्य	-	डॉ. सुशील चौधरी
सदस्य	-	डॉ. प्रतिभा तोमर
सदस्य	-	डॉ. मणि अरोरा
सदस्य	-	डॉ. रमा कान्ति
सदस्य	-	डॉ. विनीता सिंह

प्रकोष्ठ की गतिविधियों का प्रारम्भ दिनांक 6.9.2019 को प्रकोष्ठ के अभिविन्यास कार्यक्रम से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अर्पणा तिवारी एसो.प्रो. विधि एम.एम.एच. कॉलेज गाजियाबाद उपस्थित रहीं। प्राचार्या महोदया की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में प्रकोष्ठ प्रभारी द्वारा छात्राओं को प्रकोष्ठ के सदस्यों से परिचय कराते हुए महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत वर्ष भर संचालित होने वाले कार्यक्रमों व प्रकोष्ठ प्रणाली की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। छात्राओं को 'डरे नहीं सहे नहीं' "चुप्पी तोड़ो खुल कर बोलो" आदि मूल वाक्यों व महिला हेल्प लाईन नम्बरों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अर्पणा तिवारी ने छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों व उनके लिए बने विधिक नियमों के बारे में विस्तृत व सार्थक जानकारी दी। महिला प्रकोष्ठ सदस्या डॉ. सुशीला चौधरी द्वारा महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों से छात्राओं को परिचित कराया गया। इसी दिन महिला प्रकोष्ठ की छात्रा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया जो निम्न प्रकार है -

1. शिक्षा संकाय कु. अनुप्रिया, कु. पिकी
2. कला संकाय कु. निशा राघव, कु.काजल नागर, कु. शालू नागर, कु. आशी शर्मा
3. वाणिज्य संकाय कु. भावना, कु. गुनगुन
4. विज्ञान संकाय कु. अंजू, कु. सोनम

दिनांक 25.11.2019 को International day for the elisntion of violance against women दिवस पर महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा कारण एवं निवारण विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें, कु. मोनिका शर्मा ने प्रथम, कु. वैशाली ने द्वितीय व कु. मीनाक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 5.12.2019 को 'महिलाओं के सम्मान विरोधी प्रथाओं के प्रति जागरूकता विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विजेता छात्राएं निम्न प्रकार है-

प्रथम कु. आकांक्षा, द्वितीय कु. पूनम, तृतीय कु. प्रिया

दिनांक 22.01.2020 को प्रातः ग्राम डेरी मच्छा व अपराह्न ग्राम सादोपुर में ग्रामीण महिलाओं व राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं के मध्य महिला प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों ने उपस्थित होकर उन्हें महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों के बारे में बताया। डॉ. मणि अरोरा ने बताया कि किस प्रकार आपात परिस्थिति में महिलाएँ अपना बचाव कर सकती है। डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने महिलाओं को मासिक धर्म के प्रति प्रचलित रूढ़ियों के प्रति जागरूक करते हुए अपने व अपने परिवार को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता की आवश्यकता के प्रति सचेत किया। डॉ. प्रतिभा तोमर ने ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह महिला सुरक्षा में प्रयुक्त होने वाले एप व गैजेट्स के बारे में जानकारी दी।

दिनांक 8 मार्च 2020 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला प्रकोष्ठ द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें वर्तमान समय में स्त्री सुरक्षा विषय पर विचारों का आदान प्रदान किया गया। परिचर्चा में महाविद्यालय के प्राध्यापकों व समस्त संकाय की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इसके अतिरिक्त सत्रपर्यन्त समय-समय पर छात्राओं की बैठक आहूत कर समिति सदस्यों द्वारा छात्राओं की समस्याओं को जानकर उनके निवारण का प्रयास किया गया। उक्त सभी गतिविधियों का उद्देश्य छात्राओं को किसी भी प्रकार के शोषण के प्रति जागरूक करना है।

जन्तु विज्ञान परिषद्

डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा
परिषद् प्रभारी

जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा सत्र 2019-20 में समस्त कक्षाओं आई-पेड, पी.पी.टी., ऐनीमेसन, वीडियो, विजुलाईजर आदि के द्वारा ली गयीं तथा छात्राओं को आई.सी.टी. के उपयोग सिखाने एवं उनमें आत्मविश्वास विकसित करने हेतु सभी छात्राओं को शिक्षण के बाद प्रत्येक दिन आई.सी.टी. के उपयोग पर 5 मिनट के लिए विषय से सम्बंधित किसी भी प्रसंग पर व्याख्यान देने की अनिवार्यता की गयी। जिसमें समस्त छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जन्तु विज्ञान की छात्राओं में शोध भावना विकसित करने हेतु प्रोजेक्ट बनाने को कहा गया, जिसे समस्त छात्राओं ने सत्र के अंत में विभाग में उपलब्ध कराया। प्रोजेक्ट के अंक भी निर्धारित किये गये जो प्रायोगिक परीक्षा में वाह्य परीक्षक के आंकलन के बाद जोड़े गये।

कागज विहीन एवं पर्यावरण अनुकूल शिक्षा व्यवस्था

सत्र में कागज विहीन एवं पर्यावरण अनुकूल शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत एम.एस.सी. की समस्त छात्राओं को रुसा के अंतर्गत आई-पेड एवं आई-पेन्सिल प्रदान की गई छात्राओं द्वारा एम.एस.सी. के समस्त असाईन्टमेंट प्रैक्टिकल फाईल डिजिटल रूप से तैयार की गई एवं आंतरिक परीक्षा भी आई-पेड एवं आई-पेन्सिल का प्रयोग करते हुए डिजिटल माध्यम से दी गई। समस्त असाईन्टमेंट, प्रैक्टिकल फाईल एवं आंतरिक परीक्षा की डिजिटल कापीयों को पारदर्शिता के लिए महाविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित किया गया।

BEST PRACTICES STARTED IN DEP'T FROM SESSION 2019-20

Self-directive time table: All students are prepare a time-table with rout map (from college to home) for themselves with the help of their parents. time-table is submitted to me, So I randomly cheak, I the students are following this or not by visit to their home or by telephone to their parent.

Online classes

During holidays and lockdown period daily Online classes are conducted using zoom and skype The schedule is display on university website,So other college students are also paetcpated in Online classes

Dr. Danish C. Sharma, Dr. Azmi Naqvi (WoS-DST), Dr. Azad Alam (MMDT) and Km. Sumbul Zehara taking Online classes of students.

WhatsApp group

To share information related to college, future, imporent articles, Job, national/international Scholarship, Competitions, Admission in P.G. etc.

Eco-friendly education to save enviroment.

100% class on smart board using digital tools (No use paper, chalk, ink)

Digital test practice for B.sc.-3rd students using PRS techniques students are also use online test for practice

All M.Sc. students complete their assignments, practical file digitally and also give internal

exam digitally.

Morning prayer—Every day is begin with Morning prayer song (Alternatively using songs of different religions)- this step is takes to promote moral education and maintian social harmony in young girls, when these girls become mother they can pass values to their children.

Student lecturer—All students have to give a 5 minutes lecture at the end of class this will help control their hestiation, face audieence and share their views with public.

Student Project—Every Student is assign to conduct a short project. this will help to devlop anaytic apprach in Student.

Dep't academic calender—Every year Dep't academic calender is prepare, By this students are well knows in advance, with will tought/happened in next week.

Monthly Display of attendance—Monthly attendance is Displayed on notice board and communitis to their parents during parent meet.

Acadmic tour—Final year students are visited to lohagra farm' haryana

पाठ्यक्रम के अतिरिक्त छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभाग द्वारा सत्रपर्यन्त विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु ऐनीमेटिड फिल्म एवं वीडियो दिखाये गये। सत्र के समापन पर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा अपने कनिष्ठ साथियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

Admission statistic's: 2019-20Admitted Applied Result 2019-20

General	EWS	SC	OBC	Total	Total	%	
UG-I	9	2	8	22	41	284	97.37
UG-II	8	0	8	18	34	34	92.59
UG-III	7	0	4	15	26	26	100
MSc-I	3	2	4	13	22	70	100
MSc-II	2	0	2	7	11	11	-
	29	4	26	75	134	425	

विज्ञान परिषद्

नेहा त्रिपाठी
असि. प्रो., रसायन विज्ञान

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वाधान में परिषद् का गठन दिनांक 9 सितंबर 2019 को किया गया।

विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों की उपस्थिति में अध्यक्ष के पद पर कुमारी ज्योति, पुत्री श्री सुशील कुमार गौतम (एमएससी द्वितीय वर्ष जंतु विज्ञान) का चयन हुआ।

उपाध्यक्ष के पद पर बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी संचिता चौहान का चयन किया गया।

इसी प्रकार सचिव के 2 पदों पर कुमारी मानसी नागर एवं कुमारी चंचल को चुना गया कोषाध्यक्ष के पद पर एमएससी प्रथम वर्ष की छात्रा कुमारी शैली भाटी एवं कुमारी सोनू को चयनित किया गया।

तत्पश्चात विभिन्न विभागों के सौजन्य से विभागीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

वनस्पति विज्ञान विभागीय परिषद् के अंतर्गत दिनांक 19-11-2019 को एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं का विवरण निम्न प्रकार है।

प्रथम स्थान	कुमारी स्वाति	पुत्री श्री लोकेश कुमार
द्वितीय स्थान	कुमारी संगम नागर	पुत्री श्री लोकेश नागर
तृतीय स्थान	कुमारी भावना शर्मा	पुत्री श्री मनोज शर्मा

जंतु विज्ञान विभागीय परिषद् के अंतर्गत दिनांक 18-11-2019 को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजित की गई। जिसमें परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान	कुमारी संचिता चौहान	पुत्री श्री लोकेश चौहान
द्वितीय स्थान	कुमारी चित्रा सोनी	पुत्री श्री बी के श्रीवास्तव
तृतीय स्थान	कुमारी सविता तोंगर	पुत्री श्री करतार सिंह

दिनांक 12 दिसंबर को वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका विषय था “वन्य जीव संरक्षण दशा एवं दिशा” तथा उपरोक्त प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान	कुमारी संगम नागर	पुत्री श्री लोकेश नागर
द्वितीय स्थान	कुमारी वर्षा	पुत्री श्री लोकेश सीताराम
तृतीय स्थान	कुमारी दिव्या	पुत्री श्री विजेन्द्र सिंह

दिनांक 16 दिसंबर 2019 को एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिनके परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान	कुमारी हिमांशी	पुत्री श्री प्रदीप
द्वितीय स्थान	कुमारी कल्पना	
तृतीय स्थान	कुमारी वैशाली	पुत्री श्री उदय वीर शर्मा
	कुमारी ज्योति	पुत्री सुशील कुमार गौतम

भौतिक विज्ञान विभागीय परिषद् के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान	कुमारी साक्षी वर्मा	पुत्री श्री अशोक वर्मा
द्वितीय स्थान	कुमारी राशि गर्ग	पुत्री श्री रविशंकर गर्ग
तृतीय स्थान	कुमारी रिशिका जैनहर	पुत्री श्री सुविन्दर सिंह

रसायन विज्ञान विभागीय परिषद् के अंतर्गत दिनांक 5 नवंबर 2019 को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई पोस्टर प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान	कुमारी संचिता चौहान	पुत्री श्री लोकेश चौहान	बीएससी तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान	कुमारी प्रिया	पुत्री श्री लोकेश	बीएससी तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान	कुमारी राशि गर्ग	पुत्री श्री रविशंकर गर्ग	बीएससी तृतीय वर्ष

उपरोक्त सभी छात्राओं को विभागीय परिषद् समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए। फरवरी माह में विज्ञान परिषद् के अंतर्गत विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी के परिणाम निम्न प्रकार रहे।

प्रथम पुरस्कार	कुमारी आस्था यादव	पुत्री श्री देवेंद्र यादव
द्वितीय पुरस्कार	कुमारी तनु शर्मा	पुत्री श्री प्रमोद कुमार शर्मा
तृतीय पुरस्कार	कुमारी ज्योति	पुत्री श्री सुशील कुमार गौतम

एनसीसी इकाई

लेफ्टीनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी
प्रभारी

महाविद्यालय में संचालित एनसीसी इकाई के लिए शैक्षिक सत्र 2019-20 संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में अवसर, उत्साह एवम् उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा।

उपलब्धियों की गाथा शुरू होती है “आल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग एक्सपीडिशन” से जिसके अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ में हिमट्रेकिंग कैम्प दिनांक 28 मई से 06 जून, 2019 तक आयोजित किया गया जिसमें संस्था की एनसीसी लेफ्टीनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी ने 13 एनसीसी गर्ल्स बटालियन, गाज़ियाबाद का प्रतिनिधित्व किया और दुरूह एवम् दुर्गम पहाड़ियों पर आयोजित इस कैम्प में 25 जूनियर डिवीज़न कैडेट्स के साथ परिश्रम एवम् प्रगति के नए आयाम स्थापित किये।

संस्था की एनसीसी इकाई का दूसरा प्रमुख पड़ाव था 21 जून। जब पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा था और भारत इस उपलब्धि से गौरवान्वित था। इस दिन सम्पूर्ण राष्ट्र की तरह 13 गर्ल्स यू.पी. एनसीसी बटालियन गाज़ियाबाद के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन कवि नगर, रामलीला मैदान में किया गया। जिस अवसर पर संस्था की एनसीसी इकाई द्वारा समस्त महिला कैडेट्स के साथ अपनी सहभागिता दर्ज की गयी।

जुलाई माह की 12 तारीख को एनसीसी कैडेट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवम् संवर्धन के संदेश को लेकर निकाली गयी साइकिल रैली को संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा हरी-झंडी दिखाकर शुभकामनाओं सहित विदा किया गया। साइकिल रैली महाविद्यालय परिसर से ग्राम बादलपुर तक गयी जहाँ कैडेट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवम् संवर्धन के विभिन्न संदेशों से ग्राम निवासियों को अवगत कराया गया। रैली के समापन पर ग्राम प्रधान श्री विजयपाल सिंह द्वारा महाविद्यालय प्रशासन को उनके प्रयासों हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिनांक 20 अगस्त 2019 को नवीन सत्र हेतु कैडेट्स के चयन की प्रक्रिया 13 एनसीसी गर्ल्स बटालियन, गाज़ियाबाद से नियुक्त प्रतिनिधि की उपस्थिति में आयोजित की गई जहां कठिन शारीरिक एवम् बौद्धिक मापदंडों पर खरा उतरने पर 24 छात्राओं का चयन एनसीसी कैडेट्स के रूप में किया गया।

महाविद्यालय में दिनांक 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2019 तक नई तालिम सप्ताह मनाया गया जिसके अंतर्गत डॉ. शिल्पी, डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. विनीता सिंह द्वारा नई तालीम पर व्याख्यान दिए गए तथा दिनांक 28 सितम्बर 2019 को एनसीसी की समस्त कैडेट्स को ग्राम डेरी मच्छा में संचालित “कौशल एवम् उद्यमिता विकास संस्थान” का भ्रमण कराया गया तथा संस्थान में संचालित विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराई गयी।

दिनांक 24 नवम्बर को राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस के उपलक्ष्य पर विद्यावती मुकुन्द लाल स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, गाज़ियाबाद में 13 यू.पी. गर्ल्स बटालियन के सौजन्य से भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा विस्तृत क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की एनसीसी इकाई की 36 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। इस विशेष अवसर पर विशेष उपलब्धि ये रही कि महाविद्यालय की एनसीसी कैडेट्स जिन्होंने आल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग एक्सपीडिशन जो कि अजमेर में आयोजित किया गया था की स्वर्ण पदक विजेता कु. साक्षी तथा कु. सोनम को भी सम्मानित किया गया।

इस वर्ष का अंतिम माह, अवसरों एवम् उत्तरदायित्वों के साथ रहा। एनसीसी इकाई द्वारा 13 यू.पी. गर्ल्स एनसीसी बटालियन, गाज़ियाबाद के संयुक्त सौजन्य से 01 दिसंबर 2019 से 15 दिसंबर 2019 तक शासन एवम् एनसीसी निदेशालय

द्वारा निर्गत निर्देशानुसार “स्वच्छता पखवाड़े” का आयोजन किया गया। पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ 01 दिसंबर 13 यू. पी. गर्ल्स एनसीसी बटालियन, गाज़ियाबाद में हुआ जहाँ कर्नल जे.पी. सिंह ने सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया। दिनांक 02 दिसंबर 2019 को संस्था में 13 यू.पी. गर्ल्स एनसीसी बटालियन, गाज़ियाबाद द्वारा संयुक्त रूप से “राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस” पर छात्राओं में प्रदूषण के घातक परिणामों से जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि के रूप में 13 यू.पी. गर्ल्स एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जे.पी.सिंह (वी.एस.एम) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में संस्था के सभागार में संस्था की प्राचार्या एवम् मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया गया जिसके उपरान्त “प्रदूषण-समस्या एवम् समाधान” शीर्षक पर व्यापक विचार प्रस्तुत किये गए। मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में कर्नल जे.पी.सिंह ने समस्त एनसीसी कैडेट्स का आह्वान किया कि वे समस्या का समाधान स्वयं में ही खोजें। अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्था की प्राचार्या ने विकास के संतुलित पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि मात्र विकास के नाम पर पर्यावरण का दोहन न हो। उन्होंने विकास की संतुलित अवधारणा प्रस्तुत की। उक्त के उपरांत “युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध” विषय को लेकर ग्राम बादलपुर तक विशाल रैली निकाली गई जिसको संस्था की प्राचार्या एवम् कर्नल जे.पी.सिंह ने हरी-झंडी दिखा कर विदा किया।

समापन सत्र में संस्था द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गए तथा संस्था की एनसीसी अधिकारी द्वारा उपस्थित सभागार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त अवसर पर एनसीसी बटालियन की प्रशासनिक अधिकारी मेजर रश्मि राय चौधरी, जी. आई.सी. निशा सिंह एवम् शालिनी, सी.टी.ओ. डॉ. ममता सिंह, सूबेदार पी.के. प्रधान के साथ महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

एनसीसी इकाई द्वारा “स्वच्छता पखवाड़े” के अंतर्गत दिनांक 03 दिसम्बर 2019 को महाविद्यालय में “मैं अपने शहर को साफ करने के लिए क्या कर सकता हूँ” शीर्षक पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं के समक्ष प्रत्येक संकाय की तीन चयनित छात्राओं द्वारा सारगर्भित विचार प्रस्तुत किये गए। जहाँ सभी वक्ताओं का मूल लक्ष्य इस संदेश को समस्त श्रोताओं तक पहुंचाना था कि स्वच्छता मानव जीवन के अस्तित्व का एक अनिवार्य घटक है जो कि मानवीय सभ्यता की दशा और दिशा को परिभाषित करता है।

दिनांक 4 दिसंबर 2019 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. एवम् एन.सी.सी. इकाईयों की छात्राओं एवम् कैडेट्स ने विभाग प्रभारी डॉ. शिल्पी, डॉ. नेहा त्रिपाठी तथा डॉ. (लेफ्टिनेंट) मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व में ग्रामपंचायत बादलपुर में जाकर “परिशिष्ट विसंयोजन” विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। जहां नाटक के मंचन के द्वारा ग्रामवासियों को गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग विधियों से अवगत कराया गया।

दिनांक 05 दिसंबर 2019 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. व एनसीसी इकाईयों द्वारा डॉ. शिल्पी, डॉ. नेहा त्रिपाठी तथा डॉ. (लेफ्टिनेंट) मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व में शासन द्वारा निर्गत निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत “श्रमदान अभियान” चलाया गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय प्रांगण से शुरू हुआ ये अभियान स्वच्छता के उद्देश्य से क्षेत्र की प्राचीन धरोहरों, शहीदों एवम् राष्ट्रीय व्यक्तियों की स्मृति स्थल जैसे बाबा साहब अम्बेडकर पार्क तक चलाया गया इस अवसर पर छात्राओं द्वारा धरोहरों की साफ-सफाई के अतिरिक्त ग्रामवासियों को स्वच्छता संबंधी संदेश दिए गए।

दिनांक 06 दिसंबर 2019 को कार्यक्रम के अगले चरण में एनसीसी इकाई द्वारा “व्यक्तिगत स्वच्छता दिवस” मनाया गया। इस अवसर पर कैडेट्स द्वारा सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग में जाकर शासन द्वारा प्रकाशित स्वच्छता के निजी मानकों की नियमावली एवम् विधि को पढ़कर सुनाया गया तथा हर नियम के लाभ भी स्पष्ट किये गए। इसके साथ-साथ हाथों की सफाई की मेडिकल एसोसियन द्वारा अनुमोदित विधि का प्रदर्शन भी किया गया क्योंकि उदर से संबंधित अधिकतम

रोग हाथों की गंदगी के माध्यम से ही होते हैं। इसके बाद कैडेट्स ने महाविद्यालय के निकास द्वार पर कैम्प लगा कर आने जाने वाले ग्रामीण एवम् अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को भी स्वच्छता से संबंधित नियमों एवम् आचरण से अवगत कराया।

दिनांक 07 दिसंबर, 2019 को एनसीसी कैडेट्स द्वारा हाथी पार्क से न्यू गाज़ियाबाद रेलवे स्टेशन तक स्वच्छता अभियान में सहभागिता की गई जहां पलॉगिंग कार्यक्रम के अंतर्गत कैडेट्स द्वारा जॉगिंग करते करते कूड़ा उठाया गया। इस अवसर पर 13 एनसीसी गल्स बटालियन के कमांडिंग अफसर कर्नल जे.पी.सिंह द्वारा कैडेट्स को अभियान हेतु अभिप्रेरित किया गया तथा ऐडम ऑफिसर रश्मि राय चौधरी ने अभियान को अपने निर्देशन से सार्थक दिशा प्रदान की। सम्पूर्ण अभियान में कैडेट्स द्वारा जॉगिंग करते हुए निर्धारित मार्ग से कूड़ा उठाया गया तथा समाज को सकारात्मक संदेश दिया कि राष्ट्र के स्वास्थ्य हेतु स्वच्छता की यूं ही जलती रहे।

दिनांक 08 दिसंबर 2019 को महाविद्यालय की प्राचार्या के निर्देशन में एनसीसी इकाई द्वारा साफ सफाई अभियान शुरू किया गया। इस अवसर पर डॉ. (लेफ्टिनेंट) मीनाक्षी लोहनी ने सभी कैडेट्स को अपने उदबोधन से स्वच्छता के प्रति अभिप्रेरित करते हुए कहा कि ये प्रयास मात्र एक कार्यक्रम ही न रहे, इसे आंदोलन तक बनाना होगा इसके बाद कैडेट्स द्वारा ग्राम बादलपुर तथा ग्राम सादोपुर में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों साफ-सफाई की गई तथा आम नागरिकों को भी जागरूक किया गया।

दिनांक 9 दिसंबर 2019 को “हैंड वाश डे” मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की एनसीसी इकाई की समस्त कैडेट्स ने अन्य सभी संकायों की छात्राओं को हाथ धोने की सही विधि से परिचित कराया तथा साथ ही साथ यह संदेश भी दिया कि इस विधि के साथ-साथ हमें इस प्रवृत्ति को भी स्वयं में विकसित करना होगा कि हम खुद स्वच्छ रहें और अपने आसपास रह रहें लोगों को भी इस स्वच्छता के नियम से अवगत कराएं कि यदि हमारे हाथ स्वच्छ हैं अथवा सही तरीके से धुले हुए हैं तो हम अनेकों रोगों से बचे रह सकते हैं।

दिनांक 10 दिसंबर 2019 को एनसीसी इकाई की समस्त कैडेट्स ने महाविद्यालय के खेल मैदान जहां की दिनांक 18 व 19 दिसंबर को वार्षिक खेल महोत्सव होना था, में सफाई अभियान चलाया जिसके बाद ग्राम बादलपुर में स्थित काशीराम पार्क में जाकर भी सफाई कार्य किया जिसका ग्राम प्रतिनिधियों सहित सामान्य ग्रामवासियों ने भी मुक्त हृदय से स्वागत एवम् अनुमोदन किया।

दिनांक 11 व 12 दिसंबर 2019 को क्रमशः सर्वप्रथम ओपन डिफेक्शन फ्री के संदेश के साथ कैडेट्स द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई तथा अगले दिन सादोपुर की झाल, जो कि आस पास का सर्वोत्तम जल संसाधन का स्रोत भी है के किनारों की साफ सफाई की गई।

दिनांक 13 व 14 दिसंबर 2019 को एनसीसी इकाई की कैडेट्स तथा महाविद्यालय की समस्त छात्राओं के लिए “स्वच्छता के संदेश” शीर्षक पर पेंटिंग तथा निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 44 छात्राओं ने सारगर्भित विचार प्रस्तुत भी किये।

दिनांक 15 दिसंबर 2019 को पन्द्रह दिवसीय पखवाड़े के समापन कार्यक्रम का विशाल आयोजन 13 गल्स उत्तर प्रदेश बटालियन, गाज़ियाबाद में किया गया जहाँ कर्नल जे.पी.सिंह द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कैडेट काजल एवम् कैडेट निशा सिंह को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ऐडम ऑफिसर रश्मि राय चौधरी भी उपस्थित रहीं।

दिनांक 1/1/2020 को नव वर्ष के दिन “संविधान से समरसता तक अभियान” के अंतर्गत एनसीसी इकाई द्वारा राष्ट्र की प्रभुता, एकता एवम् अखंडता की रक्षा के कर्तव्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार ने भारतीय संविधान की आत्मा अर्थात् उसकी प्रस्तावना को एनसीसी कैडेट्स के समक्ष स्पष्ट एवम् सरल शब्दों में परिभाषित किया। उन्होंने संविधान के उद्देश्य के एक-एक शब्द के अर्थ एवम् भाव की व्याख्या करते हुए कहा कि संविधान, मूल सिद्धांतों या स्थापित नजीरों का एक समुच्चय है, जिससे कोई

राज्य अथवा संगठन अभिशासित होते हैं।

कैडेट कु. साक्षी शर्मा जो कि बी.एस.सी प्रथम वर्ष की छात्रा है तथा कैडेट कु. दिव्या जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं ने 26 जनवरी 2020 को भारत की राजधानी, नई दिल्ली में आयोजित “गणतंत्र दिवस परेड” में वीरों के पथ राजपथ पर मार्च किया तथा तीनों सेनाओं के अध्यक्ष भारत के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द को सशस्त्र सलामी दी। उक्त उपलब्धि इसलिए भी विशिष्ट एवम् विलक्षण हो जाती है क्योंकि सम्पूर्ण राष्ट्र में संचालित एनसीसी इकाईयों के लगभग चौदह लाख कैडेट्स में से चयन की कठोर प्रक्रिया के उपरांत मात्र 159 कैडेट्स को ही राजपथ पर सम्मान मार्च करने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

कैडेट्स की उक्त उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने कैडेट कु. साक्षी शर्मा एवम् कु. दिव्या को शुभकामनाएं संप्रेषित कीं तथा भविष्य में भी सफलताओं के नए एवम् प्रेरणादायक आयाम स्थापित करने का आशीर्वाद दिया।

सामाजिक दायित्वों के प्रति समर्पण के भाव से महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा दिनांक 13 फरवरी 2020 को भारत सरकार की “इंद्रधनुष योजना” के प्रचार एवम् प्रसार हेतु नया गाज़ियाबाद रेलवे स्टेशन के नज़दीक बस्तियों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सार्वजनिक स्थल पर बस्ती की सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए एनसीसी अधिकारी ने कहा कि “मिशन इंद्रधनुष अभियान” भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 25 दिसंबर 2014 को “सुशासन दिवस” के अवसर पर प्रारम्भ किया गया जिसका लक्ष्य 2020 तक दो वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे और उन सभी गर्भवती महिलाओं का पूर्ण टीकाकरण करना है जिनका नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत टीकाकरण नहीं हो पाया है। इसके अंतर्गत इंद्रधनुष के सात रंगों के सापेक्ष डिप्थेरिया, बलगम, टिटनेस, पोलियो, तपेदिक, खसरा तथा हेपेटाइटिस-बी की रोकथाम हेतु सात टीके लगाए जाने हैं। अतः सभी महिलाओं से अनुरोध एवम् अपेक्षा है कि वे स्वयं एवम् अपने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनें और “इन्द्रधनुष मिशन” के साथ स्वयं एवम् अपने परिवार को जोड़ें। इसके बाद कैडेट्स ने महिलाओं के साथ घर घर जाकर योजना के लक्ष्य एवम् लाभों से बस्तीवासियों को अवगत कराया।

एनसीसी इकाई द्वारा अर्जित उक्त वार्षिक उपलब्धियों के अतिरिक्त विभिन्न शिविरों में सहभागिता का विवरण निम्नवत् है:-

S.NO	NAME OF CAMP	DURATION	VENUE	NO/NAME OF CADETS
1	Catc121	20-29 May 2019	Sdgi, Dasna	01
2	Aigte/himtrek2019	28-06 June 2019	Govt. college, Baijnath	Lt. Dr. Meenakshi Lohani
3	Catc131	22-31 July 2019	Salgatia Univ G. Noida	01
4	Army Attachment Camp	02-16 Sep 2019	11 Gorkha Rif Regimental Centre, Lko	01/Cdt Nisha Singh
5	Catc132	09-18 Sep 2019	Sdgi, Dasna	01
6	Catc136	19-28 Sep 2019	Ncpe, Dadri	25
7	Catc137/lge	04-13 Oct 2019	Balak I/C, G Noida	05
8	Uttar Pradesh Dte Best Ano Comptition	17-17-19 Oct 2019	NCantt Area, Kanpur.Lt.	dr.Meenakshi Lohani
9	M Army hospital Atteachment Camp	18-23 Oct 2018	RAir Force Station, Hindon	01/Cdt Divya
10	TCatc138/Prdc-I	09-18 Nov 2019	UGbu, Greater Noida	01/Cdt. Divya

11	MAjmer Trek	15-22 Nov 2019	MAjmer	02/CdtSakshi,Cdt Sonam
12	TCatc139/Prdcii	11-20 Dec 2019	UGbu, Greater Noida	02/Cdt. Divya, Cdt Sakshi, Lt.Dr Meenakshi Lohani
13	TCatc140/Prdcii-	21-30 Dec 2019	UGbu, Greater Noida	02/Cdt. Divya, Cdt Sakshi, Lt.Dr Meenakshi Lohani
14	CNcc Republic Day Camp	01-29 Jan 2020	CNcc Directorate, New Delhi	02/Cdt. Divya, Cdt Sakshi
15	TCatc-	21-30 Jan 2020	Rishikul Vidya Peeth I/C, Bagpath	03
16	DCadet Divya Selected For Youth Exchange Programme-nepal: 2020-2021			

राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)

श्रीमती शिल्पी
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक केंद्रीय योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाजसेवा के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति कर्तव्य का विकास कराना है। राष्ट्रीय सेवा योजना की वैचारिक उन्मुखता महात्मा गांधी के आदर्शों का प्रतीक है। बुनियादी ढांचे के विकास हेतु स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण के लिए स्वच्छ भारत मिशन एवं कौशल भारत की शुरुआत कर आज के युवाओं को सशक्त बनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य “नॉट मी बट यू” जिसका अर्थ है स्वयं से पहले समुदाय की सेवा करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सामाजिक चेतना जाग्रत करना है। साथ ही व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, दायित्व बोध, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं एकता की भावना का विकास करना है।

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्यरत हैं। महाविद्यालय में कार्यरत इकाई की मुख्य गतिविधियां अधिकृत क्षेत्र डेरी मच्छा में स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण डिजिटल भारत, कौशल विकास, योग इत्यादि विषय पर ग्रामवासियों को जागरूक एवं प्रेरित करने की कोशिश कर रही है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को 240 घंटे (2 वर्षों की अवधि में) सामुदायिक कार्यों में योगदान करना होता है। इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए स्वयंसेवी छात्राएं पूर्व तत्परता एवं मनोयोग में एक दिवसीय एवं सात दिवसीय विशेष शिविर में श्रमदान कर रही हैं।

वर्तमान सत्र 2019-20 में प्रथम इकाई के अंतर्गत चार एक दिवसीय शिविरों एवं एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

दिनांक 21.06.2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन के निवास करने की भावना का महत्व समझाते हुए छात्राओं को नित्य जीवन में योग का समावेश करने हेतु प्रेरित किया गया। छात्राओं को प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार इत्यादि योगासनों का अभ्यास कराया गया।

दिनांक 12.07.19 को स्वच्छ भारत-हरित-भारत के उद्देश्य को सार्थक करते हुए बृहद् स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया।

दिनांक 29.08.19 को शारीरिक विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। दिनांक 09.08.2019 को वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 576 वृक्ष रोपित किये गए। कार्यक्रम में संस्था की प्राचार्या, ग्राम विकास अधिकारी प्रमोद भाटी ए.डी.ओ. पंचायत विधि शर्मा तथा श्री विजय पाल ग्राम प्रधान बादलपुर के साथ महाविद्यालय

परिसर, सादोपुर मंदिर, तथा बादलपुर हेलीपैड के समक्ष पौधारोपण किया। दिनांक 26.09.2019 से 02.09.2019 तक राष्ट्रीय तालीम सप्ताह एवं दिनांक 02.09.2019 को राष्ट्रीय तालिम दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवी छात्राओं को महात्मा गांधी के शिल्प आधारित शैक्षिक दर्शन से अवगत कराया गया। दिनांक 27.09.2019 को छात्राओं में श्रम के प्रति सम्मान एवं कौशल विकास हेतु 30 घंटों का सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। दिनांक 28.09.19 को स्वयंसेवी छात्राओं को ग्राम डेयरी मच्छा में संचालित विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। दिनांक 30 सितंबर 2019 को नई तालिम सप्ताह के आयोजन के क्रम में शिक्षक-शिक्षा विभाग में डॉक्टर संजीव कुमार द्वारा “बुनियादी शिक्षा की गांधीवाद अवधारणा एवं उसकी वर्तमान प्रसंगिकता” शीर्षक पर व्याख्यान दिया गया। दिनांक 2. 10.19 को महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु फिट इंडिया प्लाग रन अभियान चलाया गया।

वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 4 दिवसीय शिविर दिनांक 8.01.20, 10.01.20, 16.01.20, एवं 25. 01.20 तथा दिनांक 17.01.20 से 23.01.20 तक विशेष शिविर आयोजित किया गया। एक दिवसीय शिविर में छात्राओं ने विभिन्न सामाजिक कार्यों में श्रमदान दिया। इन शिविरों के माध्यम से अधिकृत क्षेत्र डेरी मच्छा एवं महाविद्यालय क्षेत्र बादलपुर में स्वच्छता, पौधारोपण, मतदान, जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, पोषण संबंधित जागरूकता, टीकाकरण आदि अभियानों में सक्रिय योगदान एवं परिचर्चा के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। छात्राओं में सृजनात्मक एवं रचनात्मक विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

सत्र 2019-20 में 50 स्वयंसेविकाओं का सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 17.01.20 से 23.01.20 ग्राम डेरी मच्छा में आयोजित किया गया। शिविर के कार्य योजना के अनुरूप सभी शिविरार्थियों में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य किया। शिविर को प्रतिदिन तीन सत्रों में विभाजित किया गया। प्रथम सत्र में ग्राम डेरी मच्छा में स्वच्छता, वृक्षारोपण, आपदा प्रबंधन, स्वरोजगार, स्वास्थ्य शिविर, गैरसरकारी संस्थानों की भूमिका आदि का विषय पर कार्य किए गए। तत्पश्चात् भोजनावकाश के उपरांत, बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ। तृतीय सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। दिनांक 17.01.20 को मुख्य अतिथि, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा शिविर का शुभारंभ, रिबन काटकर किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में शिविरार्थियों को समाज सेवा की पवित्र भावना को लेकर कार्य किए जाने समस्याओं का निराकरण करने हेतु प्रेरित किया। शिविर के द्वितीय सत्र में डॉ. अर्चना सिंह ने छात्राओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया तृतीय सत्र में अधिकृत ग्राम की समस्याओं की जानकारी एकत्रित की।

दिनांक 18.01.20 को उच्च शिक्षा विभाग, लखनऊ के निर्देशानुसार फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत फिट इंडिया साइक्लोथान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा 3 किलोमीटर की साइकिल रैली का आयोजन हुआ, साथ ग्रामीणजनों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। द्वितीय सत्र में डॉ. प्रीति सिंह एवं डॉ. रणवीर सिंह क्रमशः महिला स्वास्थ्य एवं हाथों की साफ-सफाई पर व्याख्यान एवं चर्चा की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बादलपुर के डॉक्टरों व कर्मचारियों द्वारा शिविर की छात्राओं को हाइजीन प्रमोशन एवं रूटीन हैंडवाशिंग की प्रक्रिया से रूबरू कराया। बादलपुर अस्पताल की एल.एम.ओ. डॉक्टर प्रीति सिंह ने किशोरावस्था में बालिकाओं को विभिन्न प्रकार की परेशानियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की और सेनेटरी पैड का सही इस्तेमाल करने की जानकारी दी। स्टाफ नर्स गुंजन सिंह व वार्ड वॉय संदीप कुमार द्वारा छात्राओं को हैंडवाशिंग कैसे करें और क्या फायदे हैं विस्तार पूर्वक बताया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दिनांक 19.01.2020 को प्रथम सत्र में पर छात्राओं ने मतदान जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही स्वयंसेवी छात्राओं ने मतदान पहचान पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र भरवाने में ग्रामवासियों सहायता की। द्वितीय सत्र में वरिष्ठ निरीक्षक बादलपुर श्री अरुण कुमार ने महिलाओं की सुरक्षा एवं आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई। साथ ही उन्होंने विभिन्न हेल्पलाइन नंबर भी छात्राओं को दिए। तृतीय सत्र में अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाना प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया।

दिनांक 20.01.2020 को डॉ. धीरज कुमार द्वारा योग पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए स्वयंसेवी छात्राओं तथा आसपास के ग्रामीणों का योगाभ्यास कराया इसके साथ डॉ. रणवीर सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें हिमोग्लोबिन की जांच की गई साथ ही आयरन व कैल्शियम की गोलियों का वितरण भी किया गया। तृतीय सत्र में डॉ. संजीव कुमार, असि. प्रोफेसर शिक्षा विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं एनसीसी की ए.एन.ओ. मीनाक्षी लोहानी द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण दिया गया। तृतीय सत्र में लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 20.01.20 को प्राथमिक विद्यालय की स्वच्छता एवं ग्राम डेरी मच्छा में पौधारोपण कार्यक्रम चलाए गए। साथ ही ग्राम के सामुदायिक स्थलों जैसे- मंदिर, विद्यालय, सड़क आदि में साफ-सफाई कर, ग्रामवासियों को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया। मानसिक स्वास्थ्य विषय पर सामूहिक चर्चा भी ग्राम की महिलाएं एवं किशोरियों के साथ की गई।

“मैं नहीं तुम” राष्ट्रीय सेवा योजना के मोटो से अभिप्रेरित होकर स्वयंसेवी छात्राओं ने धनराशि एकत्रित कर दान कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को स्टेशनरी, कॉपी, बिस्कुट आदि वितरित किए गए। साथ ही छात्राओं को “नेकी की दीवार” पर पुराने कपड़े दान करने की सलाह दी गई। छात्राओं ने पुराने कपड़े को ग्रामवासियों से एकत्रित कर उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी दान दिये। द्वितीय सत्र में डॉ. दिनेश शर्मा एवं प्रतिभा तोमर द्वारा छात्राओं को पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए पर्यावरण संरक्षण विषय पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अपने विचारों को सबसे समक्ष प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र में लघु नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 22.01.2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालय महिला संगोष्ठी समिति के सौजन्य से ग्राम डेरी मच्छा में ग्रामीण महिलाओं के लिए नारी सुरक्षा विषय पर समूह चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की समिति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह ने महिला सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा बनाए गए विभिन्न ऐप्स की जानकारी प्रदान की गई। डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने मासिक धर्म से जुड़े विभिन्न मिथकों एवं आयामों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी। डॉ. मणि अरोरा एवं डॉ. प्रतिभा तोमर ने आत्म सुरक्षा के विषय में विचार व्यक्त किए। समूह चर्चा में ग्रामवासियों महिलाओं से प्रश्न पूछकर उनकी समस्याओं का निराकरण करने की चेष्टा की गई। इस कार्यक्रम के उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा पौधारोपण करते हुए ग्राम वासियों एवं छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया।

द्वितीय सत्र में अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन की प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्रीमती नीलम तिवारी द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता एवं यौन शिक्षा पर उपयोगी व्याख्यान दिया गया। डॉ. आशा रानी एवं डॉ. आभा सिंह एसो. प्रो. ने भी उक्त विषय पर स्वयंसेवी छात्राओं के साथ विचार विमर्श किए। तृतीय सत्र में “युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका” विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 23.01.20 को प्रथम सत्र में ग्राम डेरी मच्छा में डॉ. माधुरी पाल द्वारा ग्राम महिलाओं एवं छात्राओं को बंधेज कला प्रस्तुतीकरण दिया। द्वितीय सत्र में समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुमारी मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय, बादलपुर की प्राचार्या की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान, श्री विजय पाल नागर द्वारा विशेष शिविर का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। शिविरार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ। कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा विशेष शिविर की व्याख्या प्रस्तुत की गई। तथा छात्राओं ने अपने अनुभवों पर विचार दिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के संचालन में विश्वविद्यालय प्रशासन डेरी मच्छा के प्राथमिक विद्यालय एवं ग्राम वासियों महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की परामर्श समिति, कार्यप्रणाली समिति एवं प्रेस समिति ने शिविर संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, जिससे समस्त कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके तथा शिविर में अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने में सफल रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)

श्रीमती नेहा त्रिपाठी
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा भारत सरकार द्वारा संचालित एक केंद्रीय योजना है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज सेवा की भावना का विकास करना एवं साथ ही उनके व्यक्तित्व का विकास करना है यह महात्मा गांधी के द्वारा स्थापित की गई थी। इस कार्यक्रम का मोटो “नॉट मी बट यू” है। जिसका अर्थ है स्वयं से पहले समाज एवं समुदाय की सेवा करना है अतः राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थी स्वयं के विकास के साथ साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना से भी परिचित होते हैं विद्यार्थियों में एक कर्तव्यनिष्ठा जागृत होती है एवं मिल जुल कर रहना एवं काम करना सीखते हैं।

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाइयों संचालित हैं जिनके अंतर्गत 100-100 स्वयंसेवक 2 वर्ष की अवधि में 240 घंटे का सामुदायिक कार्य करना सुनिश्चित करते हैं। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई ने उपरोक्त उद्देश्य के दृष्टिगत ग्राम सादोपुर को अधिगृहीत किया है। जहाँ महाविद्यालय की स्वयंसेवी छात्राएँ वर्षभर विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा साक्षरता, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, योग, मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छ भारत, कुष्ठ रोग उन्मूलन, टीबी उन्मूलन, सड़क सुरक्षा इत्यादि विषयों से संबंधित जागरूकता फैलाने का कार्य करती हैं। उक्त इकाई वर्ष 2017-18 में प्रारंभ हुई तथा इस वर्ष 2019-20 में छात्राओं ने 120 घंटे के सामुदायिक कार्य के अंतर्गत विभिन्न प्रकार से समाज सेवा करने का प्रयास किया, यानि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा, मतदाता, टी बी उन्मूलन, स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण, महाविद्यालय सौंदर्यीकरण, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण इत्यादि। इसके अंतर्गत छात्राओं के द्वारा दिनांक 7 जनवरी 2020, 11 जनवरी 2020, 16 जनवरी 2020 एवं फरवरी 2020 को एक दिवसीय शिविर लगाया गया एवं 120 घंटे का श्रमदान किया गया।

अन्य नियमित कार्यक्रमों में दिनांक 21 जून 19 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविरार्थियों वृहद स्तरीय योगासनों का अभ्यास कराया गया 12 जुलाई 19 को महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दिनांक 29 अगस्त 2019 को वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया तथा महाविद्यालय परिसर, सादोपुर मंदिर के साथ-साथ इंदिरापुरम गाजियाबाद में पौधारोपण किया गया।

दिनांक 29 अगस्त 2019 को शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के फिट इंडिया मूवमेंट वक्तव्य का सीधा प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से छात्राओं को दिखाया गया।

दिनांक 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 तक “नयी तालिम सप्ताह” मनाया गया।

दिनांक 2 अक्टूबर 19 को गांधी जयंती के अवसर पर फिट इंडिया प्लॉग रन आयोजित किया गया।

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातक महाविद्यालय, बादलपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 17 जनवरी 2020 से ग्राम सादोपुर में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ मुख्य अतिथि के यप में उपस्थित रहीं। प्राचार्या द्वारा रिबन काटकर एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी द्वारा शिविर की रूपरेखा सेवा योजना के विशेष महत्व को समझाते हुए कहा कि “राष्ट्रीय सेवा योजना” भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक अत्यंत पुनीत योजना है जिसका नारा “मैं नहीं तुम” है। इसमें स्वयं से ज्यादा समाज और उसकी सेवा को महत्व दिया जाता है। समाज

सेवा की पवित्र भावना को लेकर लगाए जाने वाले इन शिविरों के माध्यम से अवश्य ही गांव सादोपुर की समस्याओं को जानने एवं उनका निराकरण करने में कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में स्वयंसेवी छात्राएं सफल होंगी। उन्होंने शिविर के सफल संचालन हेतु छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

शिविर के द्वितीय दिवस पर दिनांक 18 जनवरी 2020 को शिविरार्थी छात्राओं द्वारा ग्राम सादोपुर में “स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत” कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता रैली निकाली गई। सड़कों एवं ग्राम के अंदर छात्राओं ने झाड़ू लगाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। साथ ही फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत साइकिल चला कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए, साइकिल का प्रयोग कर ईंधन बचाते हुए स्वस्थ शरीर बनाए रखने के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

छात्राओं द्वारा तत्पश्चात् चिकित्सा के विषय में डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया तदुपरांत डॉ. सोनम शर्मा द्वारा व्यक्तित्व एवं समय प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देते हुए छात्राओं को समय के सर्वाधिक शक्तिशाली एवं सर्व महत्वपूर्ण होने की व्याख्या की गई एवं डॉ. अर्चना सिंह द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवियों को सेवा धर्म की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया गया। तृतीय सत्र में छात्राओं के मध्य लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शिविर के तृतीय दिवस पर दिनांक 19 जनवरी 2020 को विशेष शिविर के अंतर्गत छात्राओं द्वारा “जन शक्ति से जल शक्ति” अभियान को वृहद् स्तर पर चलाकर जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम संपन्न किया गया। ग्राम वासियों को नदियों कुओं, तालाबों इत्यादि में कूड़ा ना डालने एवं इनके पानी को स्वच्छ रखने हेतु आग्रह किया गया।

तत्पश्चात् बादलपुर थाने से आए एस आई श्री अरुण कुमार जी द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा की तकनीकों, 1090 एवं वन टू के प्रति ज्ञान वर्धन किया गया। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वायड के बारे में जानकारी प्रदान की गई अरुण कुमार द्वारा छात्राओं ने अपना व्यक्तिगत दूरभाष नंबर साझा कर उन्हें मुसीबत के समय स्वयं एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तुरंत सहायता का आश्वासन दिया गया। द्वितीय सत्र में डॉ. अरविंद कुमार यादव द्वारा इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के विषय में ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं का ज्ञान वर्धन किया गया तथा नियमित कक्षाएं करने में असमर्थ महिलाओं बालिकाओं हेतु सर्वश्रेष्ठ शिक्षा पद्धति से परिचित कराया।

शिविर के चतुर्थ दिवस 20 जनवरी 2020 को थाना प्रभारी बादलपुर श्री पटनीश कुमार द्वारा छात्राओं के विशेष शिविर में भ्रमण कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया साथ ही प्राथमिक विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण कर हरित वातावरण एवं स्वच्छ वातावरण बनाने का प्रयास किया गया द्वितीय सत्र में राजकीय चिकित्सालय बादलपुर से आए शिशु रोग विशेषज्ञ रणवीर सिंह एवं डॉ. प्रीति सिंह द्वारा क्रमशः व्यक्तिगत स्वच्छता, सामान्य स्वच्छता एवं मासिक धर्म स्वच्छता के विषय में जानकारी प्रदान की गई एवं प्रयोगात्मक रूप में हाथ धुलने एवं कीटाणु मुक्त रखने के विभिन्न तरीकों को प्रदर्शित किया गया। डॉ. वकार रजा (शिक्षा संकाय) कुमारी मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय बादलपुर द्वारा राइट टू एजुकेशन के विषय में छात्राओं को जानकारी प्रदान की गई। तृतीय सत्र में लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं का उत्साह दर्शनीय था।

शिविर के पंचम दिवस पर दिनांक 21 जनवरी 2020 को विशेष शिविर के अंतर्गत शिविरार्थी द्वारा ग्राम सादोपुर में वृहद स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम कर पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता पर बल दिया गया तथा महाविद्यालय से आए शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. धीरज द्वारा योग शिविर लगाकर छात्राओं को योगाभ्यास कराया गया एवं शिक्षा संकाय से आए डॉ. संजीव द्वारा मानसिक एवं अध्यात्मिक स्वास्थ्य के विषय में छात्राओं को जागरूक कर स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन के निवास करने पर वक्तव्य केंद्रित किया गया। इसी दिवस पर महाविद्यालय के विज्ञान के डीन डॉ. डी. सी. शर्मा द्वारा पॉलिथीन के प्रयोग के दुष्प्रभाव पर छात्राओं को वक्तव्य देते हुए इसके निस्तारण एवं कम से कम प्रयोग करने हेतु आग्रह किया गया। डॉ. डी-सी शर्मा द्वारा यह भी बताया गया कि किस प्रकार दूध के पैकेट इत्यादि रीसाइकिलेबल प्लास्टिक को कोने से पूरी तरह न काटकर पर्यावरण संरक्षण में अपना थोड़ा थोड़ा योगदान दे सकते हैं। (सूखा व गीला) dry and wet waste अलग करके

शिविरार्थियों द्वारा स्वयं सेवा की भावना को बल प्रदान करने हेतु अपने-अपने घरों से लाकर छात्रोंपयोगी वस्तुओं का संग्रह किया गया एवं प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को पेन पेंसिल, कॉपी, बिस्कुट, समोसे, मेजे इत्यादि का वितरण कर सहर्ष दान उत्सव कार्यक्रम मनाया गया।

शिविर के छठे दिवस पर दिनांक 22 जनवरी 2020 को छात्राओं द्वारा ग्राम सादोपुर में टीबी मरीजों के सर्वेक्षण का कार्य संपन्न किया गया। छात्राओं ने घर घर जाकर टीबी मरीजों के विषय में संख्या बीमारी की स्थिति इत्यादि के विषय में जानकारी प्राप्त की गई एवं इनका तुलनात्मक चार्ट तैयार किया गया इसके उपरांत कार्यक्रम अधिकारी एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों डॉ. अरविंद यादव, डॉ. धीरज एवं श्री महेश भाटी के निर्देशन में ग्राम सादोपुर में रैली का आयोजन किया गया एवं साक्षरता एवं बेटा पढ़ाओ पर जोर दिया गया।

इसी दिवस पर शिक्षाविद डॉ. रुपेश वर्मा द्वारा महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों पर चर्चा की गई एवं महाविद्यालयके शिक्षा संकाय के डॉ. रतन सिंह एवं डॉ. सतीश चंद्र द्वारा सकारात्मक दृष्टिकोण के अद्भुत प्रभाव पर व्याख्यान दिया गया। शिक्षा संकाय से ही डॉ. बलराम सिंह द्वारा “शिक्षा के आयाम” पर व्याख्यान देते हुए छात्राओं हेतु रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया गया एवं कार्यक्रम के अंतिम चरण में महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह एवं सदस्य डॉ. मणि अरोड़ा द्वारा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित करने एवं इसके उपरांत ही अन्य सामाजिक रीतियों इत्यादि करने हेतु सुझाव दिया गया।

शिविर के अंतिम दिवस पर सर्वप्रथम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की पूर्व कार्यक्रम अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा शिविरार्थियों के साथ, जीवन में संस्कारों के महत्व पर विस्तृत चर्चा आयोजित की गयी। एवं अपने जीवन में संस्कारों को अपनाने हेतु संदेश दिया गया। द्वितीय सत्र में समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें बादलपुर के प्रधान श्री विजयपाल मुख्य अतिथि जबकि प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहीं। छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

तत्पश्चात् पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष भर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं सात दिवसीय शिविर के विभिन्न प्रतियोगिताओं की विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

इसके अतिरिक्त शिविर में शिविरार्थियों के उत्साह को बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत दिनांक 18 जनवरी 2020 को आयोजित लोकगीत प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे।

1) कुमारी राशि गर्ग	पुत्री श्री रविशंकर गर्ग	प्रथम पुरस्कार
2) कुमारी शिवानी	पुत्री श्री नरेश कुमार	द्वितीय पुरस्कार
3) कुमारी किरण	पुत्री स्वर्गीय श्री सुरेंद्र गुप्ता	तृतीय पुरस्कार

दिनांक 19 जनवरी 2020 को स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे।

1) कुमारी वंदना	पुत्री श्री रामदास	प्रथम पुरस्कार
2) कुमारी आंचल शर्मा	पुत्री श्री संजय शर्मा	द्वितीय पुरस्कार
3) कुमारी नेहा गुप्ता	पुत्री श्री संजय गुप्ता	तृतीय पुरस्कार

दिनांक 20 जनवरी 2020 को लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक बड़ी संख्या में भाग लिया। इसके परिणाम निम्न अनुसार रहे।

1) कुमारी शिवानी	पुत्री श्री सुंदर सिंह	प्रथम पुरस्कार
2) कुमारी नेहा चौधरी	पुत्री श्री चौहल सिंह	द्वितीय पुरस्कार
3) कुमारी वंदना	पुत्री श्री रामदास	तृतीय पुरस्कार

दिनांक 21 जनवरी 2020 को विशेष शिविर के अंतर्गत लघु नाटिका प्रतियोगिता एवं रोलप्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे।

प्रथम स्थान - कल्पना चावला टोली

एवं रोलप्ले प्रतियोगिता में कुमारी प्रिया श्री राकेश शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 22 जनवरी 2020 को विशेष शिविर में हैंडीक्राफ्ट (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट) प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका परिणाम निम्न अनुसार रहे।

1) कुमारी प्रिया तोमर	पुत्री श्री बाले राम	प्रथम पुरस्कार
2) कुमारी आंचल शर्मा	पुत्री श्री संजय शर्मा	द्वितीय पुरस्कार
3) कुमारी साक्षी	पुत्री श्री महेश कुमार	तृतीय पुरस्कार

महाविद्यालय परिवार की संरक्षिका प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन एवं संरक्षण में तथा महाविद्यालय में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना की संपूर्ण समिति डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. शिल्पी, डॉ. अरविंद कुमार यादव, डॉ. मितू, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. सोनम शर्मा तथा डॉ. प्रतिभा तोमर ने यथासम्भव अपना संपूर्ण योगदान दिया।

साथ ही महाविद्यालय की प्रेस समिति, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी गण विश्वविद्यालय प्रशासन तथा ग्राम सादोपुर के प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्या श्री जगदीश शर्मा, श्रीमती कविता शर्मा एवं संयोजक श्री भूपेन्द्र नागर सहित प्रशासन के विशेष सहयोग से यह शिविर अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल रहा।

रेंजर्स

डॉ. सुशीला
प्रभारी

भारत स्काउट एवं गाईड एक ऐसा अभियान है जो व्यक्ति से ज्यादा सेवा को महत्व देता है, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करने और युवा विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं के विकास हेतु एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने पर बल देता है। भारत में 54% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला युवा वर्ग 25 वर्ष से कम आयु वर्ग का है। युवाओं में सम्यक् मूल्यों का संचार करना और एक प्रगतिशील समाज के निर्माण में आज भारत स्काउट गाईड महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

महाविद्यालय में वर्ष 2001 से अहिल्याबाई टीम के नाम से रेंजर्स इकाई राज्य मुख्यालय भारत स्काउट गाईड लखनऊ में पंजीकृत रेंजर इकाई के माध्यम से यह प्रयत्न किया जाता है कि छात्राओं का बहुमुखी विकास हो सकें।

महाविद्यालय का रेंजर इकाई का प्रमुख उद्देश्य रेंजर्स को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने एवं उनमें सेवा, सौहार्द सहयोग, स्वावलम्बन, स्वदेश प्रेम और विश्वबन्धुत्व की भावना का विकास करना, इत्यादि रेंजर इकाई के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों का प्रमुख उद्देश्य है।

रेंजर इकाई सत्र 2019-20 की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नवत् रही:

दिनांक 10 नवम्बर 2019 को पौधारोपण महाविद्यालय प्रांगण में किया गया। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय परिसर सौन्दर्यीकरण हेतु कई किस्म के इन्डोर प्लांट लगाये गये।

दिनांक 27 जनवरी, 2020 से 29 जनवरी तक त्रिदिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत रेंजर्स फाइटिंग के दौरान प्राथमिक चिकित्सा के प्रशिक्षण, गाँठे व बन्धन, तम्बू निर्माण, पुल एवं गैजेट्स संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया, त्रिदिवसीय रेंजर प्रशिक्षण शिविर के दौरान अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे- निबंध, पोस्टर सामान्य ज्ञान, इकोरेस्टोरेशन इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। सत्र 2019-20 अंतर्गत कुल 83 रेंजर्स ने प्रतिभाग किया, प्रशिक्षण शिविर के दौरान रेंजर्स को टोली विधि प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। सम्पूर्ण प्रशिक्षण शिविर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के संरक्षण एवं रेंजर प्रभारी डॉ. सुशीला के निर्देशन में सफलतापूर्वक संचालित हुआ।

दिनांक 25 जनवरी 2020 से 30 जनवरी, 2020 तक रेंजर इकाई के द्वारा समाजशास्त्र विभाग एवं इकाई के संयुक्त तत्ववावधान में राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, महाविद्यालय में नैक मूल्यांकन हेतु रेंजर इकाई ने महाविद्यालय के सौन्दर्यीकरण में विशिष्ट योगदान दिया।

प्राथमिक चिकित्सा समिति

डॉ. शिवानी वर्मा
प्रभारी

महाविद्यालय में छात्राओं हेतु प्राथमिक चिकित्सा कक्ष की व्यवस्था की गई है। छात्राओं की अचानक तबियत खराब होने, चोट लगने, चक्कर आने इत्यादि की अवस्था में छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा कक्ष में ले जाकर प्राथमिक चिकित्सा की जाती है। इस समिति हेतु प्रत्येक संकाय से प्रतिनिधि छात्राओं का चयन किया जाता है। सत्र 2019-20 महाविद्यालय की छात्राओं प्राध्यापकों एवं आसपास के क्षेत्र के ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जाँच हेतु प्राथमिक चिकित्सा समिति के द्वारा इस वर्ष पाँच स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया गया। दिनांक 4 सितम्बर 2019 तथा दिनांक 5 नवम्बर 2019 को महाविद्यालय में अम्बुजा सीमेंट, दादरी के सौजन्य से, डॉ. मोहसिन बेग, फिजिशियन, नवीन हॉस्पिटल, ग्रेटर नोयडा द्वारा स्वास्थ्य की जाँच करायी गई।

दिनांक 23 नवंबर 2019 को नमो गंगे ट्रस्ट के सौजन्य से आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

दिनांक 09,10 दिसम्बर 2019 एवं 28 जनवरी 2020 को रोटरी क्लब एवं शर्मा डायग्नोस्टिक्स, दादरी के सौजन्य से छात्राओं की जाँच की गई। जिसमें, छात्राओं का वजन, ब्लडप्रेशर, ब्लड ग्रुप एवं हीमोग्लोबिन की जाँच की गई।

सभी स्वास्थ्य शिविरों द्वारा महाविद्यालय की छात्राएं, प्राध्यापक, ऑफिस स्टाफ एवं ग्रामीण लाभान्वित हुए।

प्रसार व्याख्यान

डॉ. निधि रायज़ादा
प्रभारी

शिक्षा सतत और निरंतर विकास की कुंजी है। शिक्षित व्यक्ति जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है आवश्यकता इस बात की है कि वर्तमान परिवेश में नैतिक एवं आदर्श शिक्षा के साथ-साथ छात्र/छात्राओं को व्यवहारिक शिक्षा में भी दक्ष बनाया जाये। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक, चारित्रिक विकास करना है।

छात्राओं को जीवन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने, जीवन में आने वाली चुनौतियों उसे निपटने तथा आपदा जैसी गम्भीर समस्याओं का सामना करने के उद्देश्य में महाविद्यालय में सत्र 2019-2020 में प्रसार व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत अनेक व्याख्यानों का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक क्षेत्रों से व्याख्याताओं को इस उद्देश्य से आमंत्रित किया गया, जिससे छात्राये जीवन के विभिन्न आयामों को जान सकें और अपना व अपने परिवार का ध्यान रख सकें।

19 सितम्बर 2019 को प्रसार व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर श्रीमती कल्पना सक्सेना, आई.पी.एस. अधिकारी, कमान्डेन्ट पी.ए.सी. नोएडा, गौतमबुद्धनगर को आमंत्रित किया गया। उन्होंने 'महिला सुरक्षा' और 'महिला सशक्तिकरण' के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं से घर से महाविद्यालय आने-जाने वाली समस्याओं के विषय में विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्हें स्वयं की सुरक्षा करने व अपनी साथी छात्राओं की सहायता करने संबंधी सुझाव साझा किये। उनके सुझावों से निश्चित ही छात्राओं लाभान्वित हुई और उनमें नये उत्साह का संचार हुआ। इसी श्रृंखला में 23 अक्टूबर 2019 को डॉ. ललिता सरोहा, सहायक प्रोफेसर राजनीति विज्ञान, बी.बी. नगर, बुलन्दशहर को महाविद्यालय में आमंत्रित किया गया, जिन्होंने 'महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता' विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए स्वच्छता को महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अक्सर गृहणियाँ परिवार के सभी सदस्यों का ध्यान रखती हैं, परिवार के सभी सदस्यों की सेहत, खानपान, उनकी छोटी से छोटी आवश्यकताओं का ध्यान तो वे रखती हैं परन्तु अपने खानपान, स्वास्थ्य यहाँ तक की अपनी स्वच्छता पर ध्यान नहीं देती। परन्तु एक सुघड़ गृहणी वही है जो अपने स्वास्थ्य और स्वच्छता का भी ध्यान रखे। इसी श्रृंखला में 30 नवंबर 2019 को डॉ. अनिल शर्मा, संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, लखनऊ द्वारा 'आपदा प्रबंधन' विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

इस सत्र का अंतिम व्याख्यान 17 जनवरी 2020 को आयोजित किया गया। इस हेतु सिंडीकेट बैंक, सादोपुर की प्रबंधक श्रीमती रीना सिंह को आमंत्रित किया गया जिन्होंने 'जनहितकारी बैंकिंग योजनाओं एवं आमजन की सहभागिता' विषय पर महाविद्यालय की छात्राओं को सम्बोधित किया। प्रबंधक महोदया ने सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी बैंकिंग योजनाओं यथा- जनधन योजना, बचत खाता, सावधि जमा खाता, लोक-निधि, राष्ट्रीय पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अन्य अनेक ऐसी योजनाओं के विषय में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी।

प्रसार व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित सभी व्याख्यान अत्यंत सारगर्भित और उपयोगी रहे। सभी व्याख्यानों का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के कुशल निर्देशन और मार्ग दर्शन में किया गया। साथ ही प्रसार व्याख्यान समिति के समन्वयक डॉ. किशोर कुमार, सहप्रभारी डॉ. ममता उपाध्याय और सभी सदस्यों डॉ. सीमा देवी, डॉ. रमा कान्ति और डॉ. विनीता सिंह का सभी आयोजनों में अभूतपूर्व सहयोग रहा।

कैरियर काउन्सलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ

श्रीमती शिल्पी
प्रभारी

महाविद्यालय कैरियर काउन्सलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं में कैरियर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रेरित करने हेतु कार्यरत हैं। महाविद्यालय कैरियर काउन्सलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ एवं कौशल विकास के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संगठन "मेधा" के संयुक्त सौजन्य से महाविद्यालय में दिनांक 21.08.18 को रोजगार एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में गतवर्ष की उपलब्धियों के सापेक्ष प्रमाण-पत्र वितरण एवं नई छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कु. दीपाली गोयल ने मेधा फाउन्डेशन एवं महाविद्यालय के संयुक्त प्रयासों से सभागार को परिचित कराया। मेधा फाउन्डेशन की एरिया मैनेजर शिवांगी त्रिपाठी ने गतवर्ष की उपलब्धियों, वर्तमान योजनाओं व भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय प्रशासन के प्रयास एवं नेतृत्व की सराहना की। पुरस्कार वितरण की श्रृंखला में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने गत वर्ष की प्रशिक्षित एवं सफल छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। 16 सितंबर 2019 को मेधा सी.ए.बी कार्यक्रम हेतु दो बैच में 70 छात्राएँ चयनित की गयीं। 24.09.19 को पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री उत्कर्ष ने विविध रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। साथ सी.ए.बी में पंजीकृत छात्राओं को सोशल मिडिया के पुरातन समूह फेसबुक में जुड़ने के लिए प्रेरित किया। सी.ए.बी प्रोग्राम से जुड़ने वाली छात्राओं को रोजगार परक कक्षाओं में समूह गतिविधियों,

साक्षात्कार, बायोडाटा निर्माण और नेतृत्व संबंधी गुणों के संवर्धन का प्रशिक्षण दिया जाता है।

महाविद्यालय कैरियर काउन्सलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वाधान् में दिनांक 16.10.2019 को वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें कॉग्नीजेन्ट कम्पनी से श्री अभिषेक जैन ने छात्राओं को तकनीकी में रोजगार विषय पर चर्चा की। दिनांक 25.11.19 को 20 छात्राएँ ब्रॉन्ड फैक्टरी, इन्द्रापुरम, गाजियाबाद में इन्टर्नसिप के लिए साक्षात्कार में उपस्थित हुईं, जिसमें से 18 छात्राओं का चयन हुआ। आठ छात्राओं ने इन्टर्नशीप पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। दिसंबर माह में, छात्राओं को sevaniyojen.nic.in तथा naukari.com में रोजगार अपडेट हेतु पंजीकृत कराया गया। दिनांक 26.01.19 को परिधि इंजीनियर कम्पनी में छात्राओं ने साक्षात्कार में भाग लिया। महाविद्यालय में सी.ए.बी प्रोग्राम के तीन बैच सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए। रोजगार मेला एवं चौपाल हेतु मेधा गुप की सौम्या द्वारा विविध कम्पनियों का भ्रमण किया गया जैसे कॉग्नीजेन्ट, रिलायंस मार्ट जैनपैक्ट, इंडिया मार्ट, ईजी पॉलिसी, एचडीएफसी एवं फिन्टलेनट, अनुभूति फाउन्डेशन से इन्टर्नशिप हेतु सम्पर्क किया गया।

दिनांक 27.01.2020 को संस्था के द्वारा “रोजगार चौपाल” आयोजित की गई। चौपाल कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा फीता काटकर हुआ। अपने मुख्य संबोधन में प्राचार्या ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में शैक्षणिक संस्थाओं का दायित्व है कि वे अध्ययनरत छात्राओं के लिए अधिकतम अवसर उपलब्ध कराए। इस अवसर पर बीमा क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी इजी पॉलिसी के निदेशक दीपक कुमार, एच.आर. प्रभारी कु. दिव्या तथा श्वेता सिंह उपस्थित रही। सभी ने बीमा के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों से छात्राओं को परिचित कराया। स्वयंसेवी संस्था अनुभूति की ओर से श्रीमती साक्षी श्रीवास्तव ने समाजसेवी के द्वारा रोजगार के नए आयाम से छात्राओं को अवगत कराया।

दिनांक 07.02.2020 को महाविद्यालय प्रांगण में “प्लेसमेंट ड्राइव” का आयोजन हुआ जिसमें देश के अग्रणी बैंक एचडीएफसी के क्लास्टर मैनेजर श्री मनीष कुमार ने बैंकिंग क्षेत्र में विभिन्न उपलब्ध अवसरों के सापेक्ष में प्रथम चक्र हेतु चयन किया गया। परिधि इंजीनियरिंग कम्पनी ने दो छात्राओं को प्रशिक्षण हेतु चयन किया। उक्त के अतिरिक्त छात्राओं ने नौकरी कॉम तथा सेवायोजना नीक डॉट इन में नौकरी के अवसरों की जानकारी हेतु पंजीकरण कराया। साथ ही समय-समय पर कैरियर काउन्सलिंग नोटिस बोर्ड पर विभिन्न रोजगार नोटिस चस्पा किया गया।

उक्त सभी कार्यक्रमों के आयोजन में कैरियर काउन्सलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ की समस्त समिति डॉ. आशा रानी (सलाहकार), डॉ. मीनाक्षी लोहानी, डॉ. सत्यन्त कुमार एवं डॉ. सीमा का योगदान सराहनीय रहा।

विभागीय परिषद्

डॉ. शिवानी वर्मा
प्रभारी

महाविद्यालय के सभी विभागों में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभागीय परिषदों का गठन किया गया। विभागीय परिषदों के अंतर्गत सभी विभागों द्वारा विभिन्न शिक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया गया।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभागों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किये जाने हेतु दिनांक 24.12.2019 को “विभागीय परिषद् पुरस्कार वितरण समारोह” का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती विजयलक्ष्मी, ए.जी.एम. (एच.आर.), एन.टी.पी.सी, दादरी को आमन्त्रित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्यानाथ द्वारा मुख्य अतिथि के साथ दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया गया। इसके उपरान्त श्रीमती विजयलक्ष्मी, प्राचार्या एवं विभाग प्रभारियों द्वारा छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

पुरातन छात्रा परिषद्

डॉ. मिनतु
प्रभारी

शिक्षा एक ऐसा प्रकाश है जो जीवन के हर पहलू को प्रकाशित करता है। अज्ञानरूपी अंधकार को हटाकर ज्ञान-विज्ञान का प्रकाश फैलाता है। शिक्षण प्रक्रिया उत्पादक हो इसके लिए यह आवश्यक है कि अभिनव प्रयोग, पद्धतियाँ तथा विचारों का आदान-प्रदान हो।

इसी भावना को मूर्त रूप देने के लिए कु. मायावती राजकीय महिला स्ना. महाविद्यालय, बादलपुर में समय समय पर पुरातन छात्राओं को आमन्त्रित किया गया। शिक्षा प्राप्त करते हुए उनके अनुभवों एवं महाविद्यालय के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। महाविद्यालय में एक पुरातन समिति का गठन किया गया, जिसमें कु. पूजा नागर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष निशा, कोषाधिकारी सदस्य चित्रा शर्मा, कविता पाण्डेय, नीलम शर्मा, कविता नागर, एवं गीता नियुक्त किए गए। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सम्मेलन में अपने विचार रखे एवं महाविद्यालय विकास हेतु महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

डॉ. मीनाक्षी लोहनी
नोडल प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर (गौतम बुद्ध नगर) में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2019-2020 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवम उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सर्वविदित है कि भारतीय इतिहास में “लौह पुरुष” की उपमा से विभूषित भारत के पहले गृहमंत्री “सरदार वल्लभ भाई पटेल” जी की 140वीं जयंती के शुभ अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर 2015 को एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया जिसको “एक भारत-श्रेष्ठ भारत” का नाम दिया गया। इस अभियान में भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन समस्त राज्य एवम् केंद्रशासित प्रदेश सम्मिलित किये गए। उक्त कार्यक्रम की मूल प्रस्तावना इस परिकल्पना पर आधारित थी कि राष्ट्र के समस्त राज्यों एवम् केंद्रशासित प्रदेशों को राष्ट्रीय स्तर पर ये अवसर दिया जाए कि वे एक वर्ष तक युग्मित दूसरे राज्य अथवा केंद्रशासित प्रदेश की सभ्यता, संस्कृति, मान्यताओं, परंपराओं, रीति-रिवाजों, कला-कौशल, भाषा-साहित्य, धर्म-दर्शन एवं जीवन शैली की भिन्नताओं से परिचित हो सकें और विभिन्नता में एकता के सूत्र को व्यावहारिक स्वरूप में परिभाषित कर सकें ताकि देश में आंतरिक रूप से व्याप्त सांस्कृतिक विषमता को समाप्त कर विभिन्न राज्यों के लोगों के मध्य सकारात्मक अन्तः क्रिया को प्रोत्साहित किया जा सके जो अंततः राष्ट्र की अखंडता के स्वरूप को स्थिर एवं सकारात्मक आधार प्रदान करेगी।

प्रमाणित है कि शैक्षिक समाजशास्त्र के सिद्धांत के अनुसार “विद्यालय समाज का लघु स्वरूप” होते हैं अर्थात् समाज के उद्देश्यों की प्राप्ति का प्रमुख साधन होते हैं। इसी सिद्धान्त के सापेक्ष सरकार द्वारा राष्ट्र की शैक्षणिक संस्थानों को उक्त अभियान को सफल बनाने का दायित्व हस्तांतरित किया गया।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनवरी, 2020 के मध्य में कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर को इस राष्ट्रव्यापी अभियान में सम्मिलित कर सम्मानित किया गया।

अभियान के निर्देशों के अनुरूप दिनांक 21 जनवरी 2020 को संस्था के सभागार में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान

का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। अद्वितीय संयोग ये रहा कि इसी दिवस को संस्था से युग्मित राज्य मेघालय का स्थापना दिवस भी था तो दिवस का महत्व और प्रासंगिकता दुगुनी हो गयी। अतः उद्घाटन एवं मेघालय दिवस कार्यक्रम का आयोजन एक साथ किया गया। भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर “एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान की नोडल प्रभारी डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा परियोजना के अंतर्गत आवंटित राज्य मेघालय व शैक्षणिक संस्था (लेडी कीन कॉलेज, शिलॉंग तथा नांग स्टीन कॉलेज, नांग स्टीन) से सभागार को अवगत कराया गया तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों व रूपरेखा की बिन्दुवार जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम संस्था में “एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब” की स्थापना की गयी है जिसमें डॉ. शिल्पी, डॉ. बबली अरूण, डॉ. विजेता गौतम तथा डॉ. संजीव कुमार सदस्य के रूप में नामित हैं। जिसकी मीटिंग प्रत्येक माह के प्रथम दिवस को आयोजित की जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक हफ्ते के बुधवार को “एक भारत श्रेष्ठ भारत दिवस” के रूप में मनाया जा रहा है तथा प्रत्येक हफ्ते के मंगलवार को डॉ. विजेता गौतम द्वारा प्रातः 10:00 से 10:45 तक युग्मित राज्य की भाषा की कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं जिसके अंतर्गत राज्य की भाषा के प्रमुख मुहावरों के अर्थों, भाषावर्णों, सामान्य शिष्टाचार के सौ वाक्यों को उस भाषा में बोलना भी सिखाया जा रहा है। इसके साथ-साथ मेघालय की राजभाषा की पांच पुरस्कृत पुस्तकों का भी हिंदी भाषा में अनुवाद का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है।

डॉ. बबली अरूण के निदेशन में युग्मित संस्था के साथ “सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम” चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगितायें जैसे युग्मित राज्य पर केंद्रित निबन्ध, नाटक, नृत्य, व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त छात्राओं को युग्मित राज्य के दो लोकगीतों की धुन, सुर व ताल का ज्ञान दिया जा रहा है तथा मेघालय राज्य से सम्बंधित दूरदर्शन एवं रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम जैसे फिल्मों, नाटकों, एवं परिचर्चाओं को भी छात्राओं को दिखाया एवं सुनाया जा रहा है।

डॉ. संजीव कुमार द्वारा संस्था की छात्राओं को युग्मित शैक्षणिक संस्था की छात्राओं से सोशल मीडिया एवं टैली कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सवाद एवं सांवेगिक अन्तक्रिया के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा शासन के निर्देशानुसार युग्मित राज्य की राजभाषा में राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता की शपथ दिलवाई जा रही है।

मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में संस्था की प्राचार्या ने राष्ट्रभाव के विकास में भाषाई एवं सांस्कृतिक हस्तांतरण की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया और उक्त अभियान हेतु भारत सरकार के उद्देश्यों को सभागार के समक्ष प्रस्तुत किया।

“मेघालय दिवस कार्यक्रम” व “उद्घाटन कार्यक्रम” के समापन सत्र में एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की प्रमुख सलाहकार डॉ. शिल्पी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा सभागार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय एवं प्रेरणादायक रहा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा कार्यक्रमों की सतत् श्रृंखला में दिनांक 3 फरवरी, 2020 को राज्य सरकार एवं केंद्रित मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार शपथ-ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता में संस्था शिक्षकों व छात्राओं को इस बात की शपथ दिलाई गई कि वे अपने निजी व सार्वजनिक जीवन में स्वच्छता के प्रति समर्पित, जल संरक्षण व जल के महत्व के लिए चिंतनशील, एकल प्रयोग वाली प्लास्टिक के प्रयोग न करने के प्रति जागरूक तथा राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए आत्म संकल्पित रहेंगे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने उपस्थित सभागार को राष्ट्र के प्रति नागरिकों के संवैधानिक कर्तव्यों के साथ-साथ अलिखित अपेक्षित आशाओं व अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। उन्होंने व्यवस्था द्वारा आरोपित अनुशासन के स्थान पर आत्मानुशासन की अवधारणा को अधिक विश्वसनीय व सकारात्मक बताया।

समापन सत्र में डॉ. संजीव कुमार द्वारा उपस्थित सभागार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक सदस्यों व सैकड़ों छात्राओं की उपस्थिति व सहयोग सराहनीय रहा।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” क्लब द्वारा उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 20 फरवरी 2020 को “अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस” कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा सभागार को “अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस”की मूल अवधारणा से अवगत कराया गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के उपरांत अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा मानव के व्यक्तित्व के निर्माण की प्रक्रिया में माँ एवं मातृभाषा की प्रासंगिकता को उदाहरण सहित समझाया गया। डॉ. विजेता गौतम द्वारा छात्राओं को भाषा के विभिन्न आयामों से अवगत कराया गया। उक्त क्रम में डॉ. बबली अरूण के निर्देशन में तैयार युग्मित राज्य मेघालय को लोक नृत्य सभागार में प्रस्तुत किया गया जिसका सभी ने अभिनंदन किया। इसके उपरांत शिक्षक शिक्षा-विभाग की छात्राध्यापिकाओं द्वारा शिक्षाप्रद नाटक का मंचन किया गया जिसका शीर्षक था “बेटी है तो कल है”। जिसके उपरांत सभागार में श्री राजीव दीक्षित द्वारा निर्देशित मातृ भाषा के महत्व पर आधारित लघुफिल्म छात्राओं को दिखाई गई जिसका शीर्षक था “माँ तू महान है”। इसके उपरांत संस्था के केन्द्रीय पुस्तकालय में मातृभाषा की प्रमुख पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित की गई जहां छात्राओं ने पुस्तकों के माध्यम से मानव निर्माण में मातृभाषा के महत्व को जाना।

समापन सत्र में डॉ. संजीव कुमार द्वारा उपस्थित सभागार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक सदस्यों व सैकड़ों छात्राओं की उपस्थिति व सहयोग सराहनीय रहा।

“एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान के अंतर्गत संचालित कक्षाओं, सांस्कृतिक-विनिमय, सांवेगिक-संवाद अभियान तथा तैयार की गई मेघालय की दीवार (स्टेट वाल) की प्रशंसा “राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्” के सदस्यों द्वारा दिनांक 03 मार्च 2020 को निरीक्षण के दौरान भी की गई तथा “एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान के अंतर्गत तैयार मेघालयी लोकगीत एवं लोकनृत्य की प्रस्तुति की गई जिसका सभी ने आनंद लिया और अनुमोदन किया।

“एक भारत श्रेष्ठ भारत” समिति व क्लब द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न लॉक डाउन की स्थिति में सोशल मीडिया एवं जूम एप्प द्वारा संवाद एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि उक्त आपदा से विजय प्राप्त करने में राष्ट्र का योगदान किया जा सके तथा शैक्षणिक संस्था के रूप में अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया जा सके।

वार्षिक आख्या के अंत में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” समिति (डॉ. मीनाक्षी लोहनी, श्रीमती शिल्पी, डॉ. बबली अरूण, डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. विजेता गौतम) आश्वस्त करती है कि पूर्व की भांति आगामी सत्र में समस्त शासकीय अपेक्षाओं की पूर्ति एवं आंवटित दायित्वों का निर्देशानुसार निर्वहन किया जाता रहेगा।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक द्वितीय चरण का मूल्यांकन)

डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा
समन्वयक

डॉ. दीप्ति वाजपेयी
सह-समन्वयक

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) राष्ट्रीय स्तर की वह संस्था है, जो भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों का आंकलन व प्रत्यायन का कार्य करती है। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन का अभिप्राय किसी शैक्षिक संस्था की गुणवत्ता की स्थिति

को स्पष्ट करने से है कि वह शैक्षिक संस्थान प्रमाणन संस्था द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के मानकों को किस स्तर तक पूरा कर रहा है।

शैक्षिक प्रक्रियाओं में संस्था का प्रदर्शन, पाठ्यक्रम का चयन एवं क्रियान्वयन, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन, संकाय सदस्यों के अनुसंधान कार्य प्रकाशन, बुनियादी सुविधाओं एवं संसाधनों की स्थिति, संगठन, प्रशासन व्यवस्था, विद्यार्थी सेवायें इत्यादि किसी भी शैक्षिक संस्था की गुणवत्ता के मापदंड हैं।

मूलतः नैक द्वारा उच्च शिक्षा संस्थाओं का मूल्यांकन शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन हेतु किया जाता है। गुणवत्ता में अभिवृद्धि एक निरंतर एवं संचयी प्रक्रिया है अतः प्रति पाँच वर्षों में नैक द्वारा किसी भी उच्च शिक्षण संस्था के गुणवत्ता मानकों का आंकलन कर उसे उत्तरोत्तर वृद्धि के सतत् प्रयासों हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर ग्रामीण अंचल की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर उनमें आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, नवीन तकनीकी एवं नवाचारों के माध्यम से जीवन की चुनौतियों का सामना करने, सत्यनिष्ठा, सामाजिक उत्तरदायित्वता, नेतृत्व शीलता, सहिष्णुता, सशक्तिकरण, समावेशिता, उत्कृष्टता इत्यादि गुणों का विकास करने हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है।

उपर्युक्त प्रयासों की श्रृंखला में महाविद्यालय द्वारा नवम्बर 2013 में नैक का प्रथम मूल्यांकन कराया गया था, जिसमें महाविद्यालय को 2.16 CGPA के साथ B ग्रेड प्राप्त हुआ था। तत्पश्चात् विगत पाँच वर्षों से गुणवत्ता अभिवृद्धि हेतु महाविद्यालय ने अपने सतत एवं अथक प्रयासों में नव प्रयोग, नवोन्मेष एवं नवाचार को समाहित करते हुये नैक के द्वितीय चरण के मूल्यांकन हेतु पूर्ण निष्ठा एवं चरणबद्ध तरीके से समस्त अपेक्षित कार्यों को सम्पन्न किया। इस क्रम में महाविद्यालय की IQAC एवं नैक समिति ने प्राचार्या महोदया के निर्देशन में प्रतिवर्ष नैक द्वारा अपेक्षित AQAR को ससमय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (बेंगलुरु) को प्रेषित किया। वर्ष 2019 में महाविद्यालय द्वारा सफलता पूर्वक IQA (Institutional Information for Quality Assessment) स्टेटस प्राप्त कर लिया गया। IQA का पढ़ाव पार कर लिये जाने के उपरान्त निम्नलिखित सात क्राइटेरिया समितियों के सहयोग से SSR [Self Study Report] विनिर्मित की गई

1. Curricular Aspects -

डॉ. शिवानी शर्मा
डॉ. हरिन्द्र कुमार
डॉ. भावना यादव
डॉ. मणि अरोरा

2. Teaching - learning and Evaluation -

डॉ. निधि रायजादा
डॉ. ममता उपाध्याय
डॉ. विजेता गौतम
डॉ. रमाकान्ति
डॉ. शालिनी तिवारी
डॉ. संजीव कुमार
डॉ. विनीता सिंह

3. Research Innovations and Extension -

डॉ. अनीता सिंह
डॉ. मीनाक्षी लोहनी

डॉ. प्रतिभा तोमर

डॉ. श्वेता सिंह

4. Infrastructure and Learning resources -

श्रीमती शिल्पी
श्रीमती नेहा त्रिपाठी
श्री कनक कुमार
डॉ. मित्तु

5. Students Support and progression -

डॉ. जीत सिंह
डॉ. सुशीला
डॉ. जूही विरला
मो. वकार रज़ा

6. Governance, Leadership and Management -

डॉ. रश्मि कुमारी
डॉ. सीमा देवी

डॉ. सत्यन्त कुमार
डॉ. दीक्षा
डॉ. नीलम शर्मा

डॉ. बलराम सिंह
डॉ. रतन सिंह
डॉ. सोनम शर्मा

7. Institutional values and Best Practices -

डॉ. आभा सिंह
डॉ. अर्चना सिंह
श्री अरविन्द यादव

8. Overall Observation and Compilation -

डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा
डॉ. किशोर कुमार
डॉ. दीप्ति वाजपेयी

प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में अक्टूबर 2019 में SSR सफलतापूर्वक प्रेषित कर दिये जाने के उपरान्त नैक द्वारा डाटा वेरिफिकेशन का कार्य सम्पन्न किया गया और अन्ततः सकारात्मक प्रतिक्रिया स्वरूप नैक द्वारा निर्दिष्ट पीयर टीम ने दिनांक 3-4 मार्च 2020 को महाविद्यालय में द्वितीय चरण का मूल्यांकन कार्य सम्पन्न किया।

पीयर टीम में शामिल डॉ. शीला स्टीफन, कुलपति, फिजीकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनीवर्सिटी तमिलनाडु, डॉ. कनिका शर्मा, प्रोफेसर कॉलेज ऑफ साइन्स, उदयपुर तथा डॉ. पार्वती वैकटेश, प्राचार्य डॉन बोस्को कॉलेज, मुम्बई ने दोनों दिन महाविद्यालय के समस्त विभागों, कार्यालय, समितियों, परिसर, सुविधाओं एवं कार्यों की व्यापक एवं सूक्ष्म जानकारी प्राप्त की।

नैक की ओर से प्रेषित कार्यक्रम रूपरेखा के अनुसार पीयर टीम ने दो दिन की निरीक्षण अवधि में अभिभावकों, पुरातन छात्राओं, शोध छात्रों, वर्तमान छात्राओं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि प्रो. वाई. विमला, शासन प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, डॉ. राजीव गुप्ता, आई.क्यू.ए.सी सदस्यों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों, प्राचार्य से पृथक पृथक बैठक कर महाविद्यालय की यथार्थ स्थिति जानने का प्रयास किया। कार्यक्रम रूपरेखा के अनुसार आयोजित “सांस्कृतिक सन्ध्या” कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने पीयर टीम के सम्मुख डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी, जिसकी पीयर टीम द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

दिनांक 4 मार्च को सांय अपनी Exit Meeting में उन्होंने समस्त महाविद्यालय परिवार के सम्मुख अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ को हस्तगत करते हुये महाविद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं प्रयासों की सराहना की।

महाविद्यालय के लिये यह अत्याधिक गर्व का विषय है कि नैक द्वारा किये गये द्वितीय चरण के मूल्यांकन में महाविद्यालय को 2.91 CGPA के साथ B++ ग्रेड प्राप्त हुआ, जो कि उ.प्र. के समस्त राजकीय महाविद्यालयों में सर्वाधिक ग्रेड है।

महाविद्यालय की इस गरिमामयी उपलब्धि में विगत वर्षों के प्राचार्यों सहित वर्तमान प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन, दूरदृष्टि एवं लगनशीलता, नैक प्रभारी डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा के अथक परिश्रम एवं महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों की अद्वितीय सामूहिक चेतना तथा निष्ठापूर्वक किये गये सतत कार्यों की महती भूमिका है।

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति

डॉ. जीत सिंह
नोडल अधिकारी

वर्ष 2019-20 में पात्र छात्राएँ 922 हैं, जिनमें सामान्य 198 अनुसूचित जाति 164 अन्य पिछड़ा वर्ग 520 तथा अल्पसंख्यक 40 छात्राओं के महाविद्यालय की छात्रवृत्ति समिति द्वारा सत्यापित एवं अग्रसारित किये गये। दिनांक 29 फरवरी 2020 तक 543 पात्र छात्राओं को 1875667 रू. प्राप्त हुए जिनमें सामान्य जाति 168 अनुसूचित जाति 150 अन्य पिछड़ा वर्ग 219 तथा अल्पसंख्यक। छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति प्राप्त हो चुकी है। माह मार्च अप्रैल में अन्य पात्र छात्राओं को देय है।

इस सफलता का सम्पूर्ण श्रेय महाविद्यालय की कुशल प्रशासिका डॉ. दिव्या नाथ प्राचार्या को जाता है। उक्त समिति के नोडल अधिकारी डॉ. जीत सिंह तथा सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हरिन्द्र कुमार तथा उपसहायक नोडल अधिकारी डॉ. बलराम सिंह के नेतृत्व में यह कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हो पाया। महाविद्यालय की छात्रवृत्ति समिति के वर्गवार पदाधिकारियों के सकारात्मक सोच एवं कठिन परिश्रम का तथा कार्यालय के श्री माधव केसरवानी के अथक प्रयास एवं सहयोग का फल है।

संविधान दिवस से समरसता दिवस तक

(26 नवंबर, 2019- 14 अप्रैल 2020 तक)

डॉ. ममता उपाध्याय
कार्यक्रम समन्वयक

उ.प्र. शासन के आदेशांतर्गत एवं कुलपति चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के निर्देशों के अनुपालन के क्रम में महाविद्यालय में 'संविधान दिवस से समरसता दिवस' कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशों के अनुसार महाविद्यालय में उक्त क्रम में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा राजनीति विज्ञान विभाग एवं समारोह समिति द्वारा तैयार की गई। महाविद्यालय के सभी विभागों की कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए सभी प्राध्यापकों को क्रमिक ढंग से दिवसवार निश्चित कार्यक्रमों के आयोजन का दायित्व सौंपा गया, जिसे सभी ने लगन, निष्ठा एवं दायित्व बोध के साथ सम्पन्न किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान दिवस के अवसर (26 नवंबर, 2019) पर प्राचार्य द्वारा संविधान संबंधी शपथ-ग्रहण कराकर किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के सौजन्य से छात्राओं के लिए संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों संबंधी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संबंधित क्विज में भाग लेते हुए कु. दीक्षा एम.ए. द्वितीय, कु. मनीषा, बी.ए. तृतीय एवं कु. साधना, बी.एड. प्रथम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किए। इस अवसर पर छात्राओं के लिए संविधान संबंधी वृत्तचित्र (डाक्यूमेंटरी फिल्म) का प्रसारण भी किया गया। राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा ही छात्राओं के लिए भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित सरकारी कार्यालय का भ्रमण कराकर सरकारी काम-काज की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसी क्रम में दिनांक 28/11/19 एवं 29/11/19 को विभाग द्वारा छात्राओं के लिए संविधान की प्रस्तावना पर शिक्षक छात्र विचार विमर्श का आयोजन कर उन्हें इन आदर्शों से परिचित कराया गया। दिनांक 29/11/19 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र एवं गणतंत्र की धारणाओं पर छात्राओं के साथ विचार-विमर्श किया गया। 2/12/19 को शिक्षा संकाय द्वारा भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर उनके कृतित्व व योगदान पर चर्चा की गई। प्राचार्य के नेतृत्व में समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

9/12/19 राजनीति विज्ञान विभाग के सौजन्य से छात्राओं ने ग्राम बादलपुर, सादोपुर एवं अन्य निकटवर्ती ग्रामों में ग्रामवासियों में कर्तव्य जागरूकता हेतु विवरणिका वितरित की एवं एन.सी.सी, रेंजर्स, एन.एस.एस. तथा क्रीड़ा विभाग के संयुक्त सौजन्य से मार्चपास्ट का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 10/12/19 को जन्तु विज्ञान व भूगोल विभाग के सौजन्य से वन्य जीवों की रक्षा के कर्तव्य के प्रति जागरूकता लाने का उद्देश्य से एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 11/12/19 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के विविध आयामों के विषय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 12/12/19 को शिक्षा संकाय एवं शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के मुख्य प्रावधानों के विषय में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 16/12/19 को

समाजशास्त्र विभाग द्वारा संविधान द्वारा प्रदत्त उपासना की स्वतंत्रता व उसकी सीमाओं पर छात्राओं के मध्यसमूह चर्चा आयोजित की गई। संप्रभुता, प्रजातंत्र एवं गणतंत्र के व्यापक अर्थों से राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं को परिचित कराया गया। 20/12/19 को इतिहास विभाग व शिक्षा संकाय के संयुक्त तत्वावधान में संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित 'बंधुता' शब्द पर समूह-चर्चा आयोजित की गई। हिन्दी विभाग व समारोह समिति द्वारा 23 व 24 दिसंबर, 2019 को चौ. चरण सिंह जंयती एवं अटल जंयती के पूर्व दिवस पर एक संगोष्ठी के माध्यम से छात्राओं को उनके व्यक्तित्व व कृतित्व के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं और इन महापुरुषों द्वारा बताये गये पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। दिसंबर माह में ही चित्रकला विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डाला गया और महाविद्यालय प्राचीर पर वॉल पेंटिंग के माध्यम से संवैधानिक विषयों, प्रतीकों व संस्थाओं की ओर ध्यान उत्कृष्ट किया गया। भूगोल विभाग द्वारा संविधान संबंधित विषय पर निबंध-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एन.एस.एस. की इकाई द्वारा डॉ. नेहा त्रिपाठी व विजेता गौतम के नेतृत्व में छात्राओं को संविधान, उसकी संस्थाओं, आदर्शों राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान के समान संबंधी कर्तव्य के विषय में जागरूकता कार्यक्रम का संचालन कर जागरूक किया गया। इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले त्याग व बलिदान के आदर्शों की जानकारी दी गई।

जनवरी 2020 में एन.सी.सी. के सौजन्य से राष्ट्र की प्रभुता, एकता व अखण्डता की रक्षा के कर्तव्य के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया। अंग्रेजी विभाग द्वारा धर्म, भाषा, प्रदेश व वर्ग के भेद से ऊपर उठकर प्रत्येक भारतवासी में समरसता व बंधुता का भाव विकसित करने का संदेश दिया गया। महिला प्रकोष्ठ द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से महिला विरोधी कुप्रथाओं यथा दहेज-प्रथा, बाल-विाह, कन्याभ्रूण हत्या के प्रति चेतना विकसित करने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र द्वारा 6/1/20 को संविधान ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कु. आरती- बी.ए. प्रथम, प्रिया बंसल- एम.ए. द्वितीय, श्वेता- एम.ए. द्वितीय व भावना- एम.ए. द्वितीय ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए। 7/1/20 को संस्कृत विभाग ने भारत की सामायिक संस्कृति के महत्व व उसकी रक्षा के कर्तव्य पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 8/1/20 को वनस्पति व जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा वनस्पतियों व वन्य जीवों की रक्षा के संवैधानिक/मौलिक कर्तव्य के प्रति छात्राओं को सचेत किया गया। 10/1/20 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने एवं उसे नुकसान न पहुँचाने के कर्तव्य के विषय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इससे पूर्व 9/1/20 को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद, सुधार की भावना विकसित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवेकानंद अध्ययन केन्द्र द्वारा स्वामी विवेकानंद के विचारों पर समूह-चर्चा का आयोजन 13/1/20 को किया गया। 17/1/20 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा संविधान की मूल भावना को प्रदर्शित करते हुए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संगीत विभाग द्वारा 20/1/20 को देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन कर कार्यक्रम को सरस बनाया गया। प्रतियोगिता में कु. शीतल- एम.ए. द्वितीय, सोनम- एम.ए. द्वितीय, रीमा- बी.ए. तृतीय, अपूर्वा- एम.ए. द्वितीय, शीतल- बी.ए. द्वितीय एवं अपूर्वा- एम.ए. द्वितीय ने स्थान प्राप्त किए। 21/1/20 को विज्ञान संकाय व साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के सौजन्य से देश के महापुरुषों के व्यक्तित्व व वेशभूषा पर आधारित 'रोल प्ले' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 22/1/20 को इतिहास विभाग द्वारा पैम्प्लेट का वितरण कर शहीदों की वीरगाथाओं से परिचित कराया गया। इतिहास विभाग द्वारा ही 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस जंयती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन कर एवं वृत्तचित्र के माध्यम से उनके राष्ट्रभक्ति संबंधी विचारों से छात्राओं का ज्ञानावर्द्धन किया गया। 21/1/20 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर संविधान संबंधी भाषण प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन समारोह व सांस्कृतिक समिति द्वारा किया गया। 30/1/20 को नेचर क्लब द्वारा जल संचयन आज की आवश्यकता विषय पर निबंध लेखन एवं जंतु विज्ञान विभाग द्वारा वन्य जीव संरक्षण आज की आवश्यकता विषयक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

फरवरी माह के प्रारंभ में एन.एस.एस. रेंजर्स व नेचर क्लब के संयुक्त सौजन्य से वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। 17/2/20 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मौलिक कर्तव्यों के संबंध में 'क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एवं 24 व 25 फरवरी को संविधान व उसमें वर्णित कर्तव्यों के प्रति बोध पर चर्चा करायी गई और संविधान के चौथे

भाग के अनु. 51 में वर्णित कर्तव्य संख्या- 10 जिसमें व्यक्तिगत व सामूहिक गतिविधि के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट के सतत् प्रयास की बात कही गई है, के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। विज्ञान संकाय व भूगोल विभाग द्वारा वायु-प्रदूषण के रोकथाम पर समूह-चर्चा आयोजित की गई।

उक्त कार्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं के नाम विश्वविद्यालयों को प्रेषित किए गए। कोविड-19 के संकट के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में दिनांक 14 अप्रैल, 2020 को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती को समरसता दिवस के रूप में छात्राओं को ऑनलाइन/वाट्सऐप के माध्यम से अनेक योगदान से परिचित कराते हुए मनाया गया। इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं में संवैधानिक जानकारी को बढ़ाना व संवैधानिक दायित्वों के प्रति चेतनशील बनाकर उन्हें सजग व सहभागी नागरिक के रूप में विकसित करना था।

साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद्

डॉ. दीप्ति वाजपेयी

प्रभारी

शिक्षा मानव की मानसिक, नैतिक, भौतिक, आर्थिक सामाजिक, शारीरिक, आध्यात्मिक एवं कलात्मक जीवन की समग्रता का नाम है। असत् से सत् की ओर, तमस से प्रकाश की ओर एवं मृत्यु से अमृत्यु की ओर उन्मुख करने वाली शिक्षा विद्यार्थियों में अन्तर्निहित मानवीय गुणों को प्रस्फुटित कर उनके सर्वांगीण विकास की सम्भावनाओं को बहुमुखी आयाम देती है। शिक्षा जीवन की उन अवस्थाओं का नाम है, जो विद्यार्थियों के अन्दर ज्ञान व विवेक उत्पन्न करती है तथा जीवन के आदर्शों व सिद्धान्तों को प्रकाश देती है।

शिक्षा का उद्देश्य मात्र साक्षर होना नहीं है वरन् मूल्यों में आस्था, नेतृत्व क्षमता का विकास, उत्तम चरित्र का निर्माण, व्यवसायिक क्षमताओं में अभिवृद्धि, ज्ञान एवं कौशल का विकास है। शिक्षा के इन्हीं उद्देश्यों की सम्यक् पूर्ति हेतु पठन-पाठन के साथ-साथ विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद् के अंतर्गत प्रतिवर्ष महाविद्यालयों में किया जाता है।

वर्तमान सत्र में उपर्युक्त उद्देश्यों के दृष्टिगत दिनांक 23/9/19 से 30/9/19 तक साहित्यिक-सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत सर्वप्रथम नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसके दो भाग थे- एकल नृत्य प्रतियोगिता एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता। इस प्रतियोगिता को डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में सम्पन्न किया गया। इसके पश्चात् अन्य सात दिनों में डॉ. शिल्पी के निर्देशन में रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता, डॉ. ममता उपाध्याय एवं डॉ. सोनम शर्मा के निर्देशन में भाषण प्रतियोगिता, डॉ. अर्चना सिंह के निर्देशन में कहानी एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिता, डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में निबन्ध प्रतियोगिता, डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में गायन प्रतियोगिता, डॉ. सुशीला, डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं सोनम शर्मा के निर्देशन में लघु नाटिका प्रतियोगिता तथा डॉ. शालिनी तिवारी के निर्देशन में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नवत् रहे-

एकल नृत्य प्रतियोगिता

कु. नेहा चौहान	-	प्रथम
कु. सृष्टि	-	द्वितीय
कु. कोमल	-	तृतीय

समूह नृत्य प्रतियोगिता

कु. अंजलि यादव	-	प्रथम
कु. नेहा भाटी	-	प्रथम
कु. तनु नागर	-	प्रथम

कु. दीपिका राघव	-	प्रथम
कु. अपूर्वी	-	द्वितीय
कु. अपूर्वा	-	द्वितीय
कु. शीतल	-	तृतीय
कु. शीतल शर्मा	-	तृतीय
कु. रश्मि	-	तृतीय

गायन प्रतियोगिता

कु. शीतल	-	प्रथम
----------	---	-------

कु. सनी नागर	-	द्वितीय
कु. सोनम	-	तृतीय
कु. अपूर्वा	-	तृतीय
स्वरचित कहानी प्रतियोगिता		
कु. स्मृति सचान	-	प्रथम
कु. शाहीना	-	द्वितीय
कु. कोमल नागर	-	तृतीय
स्वरचित कविता प्रतियोगिता		
कु. कोमल नागर	-	प्रथम
कु. साधना यादव	-	द्वितीय
कु. प्रज्ञा मौर्या	-	तृतीय
कु. कोमल शर्मा	-	तृतीय
मेंहदी प्रतियोगिता		
कु. वैशाली सैनी	-	प्रथम
कु. कोमल	-	द्वितीय
कु. अर्चना रानी	-	तृतीय
रंगोली प्रतियोगिता		
कु. नेहा चौहान	-	प्रथम
कु. सृष्टि	-	द्वितीय
कु. कोमल शर्मा	-	तृतीय
निबन्ध प्रतियोगिता		
कु. अपूर्वा	-	प्रथम

कु. शीतल	-	द्वितीय
कु. प्रिया	-	तृतीय
कु. अपूर्वा	-	तृतीय
भाषण प्रतियोगिता		
कु. अपूर्वी	-	प्रथम
कु. राशि गर्ग	-	द्वितीय
कु. वैशाली सैनी	-	तृतीय
कु. अंजलि भाटी	-	सान्त्वना
पोस्टर प्रतियोगिता		
कु. प्रिया रघुवंशी	-	प्रथम
कु. दीपाली दुबे	-	प्रथम
कु. वर्षा	-	द्वितीय
कु. शमा परवीन	-	द्वितीय
कु. राशि गर्ग	-	तृतीय
कु. अपूर्वी	-	सान्त्वना
कु. अपूर्वा	-	सान्त्वना
कु. आकांक्षा	-	सान्त्वना
कु. मनीषा	-	सान्त्वना
लघु नाटिका प्रतियोगिता		
कु. निशा एवं समूह	-	प्रथम
कु. मानसी एवं समूह	-	द्वितीय
कु. सोनिका एवं समूह	-	तृतीय

उपर्युक्त सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विजयी छात्राओं को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया गया।

जल शक्ति अभियान

श्रीमती शिल्पी
प्रभारी

कुमारी मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर की “जल संरक्षण समिति द्वारा शैक्षिक सत्र 2019-20 में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समिति द्वारा यथासमय शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुपालन में पोस्टर प्रतियोगिताओं, निबंध प्रतियोगिताओं, भाषण प्रतियोगिताओं, जागरुकता रैलियों एवं अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया गया है। जल संरक्षण समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष जल संरक्षण कार्यक्रम को सफल एवं प्रभावशाली बनाने के लिए अभिनव प्रयोग किये जाते रहे हैं। शैक्षिक सत्र 2019-20 में भारत सरकार द्वारा जल शक्ति अभियान चलाया गया जिसमें महाविद्यालय ने अपनी भूमिका का निर्वहन जल संरक्षण समिति के नेतृत्व में किया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार महाविद्यालय में दिनांक 01 सितम्बर, 2019 से 15 सितम्बर, 2019 तक जल शक्ति अभियान चलाया गया ताकि शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से अध्ययनरत छात्राओं में जल संरक्षण की प्रवृत्ति को विकसित किया जा सके और उनकी सकारात्मक ऊर्जा से सम्पूर्ण समाज को जल के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके।

उक्त अभियान के आलोक में महाविद्यालय में जल शक्ति अभियान की कार्य योजना संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के नेतृत्व और निर्देशन में दिनांक 21 अगस्त 2019 को तैयार की गई जहां अभियान को अपेक्षित लक्ष्य तक पहुंचाने की योजना को लिखित स्वरूप दिया गया तथा साथ ही साथ उक्त कार्यक्रम की सफलता हेतु महाविद्यालय के प्रत्येक सदस्य की भूमिका को परिभाषित एवं दायित्वों को आवंटित किया गया।

अभियान के प्रथम दिवस अर्थात् 01 सितम्बर 2019 को प्राथमिक विद्यालय, बादलपुर में महाविद्यालय के शिक्षकों तथा ग्राम सभा के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों के बीच बैठक आयोजित की गई ताकि जल संरक्षण हेतु निर्धारित उद्देश्यों की अधिकतम प्राप्ति हेतु समाज के सदस्यों का अधिकतम सहयोग एवं सहभागिता प्राप्त हो सके।

दिनांक 03 सितम्बर 2019 को संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने जिला पंचायतराज अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर के प्रतिनिधि को संस्था में आमंत्रित किया ताकि उनको संस्था में जल संरक्षण के प्रयासों से अवगत कराया जा सके एवं राज्य सरकार के सहयोग से भविष्य में महाविद्यालय के जल संरक्षण के प्रयासों को और अधिक गुणात्मक बनाया जा सके।

दिनांक 03 सितम्बर 2019 को संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई जिसमें संस्था द्वारा श्री विजय पाल सिंह (ग्राम प्रधान-बादलपुर) एवं ग्राम विकास अधिकारी, बादलपुर के साथ जल शक्ति अभियान की निर्देशित कार्ययोजना का समझौता ज्ञापन तैयार किया गया ताकि प्रत्येक पक्ष के दायित्व निश्चित एवं निर्धारित हों। दिनांक 04/09/2019 को महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. दिनेश कुमार शर्मा द्वारा जल संरक्षण एवं स्वच्छता शीर्षक पर वैज्ञानिक विशेषज्ञता के साथ व्याख्यान दिया गया जहाँ उन्होंने छात्राओं के समक्ष दृश्य-श्रव्य संसाधनों के प्रयोग से शीर्षक से संबंधित विषयवस्तु को रोचक रूप में प्रस्तुत किया तथा साथ ही साथ छात्राओं की शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का भी उचित प्रकार से निवारण किया गया।

दिनांक 05/09/2019 को जल शक्ति अभियान के अगले पड़ाव में महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने “जल है तो कल है” विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा जल के विभिन्न स्वरूपों एवं सरोकार को चित्रात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया तथा साथ ही साथ सरल भाषा में लिखे संदेशों के माध्यम से चित्रों को सार्थक अर्थ भी प्रदान किया गया।

दिनांक 06 सितम्बर 2019 को जल शक्ति अभियान को सामाजिक स्वरूप देने और उसके संदेश को जन मानस तक पहुंचाने के लिए महाविद्यालय की एनसीसी एवं एन.एस.एस इकाई प्रभारी क्रमशः लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. शिल्पी एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी के नेतृत्व एवं निर्देशन में ग्राम सादोपुर, बादलपुर एवं डेरी मच्छा में विशाल जनजागरण रैली निकाली गई। इस अवसर पर हाथों में जल संरक्षण के संदेश लिखे बैनरों के साथ छात्राओं का जोश व ग्रामीणों का सहयोग एवं समर्थन सराहनीय और प्रेरणादायक रहा।

दिनांक 07 सितम्बर 2019 को जल शक्ति अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के बहुद्देश्यीय हॉल में छात्राओं को अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से जल संरक्षण शीर्षक एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत लघु फिल्में प्रदर्शित की गई। इसी क्रम में दिनांक 08 सितम्बर 2019 को ग्राम बादलपुर के पंचायत भवन में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण के संदेशों से ओत-प्रोत फिल्में दिखाई गईं तथा महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा घर घर जाकर ग्रामीण महिलाओं को जल के घटते स्तर से होने वाली भावी समस्याओं से अवगत कराया गया।

दिनांक 09 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय में छात्राओं हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के अंतर संबंधों को स्पष्ट करने के लिए डॉ. शिल्पी एवं डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जिसके उपरान्त छात्राओं को विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पौधे आवंटित किए गए तथा उन्हें उचित रूप में निर्देशित भी किया गया कि वे इन पौधों को अपने अपने गांवों में ले जाकर संबंधित ग्राम प्रधान की उपस्थिति में इस पौधे को उपयुक्त स्थान पर रोपित कराएं तथा इस अभियान की शत प्रतिशत हेतु सृजित व्हाट्सअप नंबर पर पौधे को रोपते हुए सेल्फी अवश्य सांझा करें।

दिनांक 10 सितम्बर 2019 को पूर्व नियोजित कार्य योजना के अनुरूप छात्राओं द्वारा निर्देशों के अनुसार आवंटित स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया तथा व्यापक रूप में ग्रामीणों के साथ सेल्फी लेकर व्हाट्सअप समूह पर सांझा भी की गई।

अनवरत कार्यक्रमों की उक्त श्रृंखला में दिनांक 11 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं के समक्ष संस्था की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. प्रतिभा तोमर द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जहां उन्होंने “सृष्टि संतुलन बनाम जल संतुलन” शीर्षक में निहित सार से उपस्थित समूह को परिचित कराया कि कैसे सृष्टि का स्वास्थ्य धरती के स्वच्छ जल स्तर पर आश्रित है? इस अवसर पर उन्होंने सर्वप्रथम छात्राओं को प्रश्न पूछने हेतु अभिप्रेरित किया तदोपरान्त उनके समस्त प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर सरल उदाहरणों सहित दिए गए।

दिनांक 12 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय की एन.सी.सी एम एन.एस.एस. इकाइयों के समस्त कैडेट्स और एन.एस.एस. की छात्राओं ने दिनांक 11 सितम्बर 2019 को लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. शिल्पी एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पुनः ग्राम बादलपुर में जाकर पूर्व में किये गए प्रयासों के प्रभावों को जानने एवं नवीन सूचनाएँ एवं संदेश प्रदान करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर पूर्व से भी अधिक मात्रा में महिलाओं एवं बच्चों की संख्या ने आयोजकों के प्रयासों को सफल साबित किया।

दिनांक 13 सितम्बर 2019 को डॉ. महेश कुमार मुछाल जो कि दिगम्बर जैन महाविद्यालय, बड़ौत के शिक्षक शिक्षा विभाग एसोसिएट प्रोफेसर के पद कार्यरत हैं तथा योग के क्षेत्र में व्यापक मुकाम प्राप्त व्यक्तित्व के द्वारा छात्राओं को जल संरक्षण हेतु दैनिक जीवन में किये जा सकने वाले प्रयासों से परिचित कराया तथा छात्राओं को की शपथ दिलाते हुए उन्हें जलदूत की उपाधि से भी अलंकृत किया ताकि वे इस अभियान को अपने परिवार तथा समाज के अन्य क्षेत्रों तक पहुंचाएं।

दिनांक 14 सितम्बर 2019 को कु. मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय, बादलपुर में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत भूगोल विभाग और स्वच्छता समिति के संयुक्त सौजन्य से जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. संजय कश्यप विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के स्वागत के उपरांत संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने भारतीय पौराणिक ग्रंथों में जल को देवता के रूप में मान्यता दिए जाने के पीछे के वैज्ञानिक निहितार्थ को स्पष्ट किया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ. संजय कश्यप ने “जल संरक्षण एवं पारम्परिक ज्ञान” विषय पर अत्यंत रुचिपूर्ण एवं सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा छात्राओं के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. नेहा त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता एवं श्रोताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन डॉ. किशोर कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

दिनांक 16 सितम्बर 2019 को “जल शक्ति अभियान” के समापन के अवसर पर कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई जहां कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई।

सर्वप्रथम विज्ञान संकाय में अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. दिनेश कुमार शर्मा द्वारा ओजोन परत के संरक्षण की अनिवार्य आवश्यकता पर विस्तृत व सारगर्भित व्याख्यान दिया गया।

समापन दिवस पर नेत्रा फाउंडेशन (द्वारका) जिओ इंफोमेटिक सिस्टम का जल संरक्षण के क्षेत्र में किस प्रकार से उपयोग किया जाए विषय पर विस्तृत व्याख्यान एवं प्रस्तुतिकरण दिया गया तथा साथ ही साथ उपस्थित छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

जल शक्ति अभियान के समापन अवसर पर संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बैंकों का उदाहरण देते हुए अपनी बात को सभागार के समक्ष रखा कि जैसे भविष्य की आर्थिक सुरक्षा हेतु हम पूँजी को बैंक में रखते हैं ताकि भविष्य सुरक्षित हो वैसे ही जल जल शक्ति अभियान एक सामूहिक निवेश एवं प्रयास है जिसके द्वारा हम अपने स्तर से मानव सभ्यता के भविष्य को संरक्षित तथा सुरक्षित कर सकेंगे।

भारत सरकार के अधीन जल शक्ति मंत्रालय के उक्त अभियान की शत प्रतिशत सफलता के अतिरिक्त सम्पूर्ण शैक्षिक सत्र 2019-20 में जल शक्ति अभियान हेतु नामित सदस्यों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय दिवसों सांस्कृतिक एवं सामाजिक समारोहों के अवसर पर उपस्थित छात्राओं को जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाने का प्रयास सतत रूप से चलाया जा रहा है। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु वर्ष भर सोशल मीडिया, महाविद्यालय में आयोजित विचार गोष्ठियों, अथिति व्याख्यानों, पोस्टरों एवम प्रदर्शनी आदि के माध्यम से छात्राओं को जल संरक्षण हेतु अभिप्रेरित किया जाता है।

जल संरक्षण समिति द्वारा शैक्षिक सत्र 2019-20 में ऊपर वर्णित क्रियाकलापों के अतिरिक्त ग्राम प्रधान बादलपुर के सहयोग से महाविद्यालय में दो जल सोखता गड्ढों को तैयार किया गया ताकि शेष जल को संरक्षित किया जा सके तथा महाविद्यालय परिसर में स्थापित वर्षा जल संरक्षण इकाई की भी साफ सफाई कराई गई ताकि मानसूनी वर्षा के अधिकतम जल का संरक्षण किया जा सके।

समिति के समस्त सदस्य श्रीमती शिल्पी, श्रीमती नेहा त्रिपाठी, श्रीमती निशा यादव, श्री कनक कुमार एवं डॉ. मीनाक्षी लोहनी अपनी वार्षिक आख्या में आश्वस्त करते हैं कि आगामी शैक्षणिक सत्र में पूर्व की ही भांति जल संरक्षण के पुनीत उद्देश्य की पूर्ति हेतु संलग्न समिति एवं समर्पित रहेगी।

स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केन्द्र

डॉ. किशोर कुमार
निदेशक

स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस के सुअवसर को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा स्वामी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात् विवेकानन्द जी पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सरस्वती पुरस्कार से सम्मानित, डॉ. कृष्ण कांत शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर मुल्तानीमल मोदी कालेज मोदी नगर ने स्वामी विवेकानन्द जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व एवं उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द, पुनरुत्थानशील भारत की सशक्त आवाज थे। भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म को वैश्विक स्तर पर पहचान और सम्मान दिलाने में उनका अभूतपूर्व योगदान है। स्वामी जी ने अपने आह्वान में युवाओं को उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं एवं अदम्य ऊर्जा का बोध कराया जो आज के समय में भी अति प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ. किशोर कुमार ने स्वामी विवेकानन्द के समन्वयकारी विचारों की प्रासंगिकता पर बल देते हुए कहा कि स्वामी जी धर्म के संकीर्ण स्वरूप के घोर विरोधी थे। उन्होंने शिकागों धर्म महासभा में अपने धर्म की महानता का उल्लेख करते हुए भी अन्य धर्मों को तुच्छ बताने की संकीर्णता नहीं अपनाई। उनके अनुसार धर्म का श्रेष्ठ स्वरूप समन्वयवात्मक है। आध्यात्मिक सर्वसमभाव और ब्रह्मानुभूति की अवस्था है, इसलिए भारतीय संस्कृति “वसुधैव कुटुम्बकम्” की उद्घोषक है। स्वयं को श्रेष्ठ और दूसरों को तुच्छ समझने की भूल विनाशकारी है और यही समाज एवं राष्ट्र की प्रगति व्यापक सोच और साझेपन में हैं। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या द्वारा स्वामी जी के “उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए” इस प्रेरक वाक्य को आधार बनाकर छात्राओं में लक्ष्य प्राप्ति के लिए जोश भरते हुए कहा कि ज्ञान मात्र जीविका का साधन नहीं है, ज्ञान अनंत विकास का माध्यम है और यह विकास लौकिक और आध्यात्मिक दोनों है। हमें समन्वित विकास का लक्ष्य रखना चाहिए। अंत में डॉ. किशोर कुमार द्वारा सभी को धन्यवाद व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. किशोर कुमार के निर्देशन में श्रीमती रश्मि पी.एच.डी. उपाधि हेतु “धर्म, आध्यात्मिक एवं मानवतावाद के परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानन्द के कार्यों का मूल्यांकन” विषय पर तथा एक शोधार्थी केंद्र के स्तर पर लघु शोध परियोजना “भारत के पुनर्निर्माण में शिक्षा की भूमिका स्वामी विवेकानन्द” के शिक्षा संबंधी विचारों के सन्दर्भ में शीर्षक हेतु शोधरत है।

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

“प्राच्य ज्ञान, सभ्यतागत पुरावशेष एवं समकालीन विश्व”

डॉ. किशोर कुमार
सेमिनार संयोजक

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के संयुक्त सौजन्य से दिनांक 31 जनवरी 2020 से 2 फरवरी 2020 तक त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से उच्च शिक्षा निदेशालय उ.प्र. द्वारा आयोजित इस सेमिनार का विषय था “प्राच्य ज्ञान, सभ्यतागत पुरावशेष एवं समकालीन विश्व” देश-विदेश से आये विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा अपने शोध-पत्रों के प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सेमिनार अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल रहा।

सेमिनार का शुभारम्भ 31 जनवरी 2020 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के ऑडीटोरियम में किया गया जहाँ सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीपप्रज्ज्वलित कर सेमिनार को सार्थक एवं सफल बनाने की कामना की गई। तत्पश्चात गौतम बुद्ध वि.वि. की डीन एकेडमिक प्रो. श्वेता आनन्द द्वारा सभी अतिथियों, विद्वतजनों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन के उपरान्त महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ ने सेमिनार की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस संगोष्ठी की संकल्पना व्यापक संदर्भों में की गई थी। गौतम बुद्ध वि.वि. के साथ महाविद्यालय के MOU पर हस्ताक्षर करने के साथ ही विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियाँ सांझा करने पर विचार मंथन किया जा रहा था, जिसके फलस्वरूप वृहद स्तर पर इस अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सम्भव हो सका। सेमिनार संयोजक डॉ. किशोर कुमार द्वारा विषय प्रवर्तन करते हुए कहा गया कि भारत में संवाद का एक युगीन इतिहास है भारतीय प्राच्य सांस्कृतिक ज्ञान में प्रमुख ऋग्वेद में वर्णित है “आ नो भद्रा कृत्वो यन्तु विश्वतः” अर्थात् आदर्श विचारों को सभी दिशाओं से अपनी ओर आने दो। प्राप्त सांस्कृतिक इसलिए कहा क्योंकि उससे भी प्राचीन और प्रमाणिक दस्तावेज (स्रोत) भविष्य में प्राप्त हो सकते हैं क्योंकि अतीत पूर्ण है। इतिहास अतीत नहीं है बस उसे प्राप्त करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। यह प्रक्रिया सदैव चलती रहती है इसलिए कहा गया है कि इतिहास अतीत और वर्तमान की बीच एक अंतहीन संवाद है अतः इस अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम उद्देश्य विश्व के अतीत के वस्तुनिष्ठ इतिहास को प्राप्त करने में अपना योगदान प्रदान करना है, साथ ही यह समझना है कि पूरे विश्व में ऐसा क्या प्राच्य ज्ञान है जिससे समसामयिक विश्व की चुनौतियों का समाधान निकाला जा सके और उनकी सही प्रासंगिकता और महत्व को समझा जा सके। जहाँ तक भारतीय प्राच्य ज्ञान का प्रश्न है उसका केंद्र तो आध्यात्मिकता है, परन्तु उसका दायरा खगोल विज्ञान, राजनीति, चिकित्सा, दर्शन पर्यावरण, संस्कृति और गणित जैसे विषयों से भी आगे है।

पूरी दुनिया हमें सभ्यतागत राष्ट्र और सनातन हिन्दू धर्म को प्राचीनतम धर्म के रूप में जानती है। भारत के पास एक सांस्कृतिक विविधता है, जहाँ विविधता का अर्थ विभाजन नहीं है, भारत के पास एकता है, जिसका अर्थ एकरूपता नहीं है। भारत सच्चे अर्थों में विविधताओं का देश है जहाँ युगों से विभिन्न भाषाएं, सांस्कृतिक रीति-रिवाज एक साथ प्रगति करते रहे हैं। जिन लक्षणों की बात उत्तर आधुनिकतावादी, बीसवीं शताब्दी के छठे-सातवें दशक में कर रहे थे वे युगों से हमारे पास थे। भारतीयों के पास जो भी है, वह समग्र है। भारतीय दर्शन धर्म, अर्थ काम और मोक्ष की बात करता है अर्थात् पूर्ण मानवीय जीवन को समग्रता से देखता है। भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद रोगों को या लक्षणों को दबाने की नहीं समूल रूप से रोग को समाप्त करने की बात करती है। डॉ. किशोर कुमार ने सम्पूर्ण विश्व के ऐसे समग्र प्राच्य ज्ञान पर संवाद, शोध और निष्कर्ष प्राप्ति हेतु सभी का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में वियतनाम विश्वविद्यालय से आये डॉ. भिच न्यूवेन डट ने अपने माननीय कुलपति के सन्देश से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि सेमिनार का विषय अति प्रासंगिक है। विश्व की समस्त संस्कृतियों एवं सभ्यताओं में प्राच्य ज्ञान के मोती बिखरे पड़े हैं। आज आवश्यकता उन्हें पिरोने की है जिससे वर्तमान विश्व को उससे लाभान्वित किया जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर सेमिनार आयोजित करने हेतु निःसन्देह आयोजनकर्ता बधाई के पात्र हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री जे. नन्द कुमार, राष्ट्रीय संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह ने भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान को परा-अपरा से जोड़ते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में आध्यात्मिक ज्ञान को परा ज्ञान कहा गया है। जिसे श्रेष्ठ ज्ञान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। अपरा ज्ञान लौकिक

ज्ञान से सम्बन्धित है। भारतीय प्रज्ञा परा और अपरा दोनों ही ज्ञान में चरम का स्पर्श कर चुकी है। आज आवश्यकता पुनः अपनी बौद्धिक विरासत संभालने की है।

सेमिनार के मुख्य अतिथि श्री महेश चंद शर्मा, चेयरमैन-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट फाउंडेशन फार इंटीग्रल ह्यूमेनिज्म नई दिल्ली ने भारतीय प्राचीन मनीषा की व्याख्या करते हुए कहा कि “सत्यवद, धर्मम् चर, स्वाध्याय प्रवद” भारतीय संस्कृति का सत्य है। सत्य का अनुवाद सदैव आन्तरिक एवं आध्यात्मिक होता है। भौतिक अभ्युदय करते हुए नैतिक मूल्यों में आस्था रखना आवश्यक है। अन्यथा भौतिक विकास हमें विनाश तक पहुँचा देगा। सन्मार्ग पर चलकर भौतिक अभ्युदय को प्राप्त कर आध्यात्मिक लक्ष्य को आत्मसात कर लेना ही भारतीय प्राच्य ज्ञान का सार है और आज के सन्दर्भों में यह अति प्रासंगिक है।

सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा कि संसार का समस्त ज्ञान प्राचीन प्रज्ञा में समाहित है। धर्म, दर्शन, आध्यात्म, विज्ञान, पर्यावरण, सहिष्णुता, विश्वबन्धुत्व, सर्वसमभाव इत्यादि समस्त ज्ञान का स्रोत आज भी प्राच्य प्रज्ञा ही है। उन्होंने देश विदेश के विभिन्न संग्रहालयों में अपठित लगभग सवा करोड़ पाण्डुलिपियों को पढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित विभिन्न वक्ताओं, अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनोद कुमार शनवाल द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र के उपरान्त विषय विशेषज्ञ सत्र का संचालन किया गया। विषय विशेषज्ञ सत्र में श्री महेश चन्द्र शर्मा जी ने सत्र की अध्यक्षता की। इस सत्र में अपने विचार रखते हुए प्रो. शकुन्तला नागपाल ने प्राचीन ज्ञान को संस्कृत साहित्य एवं पाण्डुलिपियों में निबद्ध बताया तथा अपने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक ज्ञान के बिन्दु पर भारतीय प्राच्य प्रज्ञा अपने शिखर पर थी। आज हमें अपने प्राचीन साहित्य व संस्कृति से जुड़ना होगा। वियतनाम से आये डॉ. भिच न्यूवेन डट ने बौद्ध धर्म में निहित ज्ञान और दर्शन को स्पष्ट किया। इस सत्र में प्रो. वेद प्रकाश त्रिपाठी, प्रतिकुलपति जे. एस. यूनीवर्सिटी ने प्राचीन भारत की अर्थ एवं मुद्रा व्यवस्था से सभागार को अवगत कराया तथा इसके क्रमिक विस्तार पर प्रकाश डाला। दिल्ली वि.वि. के प्रो. संगीत रागी ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में भारतीय संस्कृति में निहित विभिन्न मूल्यों के माध्यम से प्रकृति एवं मानव का सहभाव स्थापित करते हुए स्पष्ट किया कि भारतीय प्रज्ञा का प्राचीन स्वरूप भौतिक उत्कर्ष पर ही नहीं वरन् आध्यात्मिक उत्कर्ष की पराकाष्ठा का समर्थन करता है अतः इसी से प्रकृति व मानव के बीच सन्तुलन स्थापित होता है।

विषय विशेषज्ञ सत्र के अन्त में सेमिनार संयोजक डॉ. किशोर कुमार द्वारा सभी मंचासीन विद्वतजनों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। विषय विशेषज्ञ सत्र के उपरान्त तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया, जिनमें देश-विदेश से आये लगभग 500 प्रतिभागियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। प्रत्येक सत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र को पुरस्कृत भी किया गया।

सेमिनार के द्वितीय दिवस के विषय विशेषज्ञ सत्र की अध्यक्षता एस.वी.एस. विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के कुलपति प्रो. राज नेहरू द्वारा की गई। प्रोफेसर राज नेहरू ने सनातन तत्व को अन्त विश्लेषण के माध्यम से खोजने का प्रयास किया। उन्होंने ज्ञान के भारतीय सिद्धान्त को श्रेष्ठतम बताकर उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। मुख्य विषय वक्ता के रूप में भारतीय विद्या भवन की इंडोलॉजिस्ट प्रो. शशिबाला ने बौद्ध शिक्षा एवं स्मारकों की स्थापत्य कला के ऐतिहासिक दर्शन की व्याख्या प्रस्तुत की। इसके साथ-साथ उनकी प्रस्तुति में बौद्ध एवं हिन्दू दर्शन के समभाव को स्पष्ट किया गया। प्रो. शशिबाला के पश्चात फिजी विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. एस.एन. गुप्ता ने भारत के सनातन ज्ञान को विज्ञान के आधार के साथ-साथ भारत की अद्भुत अखण्डता का प्रतीक बताया तथा राष्ट्र की अवधारणा को चिंतन के विभिन्न आयामों में स्पष्ट किया। वियतनाम से आये डॉ. ठीच नगुएँ दाट ने भारत एवं वियतनाम के दर्शन की ऐतिहासिक समानता को सिद्ध करते हुए उस पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके पश्चात चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो. वाई. विमला ने ज्ञान के उद्भव को विज्ञान के नियम से जोड़कर इस तथ्य को स्पष्ट किया कि प्राचीन ज्ञान अपने आप में प्रमाणिक विज्ञान ही है। विशेषज्ञ सत्र के अन्त में सेमिनार सचिव डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा मंचासीन विद्वतजनों एवं उपस्थित ज्ञानेच्छुओं का आभार ज्ञापित किया गया। सत्र का मंच संचालन डॉ. श्वेता सिंह द्वारा किया गया। इसके पश्चात सेमिनार के दूसरे दिन भी विश्वविद्यालय के विभिन्न ओडिटोरियम में तकनीकी सत्र आयोजित किये गये जहाँ देश-विदेश से आये शोधकर्ताओं ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण के पश्चात संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन हुआ। प्रत्येक तकनीकी सत्र

के सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र को सम्मानित भी किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा द्वारा की गई। अपने प्रभावशाली अध्यक्षीय सम्बोधन में उन्होंने वैदिक ज्ञान के बहुआयामी पक्षों की सूक्ष्म व्याख्या के माध्यम से सम्पूर्ण सभागार को सम्मोहित कर दिया। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित “आर्गनाइजर” पत्रिका के मुख्य सम्पादक डॉ. प्रफुल्ल केतकर ने भरत मुनि के नाट्यशास्त्र में रंग, पात्र एवं रस की व्याख्या बहुत व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत की। साथ ही उन्होंने ब्रिटेन के राजनैतिक लोकतन्त्र, अमेरिका के आर्थिक लोकतन्त्र व भारत के आध्यात्मिक लोकतन्त्र को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया। इस क्रम में उच्च शिक्षा उ.प्र. शासन के संयुक्त निदेशक डॉ. राजीव पाण्डेय द्वारा विषय के सन्दर्भ में स्पष्ट किया गया कि हर संस्कृति का प्राचीन ज्ञान उसकी महत्वपूर्ण विरासत है। वर्तमान समय में हमें अपनी प्राचीन प्रज्ञा का पुनरावलोकन करना होगा जिसमें हम अपनी प्राचीन विरासत को खो न दे। उनके उपरान्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी मेरठ मण्डल, डॉ. राजीव गुप्ता ने समस्त विज्ञान का आधार वेदों में निहित बताया तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के व्यवस्थित एवं सफल आयोजन हेतु आयोजकों को शुभकामनाएँ दी। समापन सत्र का संचालन डॉ. आयुषी केतकर द्वारा किया गया तथा अन्त में गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रो. श्वेता आनन्द द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

इस अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के सफल आयोजन हेतु मैं दोनों संस्थानों के नेतृत्वकर्ता प्रो. दिव्यानाथ (प्राचार्य कु. मा. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर), प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा (कुलपति-गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नौएडा), हमारे अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगी संस्थान-वियतनाम बुद्धिस्ट विश्वविद्यालय हुए नगर वियतनाम के कुलपति / रेक्टर, प्राध्यापक गण एवं शोधार्थी, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नौएडा की डीन अकादमिक प्रो. श्वेता आनन्द, मेरे सहयोगी संयोजक एवं आयोजन सचिव (डॉ. विनोद कुमार शनवाल, डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. अरविन्द कुमार सिंह) इस कांफ्रेंस की सलाहकार समिति, आयोजक मण्डल एवं विभिन्न समितियों में कार्यरत विद्वान सहयोगी प्राध्यापक गण, देश-विदेश से आये आमन्त्रित विद्वानगण, प्रतिनिधि, शोधार्थी छात्र एवं छात्राओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। मैं इस अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में हमारे मीडिया सहयोगी फेडरेशन ऑफ कम्युनिटी रेडियो स्टेशन्स और उनके मुख्य प्रतिनिधि श्री धर्मपाल सिंह जी का भी आभार व्यक्त करता हूँ।

अंत में मैं अपने महाविद्यालय की सामूहिक चेतना को नमन करते हुए महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। इसी सामूहिक चेतना के आधार पर हर हम एक लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आशान्वित रहते हैं और अपेक्षित से अधिक सफलता प्राप्त करते हैं।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा)

डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा
प्रभारी

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा) के अंतर्गत सत्र 2019-20 में विभिन्न कार्य सम्पादित किये गये पुस्तकालय ओटोमेशन- महाविद्यालय के पुस्तक का ओटोमेशन किया गया जिसके अंतर्गत ओटोमेटिड गेट, स्कैनर, समस्त पुस्तकों पर चिप लगाये गये तथा छात्राओं को डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराये गये। ओटोमेशन होने के पश्चात् महाविद्यालय पुस्तकालय पूर्ण रूप से ओपन एक्सेस हो गया है तथा छात्रायें पुस्तकालय में जाकर स्वयं किसी भी पुस्तक का चयन कर सकती है। कागज विहीन एवं पर्यावरण अनुकूल शिक्षा व्यवस्था स्मार्ट क्लास के अंतर्गत आई-पेड, आई-पेन्सिल, प्रोजेक्टर, एपल टी. वी. आदि का क्रय किया गया। सत्र में कागज विहीन, पर्यावरण अनुकूल शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत एम.एस.सी. की समस्त छात्राओं को रुसा के अंतर्गत आई-पेड, आई-पेन्सिल प्रदान की गई। छात्राओं द्वारा एम.एस.सी. के समस्त असाईन्टमेंट, प्रैक्टिकल फाईल डिजिटल रूप से तैयार की गई एवं आंतरिक परीक्षा भी आई-पेड एवं आई-पेन्सिल का प्रयोग करते हुए डिजिटल माध्यम से दी गई। समस्त असाईन्टमेंट, प्रैक्टिकल फाईल एवं आंतरिक परीक्षा की डिजिटल कापियों को पारदर्शिता के लिये महाविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित किया गया।

GREEN AUDIT REPORT

Dr. Pratibha Tomar
Convenor

Dr. Meenakshi Lohani
Co- Convenor

Our institute's students, faculty and support staff is working to foster a culture of self-sustainability and making the entire campus environmental friendly. The Green campus initiatives started with nature club several years back followed by Green Audit in the year 2017-18. These initiatives enabling our institution to develop its campuses as a living laboratory for innovation.

The concept of going green has become a trend recently. With climate change and other environmental issues in many of today's headlines, it has become fashionable- even profitable- to use the term. But many lack a full appreciation of and awareness for what it really means to go green. "Sustainability involves becoming aware of the impact of all the little decisions that we make Thus" We go on to explain that often tells students that Sustainability is about being mindful of day-to-day activities and how they impact the environment as well as those who come after us. Recycling paper and plastic, along with trying to reduce your usage of electricity and fossil fuels are a start but there are many other steps -big and small- individuals can take to protect and preserve the planet.

Here, at our institute, Green Audit is defined as systematic identification, quantification, recording, reporting and analysis of components of environmental diversity. The 'Green Audit' aims to analyze environmental practices within and outside the college campus, which will have an impact on the eco-friendly ambience. Our emphasis is on 'Green Campus' including Water Conservation, Tree Plantation, Waste Management, paperless Work, Alternative Energy and Mapping of Biodiversity.

The purpose of the audit was to ensure that the practices followed in the campus are in accordance with the Green Policy adopted by the institution. The methodology include: forming a Committee for Green audit, physical inspection of the campus, observation and review of the documentation, interviewing key persons and data analysis, measurements and recommendations.

OBJECTIVES OF THE STUDY

Objectives of this study are carried out as directed in previous reports which are helping to promote the Environment Management and Conservation in the college Campus. the purpose of the audit is to identify, quantify, describe and prioritize framework of Environment Sustainability in compliance with the applicable regulation, policies and standards. The main objectives of carrying out Green Audit are:

- To make sure that the environment is not harmed due to increasing development.
- To make sure that all the resources are utilized properly.
- To assess the strength and weakness of the existing system.
- To introduce and aware students to real concerns of environment and its sustainability
- To secure the environment and cut down the threats posed to human health by analyzing the pattern and extent of resource use on the campus.
- To establish a baseline data to assess future sustainability by avoiding the interruptions in environment that are more difficult to handle and their corrections requires high cost.

- To Bring out a status report on environment complience.

MEASURES TAKEN IN THE YEAR 2019-20

With the aim to educate the young minds and contribute towards sustainability development the college's Eco restoration and Green Audit committee conducted various following activities throughout the year in association with other committees and departments of the college:

- Ground Water Week was organized in third week of July (16-22 July 2019) in association with the Geography department of the college.
- Plantation Drive, whereas 600 sapling were planted in and around college on the 9th august by NSS, NCC units of the college.
- under the aegis of Swachta samiti of the college Jal Shakti Abhiyaan was organized from 1st to 16th September to emphasize the importance of water and to store water for future generations.
- To save water two recharge pits have been made in the college near the hand pumps.
- Cleanliness drive was carried out with help of Greater Noida Authority to cut the bushes and grass in college campus.
- Energy Conservation - Use of Solder lights is in plan and progress
- Herbal Garden is built to propagate the usage and knowledge about the medication plants among students and staff.
- A vermi compost unit was built to recycle the biodegradable waste of the college campus.
- Go paperless- Multiple efforts have been taken and few others are in progress such as-
- Online process for admission to reduce the paper usages in overall admission steps. o Biometric attendance for students and college staff.
- Mobile applications usage for alerts and notification distribution.
- Introduced I-pad to classroom study at M.Sc Zoology.
- Assignments, projects and practical records and also internal exam copy is in usage in the zoology department of the college .
- Promotion of digital library and books.
- Rainwater harvesting units repair and cleaning was done to make it intact for water conservation.
- Lectures on environmental issues are being held regularly in college.

FUTURE STRATEGIES TO BE ADOPTED:

- To make more effective Wifi campus
- To promote digital automation and paperless working
- To install Solar Energy
- To encourage carpool to work, or events with others instead of taking your own car.

TABLE 1- INCURRED EXPENSES

S.No	ITEM	AMOUNT(RS.)	DATE
1	Tube Lights	5200	16th Jan 2020
2	Cleanliness Of College, Trees And Shrubs Cutting	53100	24th Dec 2019
3	Salary Of Gardener	6600	April 2019

4	Salary Of Gardener	7800	May 2019
5	Salary Of Gardener	7200	June 2019
6	Salary Of Gardener	7800	July 2019
7	Salary Of Gardener	6900	August 2019
8	Salary Of Gardener	7200	September 2019
9	Salary Of Gardener	6300	October 2019
10	Salary Of Gardener	7200	November 2019
11	Salary Of Gardener	7500	Devember 2019
12	Salary Of Gardener	8100	January 2020
13	Led Tubelights Havells	6420	24th Feb 2020
14	Cleaning Of Water Tank And Insatallation Of Float Walls	7020	24th Sep 2019
15	Apple Ipad, Projector, Etc For M.sc Classes	1052000	30th Jan 2020
	Total		1196340

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

Dr. Kishor Kumar
Convener IQAC

Km. Mayawati Government Girls Post Graduate, Badalpur, Gautambuddha Nagar has emerged as one of the premier government colleges of Uttar Pradesh with Under Graduate, Post Graduate, Ph.D., Post-Doctoral and Vocational Studies in different disciplines. The College has good infrastructure, well qualified and devoted faculty members, students with great potential including organic environment of teaching-learning and research. Besides it, our visionary leadership gives an edge by virtue of which, we have scored 2.91 CGPA (Grade B++), the highest among UP Govt colleges, in the second cycle of the NAAC accreditation process.

As an internal mechanism for sustenance, assurance and enhancement of the quality culture of education, Km. Mayawati Government Girls Post Graduate, Badalpur, Gautambuddha Nagar has established the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) for maintaining the momentum of quality consciousness. The IQAC is meant for planning, guiding and monitoring quality assurance and quality enhancement activities of the college. The IQAC channelizes and systematizes the efforts and measures of the college towards academic excellence and is a facilitative and participative organ of the college.

The IQAC is a driving force for ushering in quality, by working out intervention strategies to remove deficiencies and enhance qualities. To create a culture of excellence and impactful action, three IQAC meetings have been held during this session (2019-20). All the stakeholders including the Chairperson, academicians, students, alumni, parents, NGO-Industry representatives etc. participated and contributed enthusiastically with tangible and intangible efforts. IQAC of the college proposed some new targets and goals to achieve in the coming future, specifically for every next quarter. Our IQAC regularly introspects & analyses its goals and achievements, specially the gap between proposed target and outcome. Our institution achieved some unique milestones in this session. Regular dialogue among all the stakeholder gives us new dimension to act objectively. A brief summary of all three meetings held in this session are given below:-

FIRST IQAC MEET (07-09-2019)

First meeting of IQAC for the academic year 2019-20 was held on September 7, 2019. Meeting was started by the welcome speech of our IQAC Chairperson Prof. (Dr.) Divya Nath. She also stated the objectives of IQAC. Thereafter Dr. Kishor Kumar, Convenor IQAC presented the report of IQAC. He

mentioned that most of the proposed work in last meeting has been achieved effectively e.g. publishing of college magazine; 'Gyananjali', publication of the national journal, 'Prajnana', regular publication of college newsletter, 'Pritibimb' upgradation of electric load from 10 KW to 40 KW, ISO 9001:2015 Certification and up gradation of science smart class to video conference room. Dr. Kishor Kumar also stated the agenda of the meeting in detail. In the discussion Sh. C.P. Singh from Ambuja Cement Foundation said that their foundation will arrange a workshop on female hygiene that could benefit the students. Our special guest from Rotary Club Dadri assured to help us in temporary construction and repair work related to badminton court and water harvesting system. Alumni representative Ms. Kajol requested to establish Kabaddi ground. Dr. Kishor Kumar informed the house that college is going to organize an international conference in collaboration with Gautam Buddha University. The whole house suggested to arrange some more collaboration and sponsorship for the success of the conference. Parent representative Mr Ram Prakash Kushwaha was very happy with structured mentoring system introduced from the session 2018-19 in the college. Dr. Dinesh C. Sharma explained each and everything about mentoring system. Public representative Sh. Ashok Nagar promised for putting some more benches in the playground and send tractors for waste disposal management. Focussing on placements in college it was decided to hold the second edition of Rojgar Mela/Placement drive in the college. Besides agenda many issues discussed in IQAC meeting democratically. All the stockholders gave their inputs in a very organic environment. On behalf of all the committee Dr. Kishor Kumar express gratitude to all the stakeholders.

SECOND IQAC MEET (24-12-2019)

Second meeting of IQAC for the academic session 2019-20 was held on 24-12-2019. Meeting was started by the welcome speech of IQAC chairperson Professor (Dr.) Divya Nath. She also restated the objectives of establishing IQAC in our college. Dr. Kishor Kumar, Convenor IQAC presented the point wise report of IQAC. He mentioned that college has attained all the targeted milestones. All the stakeholders gave a round of applause to the leadership and collective spirit of the college. After wards Dr. Kishor Kumar explained the agenda of meeting followed by an intensive discussion.

In the meeting, our external academic representative Professor (Dr.) Arun Mohan Sherry, Director IIT, Lucknow said that we have to shift on on-line mode for library so that our students could access library via their mobile anytime anywhere. Chairperson Prof. Divya Nath informed that college has INFLIBNET and DELNET membership from seven years and students have access facility to both of them. Dr. Sherry further said that we have to find some innovative way to do better in limited resources. Dr. Kishor Kumar told the house that we are motivating our students to use National Digital library which has been dedicated to the nation in June 2018. All the stakeholders appreciated this idea. Dr. Deepti Bajpai explained that college is trying to motivate our teachers and students to enrol in online courses/ Swayam courses. Dr. Dinesh C. Sharma informed the house that some of our teachers doing these courses through NPTEL/ Swayam. Besides this Prof. Sherry again suggested a creative idea that we should allot some area of boundary wall to the student of drawing painting department. Smt. Shilpi informed about achievement in career counselling and placement services provided by the college. Prof. Sherry advised that college should focus on entrepreneurship skills so that students don't have to face difficulty in looking for jobs, instead they would become job providers. Dr. Arvind Kumar Yadav explained many entrepreneurship activities of college specially of Home Science and Commerce department. Our NGO representative Ms Nargis told that grooming of the students is also very important, which can realize the hidden potential of students, so we should arrange weekly classes for the students. Our academic representative Dr. A.K. Saxena advised that some classes should be started via on-line mode. According to him blended learning is the best way to create more effective teaching learning environment. Alumni Ms. Hema Upadhyay suggested that senior students can groom their juniors. Se-

Senior students could also take the remedial classes of their junior. Dr. Jitendra from Apollo Hospital Delhi suggested for organic farming. Prof. Sherry told that organic products are really in demand and it has huge potential. Our alumni Ms. Bhawana asked for volleyball court in the college. Besides all this citation every member gave their inputs in this discussion. Prof. Divya Nath, chairperson IQAC assured the house for effective implementation of suggestions. At last Dr. Kishor Kumar Convenor IQAC, expressed gratitude to Chairperson Prof. Divya Nath, to all the stakeholders specially students.

THIRD IQAC MEET (24-04-2020 @ ZOOM APP)

Third meeting of IQAC for the academic session 2019-20 was held on April 24, 2020. Due to Covid-19 pandemic scenario the meeting was held online on Zoom platform. Meeting was started by the welcome speech of our IQAC Chairperson Professor (Dr.) Divya Nath. She said that the world is witnessing a crisis unprecedented in human history, in the form of a pandemic due to the novel corona virus or COVID 19. Ever since the Second World War, no calamity has adversely affected the lives of the global community so much, so there's going to be clear demarcation between the pre corona and the post corona world. So we have to transform the way we make policies hereafter. The aims of this meeting is to find out new innovative ways with our collective efforts. We need new insights in teaching-learning process. She further stated that college achieved two big milestones after the last IQAC meet- (I) College successfully organized International Seminar in collaboration with Gautam Buddha University, Greater Noida (II) Performed well in accreditation process of second NAAC cycle and scored 2.91 marks out of 4 with B++ Grade. This is very big milestone for our college because before this no government college had secured such a high score in NAAC accreditation process in entire UP.

Thereafter Dr. Kishor Kumar, convenor IQAC presented the report. He told the house that international conference was a huge success with more than 500 participation. Many collaborations took place in this event especially with Vietnam Buddhist University in Hue, Hue City, Vietnam. Delegates, Resource Person and scholars from different countries e.g. USA, Dubai, Sri Lanka, Vietnam, Myanmar etc. presented their research at this platform. Besides it, Dr. Kishor described all the achievements of the college in last quarter e.g. establishment of dedicated staff car parking, about the visit of NAAC peer team during 3-4th March, 2020 arrangement of Rozgar Chaupal, establishment of cybercafe Suvidha, temporary classroom prepared for B. Voc., purchasing and repairing of old furniture, establishment of glamour room and herbal garden etc. Dr. Kishor Kumar said we secured a good score (2.91 out of 4) in NAAC process but we deserve better. He also explained the agenda of meeting in detail, followed by an extensive discussion. Academic representative Professor Arun Mohan Sherry stated that college should move on Zoom, WebEx, Google Meet or Microsoft Team. These e learning platforms are available free of cost with some limitations. Dr. Dinesh C. Sharma informed the house that all the faculty members are teaching effectively on zoom platform since lockdown has been enforced. Besides it we all are creating e-contents to our students. Dr. Kishor Kumar said that we are using blended type of teaching learning process. We have to implement it in more effective manner. Another Academic Representative Dr. Arun Kumar Saxena suggested Counselling & Career Guidance is very important task and it should be done by professionals. College must hire some professionals for guiding the students. Co-Convenor of IQAC Dr. Dinesh C. Sharma stated that we have done one webinar of our college staff and students on the topic "Lock down as an Opportunity for Humanity" organised under IQAC at college level on 19th April. He further added that IQAC is also planning for organising another webinar and one week FDP at national level. Dr. Deepthi Bajpai suggested that P. G. level semester examination (internal) should be held soon, so a meeting should be arranged on zoom with all the staff to decide roadmap for it. She further stated that college committee is also working on publication of newsletter and college magazine that would be come on time. Dr. Arvind Kumar Yadav stated that we should prepare more e-content for our students because of COVID-19, so that

students have more content for study. He also added that he would talk to Dr. Pawan Kumar Khatna for on-line counselling. Principal Madam suggested that all the departments and faculty arranged online PTM/department meetings to achieve all the targets in time. Besides it would motivate parents and students to download Arogya Setu App. Dr. Shilpi also told about the work of NSS to fight against COVID-19. She stated that College NSS team has also made a Facebook account to fight against Corona Virus. Dr. Kishor Kumar gave suggestion for tagging that page with college ID. Our Alumni Smt. Hema Upadhyay stated for more extra co-curricular activity through on-line mode. With extensive interaction and sufficient representation, this meeting was equally successful like earlier. At last Dr. Kishor Kumar, Convenor- IQAC gave an official vote of thanks to all the stakeholders.

Besides above three meetings of all the stakeholders, many meeting of college IQAC members held time to time. Many time for effective solutions we did some useful intensive dialogue with all the staff of college. Many workshop on different relevant issue have been organized by IQAC too. With all these achievement, I would like to mention it's our collective effort by virtue of which the college is regularly moving towards excellence, for which we are thankful to all the stakeholders. The college has achieved so much but excellence is a process, so we have to keep moving towards the fulfilment of our vision and mission.

B. VOC. COURSE

Dr. D. C. Sharma

Dr. Azad Alam

The UGC has started a scheme on skills development based higher education as part of college-university education leading to bachelor of vocation (B.Voc.) degree with lateral entry and multiple exit options at certificate/diploma/advanced diploma level under the NSQF. Two courses (MMDT and ATHM) under this scheme were started in our college in 2019. Students admitted in these courses were trained throughout in their first semester in various hospitals/organisations/institutes along with their routine classes in the college.

Training details are as follows: -

S.No.	B.Voc. Course	Training hospital/Organisation/Institute	Month	No. of days
1.	MMDT	Apollo cliniq, New Delhi	June 2019	7 days
2.	MMDT	Malik Radix Hospital, New Delhi	June 2019	7 days
3.	MMDT	Atlanta hospital, New Delhi	June 2019	7 days
4.	MMDT	Ivory Hospital, Noida	October/November 2019	8 days
5.	MMDT	Mohan Swaroop hospital, Dadri	November 2019	10 days
6.	MMDT	Vidya Hospital, Dadri	October/November 2019	12 days
7.	ATHM	Indira Gandhi institute of Aeronautics, New Delhi	July 2019	1 month
8.	ATHM	Cargo Visit at IGI airport, New Delhi	November 2019	1 Day
9.	ATHM	Radisson Hotel, Noida	June 2019	3 Days
10.	ATHM	Travel and Tours agency, Noida	July 2019	3 Days
11.	ATHM	Fly your dreams training	December 2019	7 Days
12.	ATHM	Radisson blue Hotel, New Delhi	December 2019	7 Days
13.	ATHM	IGI airport Terminal, New Delhi	January 2020	1 Day
14.	ATHM	Travmagix Holidays travel agency, New Delhi	January 202-	1 Day
15.	ATHM	New Delhi YMCA visit	January 2020	1 Day



= Students of MMDT and ATHM also organised a fresher's party in November.

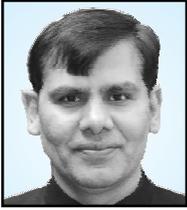


= Monthly tests and seminars were conducted regularly for both the courses. Internal exam of students has been successfully completed in February/march 2019.

महाविद्यालय प्राध्यापकों एवं छात्राओं की विशिष्ट उपलब्धियां -

डॉ. किशोर कुमार को पर्यावरणविद् अवॉर्ड की प्राप्ति

महाविद्यालय के इतिहास विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. किशोर कुमार की पर्यावरण संरक्षण के प्रति गहरी रुचि व प्रयासों को देखते हुए आपको Environment and Social Development Association, New Delhi द्वारा 18-19 फरवरी 2020 को World Environment Summit 2020 में ESDA Environmentlist Award 2020 से सम्मानित किया गया।



उल्लेखनीय है कि आपको इससे पूर्व भी पर्यावरण, मानविकी एवं आध्यात्मिकता के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु Green leadership Award से सम्मानित किया जा चुका है।

लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी मुख्यमंत्री स्वर्ण पदक से सम्मानित

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत तथा 13 गर्ल्स एन. सी.सी. बटालियन गाजियाबाद में एसोसिएट एन.सी.सी ऑफिसर के दायित्वों का निर्वहन कर रही डॉ.(लेफ्टिनेंट) मीनाक्षी लोहनी को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा एन.सी.सी के प्रति उनके अद्वितीय योगदान के लिए मुख्यमंत्री स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। उक्त के अतिरिक्त उनको सम्मान स्वरूप प्रशस्ति-पत्र और राज्य सरकार द्वारा घोषित पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। उक्त सम्मान पदक उनको एन. सी.सी. निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दिनांक 27/11/2019 को एन.सी.सी. दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के अवसर पर मेजर जनरल राकेश राणा (ए.डी.जी) द्वारा प्रदान किया गया।



उल्लेखनीय है कि डॉ. लोहनी ने विगत वर्ष एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में अद्वितीय अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए दो स्वर्ण पदक, दो उत्कृष्टता प्रमाण पत्र तथा प्रथम श्रेणी में प्रशिक्षण पूर्ण कर ए.एन.ओ. की उपाधि प्राप्त कर लेफ्टिनेंट का गौरवशाली पद प्राप्त किया था।

एन.सी.सी कैडेट्स कु. साक्षी शर्मा एवं कु. दिव्या द्वारा राजपथ पर प्रतिभाग

महाविद्यालय में 13 गर्ल्स यू. पी. बटालियन, गाजियाबाद द्वारा संचालित एन.सी.सी. इकाई की कैडेट्स कु.साक्षी शर्मा, बी.एस.सी प्रथम वर्ष तथा कु.दिव्या, बी.ए.द्वितीय वर्ष ने 26 जनवरी 2020 को नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर मार्च किया तथा तीनों सेनाओं के अध्यक्ष भारत के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द को सलामी दी।



उल्लेखनीय है कि सम्पूर्ण राष्ट्र में संचालित एन.सी.सी. इकाइयों के लगभग चौदह लाख कैडेट्स में से मात्र 159 कैडेट्स को ही राजपथ पर ससम्मान मार्च करने का सौभाग्य पर्याप्त होता है।

कु. सोनिका नागर असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित

महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि यहां की राजनीति विज्ञान विभाग की पुरातन छात्रा कु. सोनिका नागर उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान पद चयनित हुई है। उन्हें मेरठ के कनोहर लाल महिला महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति मिली है। कु. सोनिका ने महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विषय से वर्ष 2014 में स्नातकोत्तर किया था। वह प्रारंभ से ही होनहार छात्रा थी और यहां के प्राध्यापकों के निर्देशन में उन्होंने यूजीसी की नेट परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी। सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार उनकी सफलता पर हर्षित है व उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करता है।



महाविद्यालय परिवार

प्राचार्या-डॉ. दिव्या नाथ

कला संकाय

हिन्दी विभाग

1. डॉ. रश्मि कुमारी एसो. प्रो.
2. डॉ. अर्चना सिंह एसो. प्रो.
3. डॉ. जीत सिंह एसो. प्रो.
4. डॉ. मिन्तू असि. प्रो.

अंग्रेजी विभाग

1. श्रीमती जूही बिरला असि. प्रो.
2. डॉ. विजेता गौतम असि. प्रो.
3. डॉ. श्वेता सिंह असि. प्रो.
4. डॉ. अपेक्षा तिवारी असि. प्रो.

संस्कृत विभाग

1. डॉ. दीप्ति वाजपेयी एसो. प्रो.
2. डॉ. नीलम शर्मा असि. प्रो.
3. डॉ. कनकलता यादव असि. प्रो.

समाजशास्त्र विभाग

1. डॉ. सुशीला असि. प्रो.
2. डॉ. हरन्द्र कुमार असि. प्रो.
3. डॉ. विनीता सिंह असि. प्रो.

इतिहास विभाग

1. डॉ. आशा रानी एसो. प्रो.
2. डॉ. किशोर कुमार एसो. प्रो.
3. डॉ. निधि रायजादा एसो. प्रो.
4. डॉ. अनीता सिंह एसो. प्रो.
5. श्री अरविन्द सिंह असि. प्रो.

गृहविज्ञान विभाग

1. डॉ. शिवानी वर्मा एसो.प्रो.
2. श्रीमती शिल्पी असि. प्रो.
3. श्रीमती माधुरी पाल असि. प्रो.

राजनीति शास्त्र विभाग

1. डॉ. आभा सिंह एसो. प्रो.
2. डॉ. ममता उपाध्याय एसो. प्रो.
3. डॉ. सीमा देवी असि. प्रो.

भूगोल विभाग

1. डॉ. मीनाक्षी लोहानी असि. प्रो.
2. श्री कनक कुमार असि. प्रो.
3. श्रीमती निशा यादव असि. प्रो.

अर्थशास्त्र विभाग

1. श्रीमती भावना यादव असि. प्रो.
2. श्रीमती पवन कुमारी असि. प्रो.

संगीत विभाग

1. डॉ. बबली अरुण असि. प्रो.

शिक्षा विभाग

1. डॉ. सोनम शर्मा असि. प्रो.

शारीरिक शिक्षा विभाग

1. डॉ. सत्यन्त कुमार असि. प्रो.
2. श्री धीरज कुमार असि. प्रो.

चित्रकला विभाग

1. डॉ. शालिनी तिवारी असि. प्रो.

विज्ञान संकाय

जन्तु विज्ञान विभाग

1. डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा एसो. प्रो.

रसायन विज्ञान विभाग

1. श्रीमती नेहा त्रिपाठी असि. प्रो.

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. डॉ. प्रतिभा तोमर असि. प्रो.

भौतिक विज्ञान विभाग

1. डॉ. ऋचा असि. प्रो.

गणित विभाग

1. पद रिक्त

वाणिज्य संकाय

1. डॉ. अरविन्द कुमार यादव असि. प्रो.
2. डॉ. मणि अरोड़ा असि. प्रो.

शिक्षा संकाय

1. श्री बलराम सिंह असि. प्रो.
2. डॉ. संजीव कुमार असि. प्रो.
3. डॉ. रतन सिंह असि. प्रो.
4. मो. वकार रजा असि. प्रो.
5. डॉ. रमाकान्ति असि. प्रो.
6. डॉ. सतीश चन्द असि. प्रो.
7. डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह असि. प्रो.

बी. वॉक संकाय यू.जी.सी. अनुदानित

1. डॉ. आजाद आलम सिद्दुकी अस्थाई

शिक्षणेत्तर कर्मचारी

1. पुस्तकालयाध्यक्ष पद रिक्त
2. कार्यालयाध्यक्ष श्री महेश भाटी
3. वरिष्ठ लिपिक दो पद रिक्त
4. कनिष्ठ लिपिक श्री माधव श्याम केसरवानी
श्री अभिषेक कुमार
एक पद रिक्त
5. अर्दली एक पद रिक्त
6. स्वीपर एक पद रिक्त
7. कार्यालय परिचर श्री चन्द प्रकाश
दो पद रिक्त
8. प्रयोगशाला सहायक चार पद रिक्त
9. प्रयोगशाला परिचर श्री मुकेश शर्मा (भूगोल विभाग)
6 पद रिक्त

अनुशास्ता मण्डल



प्रथम पंक्ति में दाएं से बाएं : डॉ. दिनेश चन्द शर्मा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. दिव्यानाथ (प्राचार्या), डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. आशा रानी
द्वितीय पंक्ति में दाएं से बाएं : डॉ. सत्यन्त कुमार, डॉ. अरविन्द यादव, डॉ. बलराम

सम्पादक मण्डल



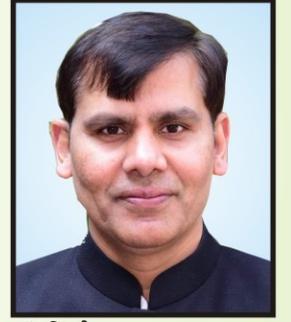
डॉ. दीप्ति वाजपेयी, प्रधान सम्पादक



डॉ. निधि रायज़ादा, सम्पादक



डॉ. दिव्या नाथ
प्राचार्या



डॉ. किशोर कुमार, सह सम्पादक



डॉ. नेहा त्रिपाठी, सम्पादक



डॉ. मीनाक्षी लोहनी, सम्पादक



डॉ. अरविन्द यादव, सम्पादक



डॉ. मिन्तु, सम्पादक



डॉ. विजेता गौतम, सम्पादक



डॉ. नीलम शर्मा, सम्पादक

In pursuing its vision and fulfilling its mission KMGPGC, Badalpur is guided by the following

CORE VALUES

As a unit of U.P. Government Higher Education, we strive towards earning trust and transparency through strict adherence of rules.

Commitment towards serving individual and society through outreach and community engagement, we contribute to national development.

By promoting competitive spirit, moral values and leadership skills among students, we help to bridge the rural-urban divide.

We promote secularism, team spirit, harmony, brotherhood, tolerance and respect towards flora, fauna and the environment.

By providing low-cost, high quality education to rural women, we aim towards their all-round development and empowerment.

Catering to an area dominated by the backward classes, we help to build an inclusive society.

As a center of traditional, professional and vocational education using modern technology, we are engaged in the pursuit of excellence in our teaching-learning process.



– Dr. Divya Nath
Principal

महाविद्यालय परिकल्पना और संकल्प को सिद्धि के स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के आधारभूत मूल्य निम्नवत् हैं-

आधारभूत मूल्य

उच्च शिक्षा, उ.प्र. शासन की इकाई के रूप में नियमों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित कर महाविद्यालय, विश्वास का वातावरण विनिर्मित करने एवं पारदर्शिता हेतु कटिबद्ध है।

सामुदायिक सेवा एवं संलग्नता के माध्यम से व्यक्ति तथा समाज सेवा की प्रतिबद्धता द्वारा महाविद्यालय, राष्ट्र की प्रगति में योगदान हेतु निरन्तर संलग्न है।

महाविद्यालय ग्रामीण छात्राओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, नैतिक मूल्य एवं नेतृत्व कौशल के विकास को प्रोत्साहित कर ग्रामीण-शहरी विभेद को दूर करने हेतु प्रयासरत है।

महाविद्यालय पंथनिरपेक्षता, सामूहिक चेतना, सौहार्द, भातृभाव एवं सहिष्णुता को प्रोत्साहित करता है तथा प्रकृति की प्रत्येक इकाई के प्रति सम्मान के भाव प्रदर्शित करता है।



ग्रामीण छात्राओं को न्यूनतम मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उच्चशिक्षा प्रदान करने की पृष्ठभूमि में महाविद्यालय का उद्देश्य उनके सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण को यथार्थ स्वरूप प्रदान करना है।

पिछड़े वर्ग की छात्राओं को मुख्यधारा में लाने के विचार के क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय समावेशी समाज के निर्माण में सहयोग के लिए तत्पर है।

परम्परागत एवं व्यवसायिक शिक्षा केन्द्र के रूप में महाविद्यालय शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आधुनिक तकनीकी के प्रयोग द्वारा उत्कृष्टता के प्रति लक्ष्योन्मुख है।

– डॉ. दीप्ति वाजपेयी
एसोसिएट प्रो. (संस्कृत)